रजिस्ट्री सं. डी. एल. (एन) 04/0007/2003-05 REGD. NO. D. L. (N) 04/0007/2003—05

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक
WEEKLY

सं. 49] नई दिल्ली, नवम्बर 27-दिसम्बर 3, 2011, शनिवार/अग्रहायण 6-अग्रहायण 12, 1933
No. 49] NEW DELHI, NOVEMBER 27—DECEMBER 3, 2011, SATURDAY/AGRAHAYANA 6—AGRAHAYANA 12, 1933

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह पृथक संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India (Other than the Ministry of Defence)

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 2011

का.आ. 3420.—शत्रु संपत्ति अधिनियम, 1968 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, श्री दीन बंधु साहू, आई.ए. एवं ए. एस. (95) को, श्री दिनेश सिंह के स्थान पर दिनांक 25-10-2011 अपराह्न से 5 वर्षों की अवधि अथवा अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, मुम्बई में भारत के शत्रु संपत्ति के अभिरक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं ।

[सं. 37/16/2008-ई पी]

एस. के. आहुजा, अवर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 23rd November, 2011

S. O. 3420.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Enemy Property Act, 1968 President is pleased to appoint Shri Dinabandhu Sahu, IA & AS (95) as Custodian of Enemy Property for India, Mumbai with effect from 25-10-2011 (FN) vice Shri Dinesh Singh, for a period of five years or until further orders, whichever event takes place earlier.

[F. No. 37/16/2008-EP]

S. K. AHUJA, Under Secy.

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 2011

का.आ. 3421.—केंद्रीय सरकार एतद्द्वारा दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए झारखंड राज्य सरकार, गृह विभाग, रांची की दिनांक 11 मार्च, 2010 की अधिसूचना सं. 06/सी.बी.आई.-701/10/675 द्वारा प्राप्त सहमति से सूचना प्रौद्योगिकी, अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 21) की धारा 65, 66, 66-ए, 66-बी, 66-सी, 66-डी, 66-ई, 66-एफ, 67, 67-ए, 67-बी, 67-सी, 84-बी, 84-सी और 85 के अंतर्गत दंडनीय अपराधों तथा उपर्युक्त उल्लिखित अपराधों के संबंध में या उससे सम्बद्ध प्रयास, दुष्प्रेरण तथा षड्यंत्र तथा उसी संव्यवहार के क्रम में किए गए या उन्हीं तथ्यों से उद्भूत किसी अन्य अपराध या अपराधों के अंतर्गत लोक सेवकों और झारखंड सरकार के कार्यों के संबंध में लोक सेवकों के अलावा नियुक्त कार्मिकों अथवा झारखंड सरकार के नियंत्रण के अंतर्गत किसी स्थानीय प्राधिकरण के संदर्भ में नियुक्त अथवा झारखंड सरकार के स्वामित्व वाली अथवा नियंत्रित निगम, कंपनी अथवा बैंक अथवा संस्था जिसने झारखंड राज्य सरकार से कोई वित्तीय सहायता प्राप्त की है अथवा प्राप्त कर रही है, के विरुद्ध अन्वेषण करने के लिए दिल्ली

विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों और क्षेत्राधिकार का विस्तार सम्पूर्ण झारखंड राज्य के संबंध में करती है ।

[फा. सं. 224/1/2009-ए वी डी-II]

राजीव जैन, अवर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

New Delhi, the 24th November, 2011

S. O. 3421.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government with the consent of the State Government of Jharkhand, Home Department, Ranchi vide Notification No. 06/CBI-701/10/675 dated 11th March, 2010, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Jharkhand for investigation of offences punishable under Sections 65, 66, 66-A, 66-B, 66-C, 66-D, 66-E, 66-F, 67, 67-A, 67-B, 67-C, 84-B, 84-C and 85 of the Information Technology Act, 2000 (Act No. 21 of 2000) and attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with the above mentioned offences and any other offence or offences committed in course of the same transatction or arising out of the same facts as against public servants other than public servants employed in connection with the affairs of the Government of Jharkhand or employed in connection with the affairs of any local authority subject to control of the Government of Jharkhand or any corporation, Company or Bank owned/controlled by the Government of Jharkhand or any Institution receiving or having received any financial aid from the Government of Jharkhand.

[F. No. 224/1/2009-AVD-II]

RAJIV JAIN, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 2011

का.आ. 3422.—केंद्रीय सरकार एतद्द्वारा दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 अधिनियम सं. 25) की धारा 6 सह पठित धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य सरकार, गृह विभाग की अधिसूचना संख्या 1(1) सीबीआई/VI-पी-4-2011 दिनांक 13-09-2011 द्वारा प्राप्त सहमति से भारतीय दण्ड संहिता, 1860 (1860 का अधिनियम संख्या 45) की धारा 302 एवं 376 के अंतर्गत अपराध, पुलिस थाना निगाहसान, जिला खेरी में दर्ज अपराध संख्या 706/2011 तथा उपरोक्त अपराध से जुड़े या सम्बन्धित प्रयास, उकसाना और षड्यंत्र करने और इस चलन में अन्य किए गए या उन्हीं तथ्यों से उद्भूत किसी अपराध एवं अपराधों का अन्वेषण करने के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश राज्य पर करती है ।

[फा. सं. 228/61/2011-एवीडी-II]

राजीव जैन, अवर सचिव

New Delhi, the 24th November, 2011

S. O. 3422.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government with the consent of the State Government of Uttar Pradesh, Home Department vide Notification No. 1(1) C.B.I./VI-P-4 2011 dated 13 September, 2011 hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Uttar Pradesh for investigation of Crime No.706/2011 under Sections 302 and 376 of the Indian Penal Code, 1860 (Act No. 45 of 1860) registered at Police Station Nighasan Distt. Kheri and attempt, abetment and conspiracy in relation to or in connection with the above mentioned offences and an other offence or offences committed in course of the same transaction or arising out of the same facts.

[F. No. 268/61/2011-AVD-II]

RAJIV JAIN, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 2011

का.आ. 3423.—केंद्रीय सरकार एतद्द्वारा दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 5 की उप-धारा (1) सपठित धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए गोवा राज्य सरकार, गृह विभाग (सामान्य), सचिवालय पोर्वोरिम की दिनांक 1 अगस्त, 2011 की अधिसूचना संख्या 9/17/2011-एचडी (जी)/भाग 3 द्वारा प्राप्त सहमति से निम्नलिखित अपराधों :—

क्रम सं.	एफआईआर संख्या तथा दिनांक	विधि की धारा	पुलिस स्टेशन
1	2	3	4
1.	एफआईआर सं. 35/2011 दिनांक 25-5-2011	भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का अधिनियम सं. 45) की धारा 143, 147, 148, 341, 153, सपठित धारा 149 तथा 120-बी	कनकोलिम पुलिस स्टेशन
2.	एफआईआर सं. 36/2011 दिनांक 25-5-2011	भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का अधिनियम सं. 45) की धारा 143, 147, 341, 353, 427, सपठित धारा 149 तथा 120-बी तथा लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम, 1984 (1984 का अधि-नियम सं. 3) की धारा 3	

1	2	3	
3.	एफआईआर सं. 37/2011 दिनांक 25-5-2011	भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का अधिनियम सं. 45) की धारा 143, 147, 148, 341, 435, 188, 332, 307 सपठित धारा 149 तथा 120-बी	
4.	एफआईआर सं. 38/2011 दिनांक 25-5-2011	भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का अधिनियम सं. 45) की धारा 143, 147, 148, 436, 427, सपठित धारा 149	
5.	एफआईआर सं. 39/2011 दिनांक 25-5-2011	भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का अधिनियम सं. 45) की धारा 143, 147, 148, सपठित धारा 149 तथा लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम, 1984 (1984 का अधिनियम सं. 3) की धारा 3 तथा भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का अधिनियम सं. 45) की युक्तिका धारा 186, 341 तथा 353	
6.	एफआईआर सं. 40/2011 दिनांक 26-5-2011	भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का अधिनियम सं. 45) की धारा 143, 147, 148, 353 सपठित धारा 149 तथा लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम, 1984 (1984 का अधिनियम सं. 3) की धारा 3	
7.	एफआईआर सं. 41/2011 दिनांक 26-5-2011	भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का अधिनियम सं. 45) की धारा 143, 147, 148, 436, 427 सपठित धारा 149	
8.	एफआईआर सं. 42/2011 दिनांक 28-5-2011	भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का अधिनियम सं. 45) की धारा 323, 307, सपठित धारा 34 तथा भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का अधिनियम सं. 45) की युक्तिका धारा 341	
9.	एफआईआर सं. 09/2011 दिनांक 25-5-2011	रेलवे अधिनियम, 1989 (1989 का अधिनियम सं. 24) की धारा 150 तथा 151 (1)	दक्षिण गोवा कोंकण रेलवे पुलिस स्टेशन

तथा प्रयास, दुष्प्रेरण तथा षड्यंत्र के संबंध में या उपर्युक्त उल्लिखित अपराधों के संबंध में तथा इन तथ्यों से उद्भूत या इसके संबंध में किए गए अन्य अपराध या अपराधों के संबंध में अन्वेषण करने के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों और क्षेत्राधिकार का विस्तार संपूर्ण गोवा राज्य के संबंध में करती है ।

[फा. सं. 228/53/2011-एवीडी-II]

राजीव जैन, अवर सचिव

New Delhi, the 24th November, 2011

S. O. 3423.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government with the consent of the State Government of Goa, Home Department (General), Secretariat, Porvorim vide Notification No. 9/17/2011-HD (G)/Part-III dated 1st August, 2011, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Goa for investigation of offences as hereunder :—

Sl. No.	F.I.R. No. and date	Sections of Law	Police Station
1	2	3	4
1.	FIR No. 35/2011 dated 25-5-2011	Sections 143, 147, 148, 341, 153 read with 149 and 120-B of the Indian Penal Code, 1860 (Act No. 45 of 1860).	Cuncolim Police Station
2.	FIR No. 36/2011 dated 25-5-2011	Sections 143, 147, 341, 353, 427 read with 149 and 120-B the Indian Penal Code, 1860 (Act No. 45 of 1860) and Section 3 of the Prevention of Damage to Public Property Act, 1984 (Act No. 3 of 1984).	

1	2	3	4
3.	FIR No. 37/2011 dated 25-5-2011	Sections 143, 147, 148, 341, 435, 188, 332, 307 read with 149 and 120-B of the Indian Penal Code, 1860 (Act No. 45 of 1860) and Section 3 of the Prevention of Damage to Public Property Act, 1984 (Act No. 3 of 1984).	
4.	FIR No. 38/2011 dated 25-5-2011	Sections 143, 147, 148, 436, 427 read with 149 of the Indian Penal Code, 1860 (Act No. 45 of 1860)	
5.	FIR No. 39/2011 dated 25-5-2011	Sections 143, 147, 148, read with 149 of the Indian Penal Code, 1860 (Act No. 45 of 1860) and Section 3 of the Prevention of Damage to Public Property Act, 1984 (Act No. 3 of 1984). and addendum Sections 186, 341 and 353 of the Indian Penal Code, 1860 (Act No. 45 of 1860).	
6.	FIR No. 40/2011 dated 26-5-2011	Sections 143, 147, 148, 353, read with 149 of the Indian Penal Code, 1860 (Act No. 45 of 1860) and Section 3 of the Prevention of Damage to Public Property Act, 1984 (Act No. 3 of 1984).	
7.	FIR No. 41/2011 dated 26-5-2011	Sections 143, 147, 148, 436, 427 read with 149 of the Indian Penal Code, 1860 (Act No. 45 of 1860)	
8.	FIR No. 42/2011 dated 28-5-2011	Sections 323, 307 read with 34 of the Indian Penal Code, 1860 (Act No. 45 of 1860) and addendum Section 341 of the Indian Penal Code, 1860 (Act No. 45 of 1860).	
9.	FIR No. 09/2011 dated 25-5-2011	Sections 150 and 151 (1) of the Railways Act 1989 (Act No. 24 of 1989)	South Goa Konkan Railway Police Station.

and attempt, abetment, and conspiracy in relation to or in connection with the above mentioned offences and any other offence or offences committed in course of the same transaction or arising out of the same facts.

[F. No. 228/53/2011-AVD-II]

RAJIV JAIN, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 2011

का.आ. 3424.—केंद्रीय सरकार एतद्द्वारा दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नोक्त अपराध जो कि दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना द्वारा अन्वेषित होने हैं, को विनिर्दिष्ट करती है, नामत: :-

(क) भारतीय दंड संहिता 1860 (1860 का अधिनियम सं. 45) की धारा 153 के अंतर्गत दंडनीय अपराध और

(ख) उपर्युक्त उल्लिखित अपराध के संबंध में या इससे सम्बद्ध प्रयास, दुष्प्रेरणा तथा षड्यंत्र ।

[सं. 228/53/2011-ए वी डी-II]

राजीव जैन, अवर सचिव

New Delhi, the 24th November, 2011

S. O. 3424.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government hereby specifies the following offence which is to be investigated by the Delhi Special Establishment namely :—

(a) Offence punishable under section 163 of the India Penal Code, 1860 (Act No. 45 of 1860) and

(b) Attempt, abetment and conspiracy in relation to or in connection with the offence mentioned above.

[No. 228/53/2011-AVD-II]

RAJIV JAIN, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 नवम्बर, 2011

का.आ. 3425.—केंद्रीय सरकार एतद्द्वारा द्वारा दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का अधिनियम सं. 2) की धारा 24 की उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केस सं. 8(एस)/1992/एस.आई.सी.-4 एस.सी.-3/नई दिल्ली तथा विशेष न्यायाधीश (अयोध्या प्रकरण), लखनऊ के न्यायालय में लम्बित परीक्षण संबंधी अन्य 47 मामलों तथा उत्तर प्रदेश राज्य में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (के.अ. ब्यूरो) द्वारा संस्थापित विशेष न्यायाधीश, रायबरेली के न्यायालय में परीक्षण के लिए लम्बित आर.सी 1 (एस)/1993/एस.आई.सी-4/एस.सी. 3/नई दिल्ली जोकि परीक्षण न्यायालयों तथा अपीलों/पुनरीक्षणों या विधि द्वारा स्थापित पुनरीक्षण या अपीलीय न्यायालयों में इन मामलों से उद्भूत अन्य मामलों का

अन्वेषण करने हेतु उन्हें के.अ. ब्यूरो द्वारा सौंपे गए हैं, का संचालन करने के लिए निम्नोक्त वकीलों को विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है :-

1. श्री पी. चक्रवर्ती
2. श्री ललित कुमार सिंह
3. श्री राम कुमार यादव

[फा.सं. 225/41/2011-ए वी डी-II]

राजीव जैन, अवर सचिव

New Delhi, the 25th November, 2011

S. O. 3425.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act No. 2 of 1974), the Central Government hereby appoints following Advocates as Special Public Prosecutor for conducting prosecution of case Nos. 8(S)/1992/SIC-IV. SC-III/ New Delhi and 47 other cases pending trial in the court of Special Judge (Ayodhya Prakaran) Lucknow and RC 1 (S)/ 1993/SIC-IV/SC. III/ New Delhi pending trial in the court of Special Magistrate, Raibarely instituted by the Delhi Special Police Establishment (Central Bureau of Investigation) in the State of Uttar Pradesh as entrusted to them by the Central Bureau of Investigation in the trial courts and appeal/revision or other matter arising out of these cases in revisional or apellate courts established by law.

1. Shri P. Chakravarty
2. Shri Lalit Kumar Singh
3. Shri Ram Kumar Yadav

[F. No. 225/41/2011-AVD-II]

RAJIV JAIN, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(वित्तीय सेवाएं विभाग)

नई दिल्ली, 16 नवम्बर, 2011

का.आ. 3426.—भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 28) की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (ङ) के उपखंड (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सचिव श्री प्रदीप कुमार चौधरी को अगले आदेश होने तक, श्री राजेन्द्र पाल सिंह के स्थान पर भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम बैंक) के निदेशक मण्डल में निदेशक के रूप में नामित करती है ।

[फा. सं. 24/27/2002-आईएफ-I]

एस. गोपाल कृष्ण, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Financial Services)

New Delhi, the 16th November, 2011

S. O. 3426.—In pursuance of the powers conferred by Sub-Clause (i) of Clause (e) of sub-section (1) of Section 6 of the Export Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981), the Central Government hereby nominates Shri Pradeep Kumar Chaudhery, Secretary, Department of Industrial Policy and Promotion, Ministry of Commerce and Industry, as Director on the Board of Directors of Export Import Bank of India (Exim Bank) vice Shri Rajinder Pal Singh until further orders.

[F. No. 24/27/2002-IF-I]

S. GOPAL KRISHNA, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 नवम्बर, 2011

का.आ. 3427.—भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 28) की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (ङ) के उपखंड (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, विदेश मंत्रालय के सचिव (ईआर) श्री सुधीर व्यास को अगले आदेश होने तक, श्री मनबीर सिंह के स्थान पर भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम बैंक) के निदेशक मण्डल में निदेशक के रूप में नामित करती है ।

[फा. सं. 24/27/2002-आईएफ-I]

एस. गोपाल कृष्ण, अवर सचिव

New Delhi, the 16th November, 2011

S. O. 3427.—In pursuance of the powers conferred by Sub-Clause (i) of Clause (e) of sub-section (1) of Section 6 of the Export Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981), the Central Government herehby nominates Shri Sudhir Vyas, Secretary (ER), Ministry of External Affairs, as Director on the Board of Directors of Export Import Bank of India (Exim Bank) vice Shri Manbir Singh until further orders.

[F. No. 24/27/2002-IF-I]

S. GOPAL KRISHNA, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 2011

का.आ. 3428.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध एवं प्रकीण उपबंध) स्कीम, 1970/1980 के खंड 3 के उपखंड (1), खंड 5, खंड 6, खंड 7 और खंड 8 के उपखंड (1) के साथ पठित, बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970/1980 की धारा 9 की उपधारा (3) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात्, एतद्द्वारा, बैंक आफ महाराष्ट्र के कार्यपालक निदेशक श्री एम.जे. संघवी (जन्म तिथि 12-06-1953) को 1-03-2012 को अथवा उसके बाद उनके पदभार ग्रहण करने की तारीख से 30-06-2013 तक अर्थात् उनके अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने की तारीख तक अथवा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, सिंडिकेट बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त करती है ।

[फा. सं. 4/4/2010-बीओ-I]

विजय मल्होत्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 21st November, 2011

S. O. 3428.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (3) of Section 9 of the Bank Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings)

Act, 1970/1980 read with sub-clause (1)- of clause 3, clause 5, clause 6, clause 7 and sub-clause (1) of clause 8 of The Nationalised Bank (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970/1980, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri MG. Sanghvi (DoB : 12-06-1953), Executive Director, Bank of Maharashtra as the Chairman and Managing Director, Syndicate Bank, from the date of his taking over charge of the post on or after 1-03-2012 till 30-06-2013 i.e. the date of his attaining the age of superannuation or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 4/4/2010-BO-I]

VIJAY MALHOTRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 2011

का.आ. 3429.—भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 (1955 का 23) की धारा 20 की उपधारा (3क) के साथ पठित धारा 19 के खण्ड (गक) के अनुसरण में तथा भारतीय स्टेट बैंक (कर्मचारी निदेशकों की नियुक्ति) विनियमावली, 1974 के नियम 3 में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा भारतीय स्टेट बैंक के विशेष सहायक श्री ज्योति भूषण महापात्रा (जन्म तिथि 23-09-1957) को उनकी नियुक्ति की अधिसूचना की तारीख से तीन वर्षों की अवधि के लिए अथवा भारतीय स्टेट बैंक के कर्मचारी के रूप में अपना पदभार छोड़ देने तक अथवा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, भारतीय स्टेट बैंक के केन्द्रीय बोर्ड में कर्मकार कर्मचारी निदेशक के रूप में नियुक्त करती है ।

[फा. सं. 8/7/2009-बीओ-I]

विजय मल्होत्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 21st November, 2011

S. O. 3429.—In pursuance of clause (ca) Section 19 read with sub-section (3A) of Section 20 of The State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955), and in exercise of the powers vested under Rule 3 of the State Bank of India (Appointment of Employee Directors) Rules, 1974, the Central Government, hereby appoints Shri Jyoti Bhushan Mohapatra, (DoB : 23-09-1957), Special Assistant, State Bank of India, as Workmen Employee Director on the Central Board of Directors of State Bank of India for a period of three years from the date of his notification or till he ceases to be a Workmen of State Bank of India or until further orders, whiehever is earlier.

[F. No. 8/7/2009-BO-I]

VIJAY MALHOTRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 2011

का.आ. 3430.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध एवं प्रकीण उपबंध) स्कीम, 1970/1980 के खंड 9 के उपखंड (1) और (2) के साथ पठित, बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970/1980 की धारा 9 की उपधारा (3) के खंड (ङ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा पंजाब एंड सिंध बैंक के विशेष सहायक श्री एस. सुरिन्दर पाल सिंह विर्क (जन्म तिथि 12-02-1956) को उनकी नियुक्ति की अधिसूचना की तारीख से तीन वर्षों की अवधि के लिए अथवा पंजाब एंड सिंध बैंक के कर्मकार कर्मचारी के रूप में उनके पदभार छोड़ देने तक अथवा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, पंजाब एंड सिंध बैंक के निदेशक मण्डल में कर्मकार कर्मचारी निदेशक के रूप में नियुक्त करती है ।

[फा. सं. 9/35/2009-बीओ-I]

विजय मल्होत्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd November, 2011

S. O. 3430.—In exercise of the powers conferred by clause (e) of sub-section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980 read with Sub-clause (1) & (2) of Clause 9 of The Nationalised Bank (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970/1980, the Central Government hereby appoints Shri S. Surinder Pal Singh Virk, (DoB : 12-02-1956), Speicial Assistant, Punjab & Sind Bank, as Workmen Employee Director on the Board of Directors of Punjab & Sind Bank for a period of three years from the date of his notification or till he ceases to be a Workmen employee of Punjab & Sind Bank or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 9/35/2009-BO-I]

VIJAY MALHOTRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 2011

का.आ. 3431.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध एवं प्रकीण उपबंध) स्कीम, 1970/1980 के खंड 9 के उपखंड (1) और (2) के साथ पठित, बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970/1980 की धारा 9 की उपधारा (3) के खंड (ङ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा देना बैंक के सिंगल विंडो आपरेटर-बी श्री सत्य प्रकाश शर्मा (जन्म तिथि 13-06-1954) को उनकी नियुक्ति की अधिसूचना की तारीख से 30-06-2014 तक अर्थात् उनके अधिवर्षिता की आयु प्राप्त कर लेने की तारीख तक अथवा देना बैंक में बतौर कर्मकार कर्मचारी के रूप में उनके पदभार छोड़ देने तक अथवा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, देना बैंक के निदेशक मण्डल में कर्मकार कर्मचारी निदेशक के रूप में नियुक्त करती है ।

[फा. सं. 9/30/2009-बीओ-I]

विजय मल्होत्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd November, 2011

S. O. 3431.—In exercise of the powers conferred by clause (e) of sub-section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980 read with Sub-clause (1) & (2) of Clause 9 of The Nationalised Bank (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970/1980, the Central Government hereby appoints Shri Satya Prakash Sharma (DoB : 13-06-1954), Single Window Operator-B, Dena Bank, as Workmen Employee Director on the Board of Directors of Dena Bank from the date of notification of his appointment till 30-06-2014 i.e. the date of his attaining the

age of superannuation or till he ceases to be a workmen employee of Dena Bank or Until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 9/30/2009-BO-I]

VIJAY MALHOTRA, Under Secy.

मुख्य आयकर आयुक्त का कार्यालय

जयपुर, 21 नवम्बर, 2011

का.आ. 3432.—आयकर नियम, 1962 के नियम 2 सी के साथ पठनीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 10 के खण्ड (23 सी) की उपधारा (iv) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मुख्य आयकर आयुक्त, जयपुर एतद्द्वारा निर्धारण वर्ष 2011-12 एवम आगे के लिए कथित धारा के उद्देश्य से "राजस्थान प्रोटेक्टेड एरिया कन्जरवेशन सोसायटी, जयपुर" को स्वीकृति देते हैं।

बशर्ते कि समिति आयकर नियम, 1962 के नियम 2 सी के साथ पठनीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 के उपखण्ड (23 सी) की उपधारा (iv) के प्रावधानों के अनुरूप कार्य करे।

[अधिसूचना सं. 11/2011-12/क्रमांक : मुआआ/अआआ/(मु)/जय/10 (23सी)(2011)/2011-12]

बृजेश गुप्ता, मुख्य आयकर आयुक्त

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER OF INCOME TAX

Jaipur, the 21st November, 2011

S. O. 3432.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) read with rule 2C of the Income-tax Rules, 1962 the Chief Commissioner of Income-tax, Jaipur hereby approves **"Rajasthan Protected Areas Conservation Society, Jaipur"** for the purpose of said section for the A. Y. 2011-12 & onwards.

Provided that the society conforms to and complies with the provisions of sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 2C of the Income-tax Rules, 1962.

[Notification No. 11/2011-12/ No. CCIT/JPR/Addl. CIT (Hqrs.)/10 (23C) (iv)/2011-12]

BRIJESH GUPTA, Chief Commissioner of Income-tax

विदेश मंत्रालय

(सीपीवी प्रभाग)

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 2011

का.आ. 3433.—राजनयिक और कोंसलीय ऑफिसर (शपथ और फीस) के अधिनियम, 1948 (1948 का 41) की धारा 2 के खंड (क) के अनुसरण में, केंद्र सरकार एतद्द्वारा श्री बैजानाथ प्रसाद, सहायक को 1-11-2011 से भारत के राजदूतावास, कुवैत में सहायक कोंसुलर अधिकारी के कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[सं. टी-4330/01/2006]

आर. के. पेरिनडिया, अवर सचिव (कोंसुलर)

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

(CPV Division)

New Delhi, the 14th November, 2011

S. O. 3433.—In pursuance of the clause (a) of the Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorize Shri Baija Nath Prasad, Assistant, Embassy of India, Kuwait to perform the duties of Assistant Consular Officer with effect from 1st November, 2011.

[No. T-4330/01/2006]

R. K. PERINDIA, Under Secy. (Consular)

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 2011

का.आ. 3434.—केंद्र सरकार, इस मंत्रालय की दिनांक 25 मई, 2011 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में और चलचित्र (प्रमाणन) नियम, 1983 के नियम 3 के साथ पठित चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री टी.जी. त्यागराजन को तत्काल प्रभाव से तीन वर्ष की अवधि या अगले आदेशों तक, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. सं. 809/2/2010-एफ (सी)]

के. रामाकृष्णन, उप सचिव (फिल्म)

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 14th November, 2011

S. O. 3434.—In continuation of this Ministry's Notification of even No. dated 25th May, 2011 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) read with rule 3 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983, the Central Government is pleased to appoint Shri T.G. Thyagarajan as member of the Central Board of Film Certification with immediate effect for a period of three years or until further orders.

[F. No. 809/2/2010-F (C)]

K. RAMAKRISHNAN, Dy. Secy. (Films)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(उच्चतर शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 2011

का.आ. 3435.—सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा नीचे तालिका के कॉलम (1) में उल्लिखित अधिकारी को, सरकार के राजपत्रित अधिकारी के

समतुल्य अधिकारी होने के फलस्वरूप, उक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ संपदा अधिकारी नियुक्त करती है जो उक्त अधिनियम द्वारा अथवा उनके तहत प्रदत्ता शक्तियों का प्रयोग करेगा और उक्त तालिका के कॉलम (2) में विनिर्दिष्ट सार्वजनिक परिसरों के संबंध में उसके क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमाओं के भीतर संपदा अधिकारी को सौंपे गए कार्यों को निष्पादित करेगा ।

तालिका

अधिकारी का पदनाम	सार्वजनिक परिसरों की श्रेणी और क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमाएं
(1)	(2)
रजिस्ट्रार, इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स, धनबाद	इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स, धनबाद से संबंधित अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से अधिग्रहीत अथवा पट्टे पर लिए गए परिसर ।

[फा. सं. 9-79/1999-टीएस-II]

आर. के. माहेश्वरी, अवर सचिव

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Higher Education)

New Delhi, the 23rd November, 2011

S. O. 3435.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorized Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being the officer equivalent to the rank of Gazetted Officer of the Government, to be estate officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed, on Estate Officer by or under the said Act, within the local limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in column (2) of the said table.

TABLE

Designation of the Officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
(1)	(2)
Registrar, Indian School of Mines, Dhanbad	Premises belonging to, or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Indian School of Mines, Dhanbad.

[F. No. 9-79/1999-TS-II]

R. K. MAHESHWARI, Under Secy.

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 2011

का.आ. 3436.— केन्द्रीय सरकारी, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 12 के उपनियम (2) के साथ पठित, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स क्वालिटी सर्विसिज एंड सोल्यूशन्स (गोआ), शेड सं., सी-11, इंडस्ट्रियल इस्टेट, डाम रोड, होसपेट-583 203 को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 3975 तारीख 20 दिसम्बर, 1965 से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट खनिज और अयस्क समूह-I अर्थात् लौह अयस्क का, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त खनिज और अयस्कों का होसपेट में निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए एक अभिकरण के रूप में मान्यता देती है , अर्थात् :-

(i) मैसर्स क्वालिटी सर्विसिज एंड सोल्यूशन्स (गोआ), शेड सं. सी-11, इंडस्ट्रियल इस्टेट, डाम रोड, होसपेट-583 203, खनिज तथा अयस्क समूह-I का निर्यात (निरीक्षण) नियम के नियम 4 के अधीन "निरीक्षण का प्रमाणपत्र" देने के लिए उनके द्वारा अपनाई गई पद्धति की जांच करने के लिए, इस संबंध में निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा नामनिर्दिष्ट अधिकारियों को पर्याप्त सुविधाएं देगी;

(ii) मैसर्स क्वालिटी सर्विसिज एंड सोल्यूशन्स (गोआ), शेड सं. सी-11, इंडस्ट्रियल इस्टेट, डाम रोड, होसपेट-583 203, इस अधिसूचना के अधीन अपने कृत्यों के अनुपालन में, निदेशक (निरीक्षण और क्वालिटी नियंत्रण) द्वारा समय-समय पर लिखित में दिए गए निदेशों से आबद्ध होंगे ।

[फा. सं. 4/7/2011-निर्यात निरीक्षण]

डी. एस. ढेसी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

New Delhi, the 24th November, 2011

S. O. 3436.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), read with sub-rule (2) of rule 12 of the Export (Quality Control and Inspection) Rule, 1964, the Central Government hereby recognises, for a period of three years from the date of publication of this notification, M/s. Quality Services & Solutions (Goa) located at Shed No.C-11, Industrial Estate, Dam Road, Hospet-583 203, as an Agency for the inspection of Minerals and Ores Group-I, namely, Iron Qre, specified in the Schedule annexed to the Ministry of Commerce notification number S. O. 3975 dated 20th December, 1965, prior to export of aforesaid minerals and ores at Hospet, subject to the following conditions, namely :—

(i) M/s. Quality Services & Solutions (Goa), Shed No. C-11, Industrial Estate, Dam Road, Hospet-583 203, shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by them in granting the "Certificate of Inspection" under rule 4 of the Export of Minerals and Ores-Group I (Inspection) Rules;

(ii) M/s. Quality Services & Solutions (Goa), Shed No. C-11, Industrial Estate, Dam Road, Hospet-583 203, in the performance of their function under this notification shall be bound by such directives as the Director (Inspection and Quality Control) may give in writing from time to time.

[F. No. 4/7/2011-Export Inspection]

D. S. DHESI, Jt. Secy.

स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण विभाग)

नई दिल्ली, 19 अक्तूबर, 2011

का.आ. 3437.— केन्द्र सरकार, दंतक चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय दंत चिकित्सा परिषद् से परामर्श करने के बाद एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-1 में निम्नलिखित संशोधन करती है, नामत:

2. राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान, विश्वविद्यालय, कर्नाटक द्वारा प्रदान की गई दंत चिकित्सक डिग्रियों मान्यता से संबंधित दंत चिकित्सा अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-1 में अल-बदर ग्रामीण दन्त चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, गुलबर्गा, कर्नाटक के संबंध में क्रम सं. 49 XXX के सामने कालम 2 एवं 3 की मौजूदा प्रविष्टियों में निम्नलिखित प्रविष्टियां अन्त:स्थापित की जाएंगी नामत:

"मास्टर आफ डेन्टल सर्जरी

(i) ओरल मेडिसिन एण्ड रेडियोलोजी (यदि यह दिनांक 24-5-2011 को या उसके बाद प्रदान की गई हो)	एमडीएस (ओरल मेडिसिन), राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कर्नाटक
(ii) ओरल एण्ड मैक्सीलोफैसियल सर्जरी (यदि यह दिनांक 24-5-2011 को या उसके बाद प्रदान की गई हो)	एमडीएस (ओरल सर्जरी), राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कर्नाटक
(iii) ओर्थोडोंटिक्स एण्ड डेंटोफेसियल ओर्थोपेडिक्स (यदि यह दिनांक 26-5-2011 को या उसके बाद प्रदान की गई हो)	एमडीएस (आर्थो.), राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कर्नाटक"

[फा. सं. वी-12017/18/2007-डीई]

अनिता त्रिपाठी, अवर सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health and Family Welfare)

New Delhi, the 19th October, 2011

S. O. 3437.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with the Dental Council of India, hereby, makes the following amendments in Part-I of the Schedule to the said Act, namely :—

2. In the existing entries of column 2 & 3 against XXX of Serial No. 49, in respect of Al-Badar Rural Dental College & Hospital, Gulbarga, Karnataka, in Part-I of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) pertaining to recognition of dental degrees awarded by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Karnataka, the following entries shall be inserted thereunder :—

"Master of Dental Surgery

(i) Oral Medicine & Radiology (If granted on or after 24-05-2011)	MDS (Oral Medicine), Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Karnataka
(ii) Oral & Maxillofacial Surgery (If granted on or after 24-05-2011)	MDS (Oral Surgery), Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Karnataka
(iii) Orthodontics and Dentofacial Orthopedics (If granted on or after 26-05-2011)	MDS (Ortho.), Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Karnataka"

[F. No. V-12017/18/2007-DE]

ANITA TRIPATHI, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 अक्तूबर, 2011

का.आ. 3438.—केन्द्रीय सरकार, दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा (10) की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय दंत-चिकित्सा परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-I में निम्नलिखित संशोधन करती है, नामत :

2. डॉ. एन टी आर यूनिवर्सिटी आफ हेल्थ साइंसेज, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश द्वारा प्रदान की जाने वाली दंत-चिकित्सा डिग्रियों की मान्यता के संबंध में दंत-चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-I में गीतम डेंटल कालेज एवं हॉस्पीटल, विशाखापट्नम, आंध्र प्रदेश, के संबंध में क्रम संख्या 50 के सामने कॉलम 2 और 3 की मौजूदा प्रविष्टियों में निम्नलिखित प्रविष्टियां इसके अंतर्गत अंत:स्थापित की जाएंगी :-

"मास्टर आफ डेंटल सर्जरी

i. पेरियोडॉन्टोलाजी (यदि दिनांक 26-04-2011 को अथवा उसके पश्चात् प्रदान की गई हो) ।	एमडीएस (पेरियो.) डॉ. एन टी आर यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, विजयवाड़ा
ii. ओरल एवं मैक्सिलोफेसियल सर्जरी (यदि दिनांक 26-04-2011 को अथवा उसके पश्चात् प्रदान की गई हो)	एम डी एस (ओरल सर्जरी) डॉ.एन टी आर यूनिवर्सिटी आफ हेल्थ साइंसेज, विजयवाड़ा
iii. कन्जरवेटिव डेंटिस्ट्री एवं इंडोडॉन्टिक्स (यदि दिनांक 26-04-2011 को अथवा उसके पश्चात् प्रदान की गई हो) ।	एम डी एस (कन्जरवेटिव डेंटिस्ट्री) डॉ. एनडीआर यूनिवर्सिटी आफ हेल्थ साइंसेज, विजयवाड़ा

[फा. सं. वी-12017/32/2007-डी ई]

अनिता त्रिपाठी, अवर सचिव

New Delhi, the 19th October, 2011

S.O. 3438.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with the Dental Council of India, hereby, makes the following amendments in Part-I of the Schedule to the said Act, namely:—

2. In the existing entries of column 2 & 3 against X of Serial No. 50, in respect of GITAM Dental College & Hospital, Visakhapatnam, Andhra Pradesh, in Part-I of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) pertaining to recognition of dental degrees awarded by Dr. N.T.R. University of Health Sciences, Vijayawada, Andhra Pradesh, the following entries shall be inserted thereunder :—

"Master of Dental Surgery

i. Periodontology (if granted on or after 26-04-2011)	MDS (Perio.), Dr. N.T.R. University of Health Sciences, Vijayawada
ii. Oral & Maxillofacial Surgery (if garnted on or after 26-04-2011)	MDS (Oral Surgery), Dr.N.T.R. University of Health, Sciences, Vijayawada

iii. Conservative Dentistry & Endodontics (if granted on or after 26-04-2011)	MDS (Cons. Dent.), Dr. N.T.R. University of Health Sciences, Vijayawada"

[F. No. V. 12017/32/2007-DE]

ANITA TRIPATHI, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 अक्तूबर, 2011

का.आ. 3439.—केन्द्रीय सरकार, दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा (10) की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय दंत-चिकित्सा परिषद् से परामर्श करके, उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-I में एतद्द्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है, नामत :

2. दि तमिलनाडु डॉ. एम.जी.आर. मेडिकल यूनिवर्सिटी चेन्नई द्वारा प्रदान की जा रही दंत चिकित्सक डिग्रियों की मान्यता के बारे में दंत चिकित्सा अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-I में क्रम संख्या 34 के समक्ष कॉलम 2 तथा 3 की मौजूदा प्रविष्टियों में निम्नलिखित प्रविष्टियाँ अंत:स्थापित की जाएंगी: नामत :-

"XV. करपग्गा विनायगा इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज, कॉचीपुरम तमिलनाडु

बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (यदि दिनांक 17-08-2011 को अथवा उसके पश्चात् प्रदान की गई हो) ।	बी.डी.एस. दि तमिलनाडु डॉ. एम जी आर मेडिकल यूनिवर्सिटी. चेन्नई"

[फा. सं. वी-12017/59/2006-डी ई]

अनिता त्रिपाठी, अवर सचिव

New Delhi, the 19th October, 2011

S.O. 3439.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with the Dental Council of India, hereby, makes the following amendments in Part-I of the Schedule to the said Act, namely:—

2. In the existing entries of column 2 & 3 against Serial No. 34,. in Part-I of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) pertaining to recognition of dental degrees awarded by the Tamil Nadu Dr. MGR Medical University, Chennai, the following entries shall be inserted thereunder:—

"XV. Karpaga Vinayaga Institute of Dental Sciences, Kancheepuram, Tamil Nadu

Bachelor of Dental Surgery (if granted on or after 17-08-2011)	BDS, The Tamil Nadu Dr. MGR Medical University Chennai"

[F. No. V.-12017/59/2006-DE]

ANITA TRIPATHI, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 अक्तूबर, 2011

का.आ. 3440.—केन्द्रीय सरकार, दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा (10) की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय दंत-चिकित्सा परिषद् से परामर्श करके, उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-I में निम्नलिखित संशोधन करती है, नामत: :

2. चौधरी चरण सिंह, विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा प्रदान की जा रही दंत चिकित्सा डिग्रियों की मान्यता के बारे में दंत-चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-I में क्रम संख्या 56 के समक्ष कॉलम के 2 तथा 3 की मौजूदा प्रविष्टियों में आई टी एस सेंटर फॉर डेंटल स्टडीज एंड रिसर्च, मुरादनगर, गाजियाबाद के संबंध में निम्नलिखित प्रविष्टियाँ अंत:स्थापित की जाएंगी, नामत :-

"(ii) मास्टर ऑफ डेंटल सर्जरी ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी (यदि दिनांक 20-04-2011 को अथवा उसके पश्चात् प्रदान की गई हो) ।	एम डी एस (ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी) चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ"

[फा. सं. वी.-12017/71/2005-डीई]

अनिता त्रिपाठी, अवर सचिव

New Delhi, the 19th October, 2011

S.O. 3440.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with the Dental Council of India, hereby, makes the following amendments in Part-I of the Schedule to the said Act, namely:—

2. In the existing entries of column 2 & 3 against Serial No. 56, in respect of I.T.S. Centre for Dental Studies & Research, Murad Nagar, Ghaziabd in Prat-I of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) pertaining to recognition of dental degress awarded by Ch. Charan Singh University, Meerut, the following entries shall be inserted thereunder :—

"(ii) Master of Dental Surgery

Oral Medicine & Radiology (if granted on or after 20-04-2011)	MDS (Oral Medicine & Radiology), Ch. Charan Singh University, Meerut"

[F. No. V-12017/71/2005-DE]

ANITA TRIPATHI, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 अक्तूबर, 2011

का.आ. 3441.—केन्द्रीय सरकार, दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा (10) की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय दंत-चिकित्सा परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् एतदद्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-I में निम्नलिखित संशोधन करती है, नामत:

2. महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, नासिक द्वारा प्रदान की जाने वाली दंत-चिकित्सा डिग्रियों की मान्यता के संबंध में दंत-चिकित्सक, अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-I में क्रम संख्या 60 के सामने कॉलम 2 और 3 की मौजूदा प्रविष्टियों में निम्नलिखित प्रविष्टियाँ इसके अंतर्गत अंत:स्थापित की जाएंगी :-

"XXVII स्वर्गीय श्री यशवंत राव चौहान मेमोरियल मेडिकल एंड रूरल डेवलपमेंट फाउन्डेशन डेंटल कालेज एवं हास्पीटल, अहमदनगर, महाराष्ट्र

बेचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (यदि दिनांक 10-06-2011 को अथवा उसके पश्चात् प्रदान की गई हो) ।	बी डी एस, महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, नासिक"

[फा. सं वी-12017/85/2005-डीई]
अनिता त्रिपाठी, अवर सचिव

New Delhi, the 19th October, 2011

S.O. 3441.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with Dental Council of India, hereby, makes the following amendments in Part-I of the Schedule to the said Act, namely:—

2. In the existing entries of column 2 & 3 against Serial No. 60 in Prat-I of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) pertaining to recognition of dental degrees awarded by Maharashtra University, of Health Sciences, Nashik, the following entries shall be inserted thereunder :—

"XXVII. Late Shri Yashwantrao Chavan Memorial Medical & Rural Development Foundation's Dental College & Hospital, Ahmednagar, Maharashtra

Bachelor of Dental Surgery (if granted on or after 10-06-2011)	BDS Maharashtra Univeirsity of Health Sciences, Nashik"

[F. No. V-12017/85/2005-DE]
ANITA TRIPATHI, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 अक्तूबर, 2011

का.आ. 3442.—केन्द्रीय सरकार, दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा (10) की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय दंत-चिकित्सा परिषद से परामर्श करके के पश्चात् एतदद्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-I में निम्नलिखित संशोधन करती है, नामत:

2. महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, नासिक द्वारा प्रदान की जा रही दंत-चिकित्सा डिग्रियों की मान्यता के बारे में दंत-चिकित्सक, अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-I में क्रम संख्या 60 के समक्ष कॉलम 2 तथा 3 की मौजूदा प्रविष्टियों में निम्नलिखित प्रविष्टियाँ अंत-स्थापित की जाएंगी: नामत:-

"XXVIII. सरस्वती धनवन्तरी डेंटल कालेज एवं अस्पताल परभनी, महाराष्ट्र

बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (यदि दिनांक 14-06-2011 को अथवा उसके पश्चात् प्रदान की गई हो) ।	बी डी एस, महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय नासिक"

[फा. सं. वी-12017/43/2000-डीई]
अनिता त्रिपाठी, अवर सचिव

New Delhi, the 19th October, 2011

S.O. 3442.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with the Dental Council of India, hereby, makes the following amendments in Part-I of the Schedule to the said Act, namely:—

2. In the existing entries of column 2 & 3 against Serial No. 60, in Prat-I of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) pertaining to recognition of dental degrees awarded by Maharashtra University of Health Sciences, Nashik, the following entries shall be inserted thereunder :—

"XXVIII. Saraswati Dhanwantari Dental College & Hospital, Parbhani, Maharashtra

Bachelor of Dental Surgery (if granted on or after 14-06-2011)	BDS Maharashtra Univeristy of Health Sciences, Nashik"

[F. No. V-12017/43/2000-DE]
ANITA TRIPATHI, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 2011

का.आ. 3443.—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 12 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् से परामर्श करने के बाद, एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:-

उक्त अनुसूची में शीर्षक "नेपाल" के अंतर्गत, "त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल" के सामने विषयों के "शीर्षक" [इसके बाद कॉलम (2) के रूप में संदर्भित], "डिप्लोमा में उल्लिखित योग्यताओं का स्वरूप" [इसके बाद कालम(3) के रूप में संदर्भित] और 'संक्षेपण' [इसके बाद कालम(4) के रूप में संदर्भित] के अंतर्गत, अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित अंत-स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

(2)	(3)	(4)
एम.डी.(रेडियो निदान)	डॉक्टर इन मेडिसिन (रेडियो निदान)	त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल (यह एक मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह चिकित्सा संस्थान, महाराजगंज, काठमांडु, नेपाल में प्रशिक्षित किए जा रहे विद्यार्थियों के संबंध में त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल द्वारा वर्ष 2002 में अथवा उसके पश्चात् प्रदान की गई हो)

सभी नोट करें कि: 1. दाखिलों की संख्या प्रतिवर्ष चार विद्यार्थियों तक सीमित है।

2. स्नातकोत्तर पाठयक्रम को प्रदान की गई मान्यता अधिकतम 5 वर्ष तक की अवधि के लिए होगी जिसके पश्चात् इसे नवीकृत करवाना होगा।

3. उप-खण्ड 4 में यथापेक्षित मान्यता को समय से नवीकृत न करवाने के परिणामस्वरूप संबंधित स्नातकोत्तर पाठयक्रम में दाखिले निरपवाद रूप से बन्द हो जाएंगे।

[फा. सं. वी-11015/2/2011-एमई-पी.I]

ध्रुव चक्रवर्ती, अवर सचिव

New Delhi, the 21st November, 2011

S.O. 3443.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of the Section 12 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in the Second Schedule to the said Act, namely:—

In the said Schedule under the heading "Nepal" - against "Tribhuvan University, Nepal", under the headings 'Title [hereinafter referred to as column (2)], 'Nature of qualifications as stated in diploma' [hereinafter referred to as column (3)] and "Abbreviation" [hereinafter referred to as column (4)], after the last entry and entry relating thereto the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)	(4)
"MD (Radio-diagnosis)"	"Doctor of Medicine (Radio-diagnosis)"	Tribhuvan University, Nepal [This shall be recognized qualification when granted by Tribhuvan University, Nepal in respect of students being trained at Institute of Medicine, Maharaj Gunj, Kathmandu, Nepal on or after 2002]

Note to all: 1. The number of admissions are restricted to four students per year.

2. The recognition so granted to a Postgraduate Course shall be for a maximum period of 5 years, upon which it shall have to be renewed.

3. Failure to seek timely renewal of recognition as required in sub-clause-4 shall invariably result in stoppage of admissions to the concerned Postagraduate Course.

[F. No. V.-11015/2/2011-ME-P-I]

DHRUV CHAKRAVARTY, Under Secy.

[आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, सिद्ध, यूनानी एवं होम्योपैथी (आयुष) विभाग]

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 2011

का.आ. 3444.—केंद्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम 1976 (यथा संशोधित 1987) के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, सिद्ध, यूनानी एवं होम्योपैथी (आयुष) विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :-

1. केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली -110 058
2. नैदानिक अनुसंधान एकांश (आ.), रांची, झारखण्ड -8352 40
3. नैदानिक अनुसंधान एकांश, गंगटोक (सिक्किम) -737 101
4. क्षेत्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान, न्यू शिमला, हिमाचल प्रदेश - 171 009
5. क्षेत्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान, नवी मुबई, महाराष्ट्र -400 614
6. नैदानिक अनुसंधान एकांश (आदिवासी), शिलांग, मेघालय-793 001
7. नैदानिक अनुसंधान एकांश, चेन्नई, तमिलनाडु - 600 041
8. नैदानिक अनुसंधान एकांश (आदिवासी), सिलीगुडी, पश्चिम बंगाल-734 001

[सं. ई-11018/2/2003-भा. चि. प. (रा.भ.)]

एस. श्रीनिवास, उप सचिव

[Department of Ayurveda, Yoga and Naturopathy, Sidha, Unani and Homeopathy (AYUSH)]

New Delhi, the 21st November, 2011

S.O. 3444.—In pursunace of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for official purposes of the Union) Rules, 1976 (as amended in 1987), the Central Government hereby notifies the following offices under the administrative control of the Department of AYUSH, Ministry of Health & Family Welfare, where more than 80% staff have acquired the working knowledge of Hindi :—

1. Central Council for Reserach in Homoeopathy (CCRH), New Delhi-110 058
2. Clinical Research Unit (T) for Homoepathy, Ranchi—835 240
3. Clinical Research Unit for Homoeopathy, Gangtok, Sikkim—737 101
4. Regional Research Institute for Homoeopathy, New Shimla—171 009
5. Regional Research Institute for Homoeopathy, Navi Mumbai—400 614
6. Clinical Research Unit (T) for Homoeopathy, Shillong, Meghalaya—793 001
7. Clinical Research Unit for Homoeopaty, Chennai—600 041
8. Clinical Research Unit (T) for Homoeopathy, Siliguri—734 001

[No. E-11018/2/2003-I.S.M.(O.L.)]

S. SRINIVAS, Dy. Secy.

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(उपभोक्ता मामले विभाग)

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 2011

का.आ. 3445.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स सेटरॉन स्केल कम्पनी, 202, साई मिलन को-आप. हाउसिंग सोसायटी, प्लाट नं. ए-67, सैक्टर 19, कोपरखेरने, नवी मुंबई-400709 द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "सीईटी-13" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "सेटरॉन" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/328 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 2 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हट्‌र्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति -1

आकृति -2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

स्केल की बाडी के छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । माडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम ऊपर दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 100,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि. ग्रा या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 100,000 तक रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^k$, $2x10^k$ और $5x10^k$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम 21(210)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Consumer Affairs)

New Delhi, the 15th April, 2011

S.O. 3445.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of High Accuracy (Accuracy class -II) of Series "CET-13" and with brand name "CETRON" (hereinafter referred to as the said Model), maunfactured by M/s Cetron Scale Company, 202, Sai Milan Co-Op. Housing Society,Plot No.A-67, Sector- 19, Koparkhairne, Navi Mumbai-400709 which is assigned the approval mark IND/09/10/328;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100 g. The verification scale interval (e) is 2g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

Figure-2 Schematic diagram of sealing provision of the model

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the scale through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is gieven above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of similar make, and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to100,000 for 'e' value of 1mg. to 50mg. and with number of verification scale interval (n) in the range of 5000 to 100,000 for 'e' value of 100mg. or more and with 'e'value $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, k being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(210)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 2011

का.आ. 3446.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सेटरॉन स्केल कम्पनी, 202, साई मिलन को-आप. हाउसिंग सोसायटी, प्लाट नं. ए-67, सैक्टर 19, कोपरखेरने, नवी मुंबई-400 709 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता-III) वाले "सीटी-11" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "सेटरॉन" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/329 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हट्‌र्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

आकृति -1

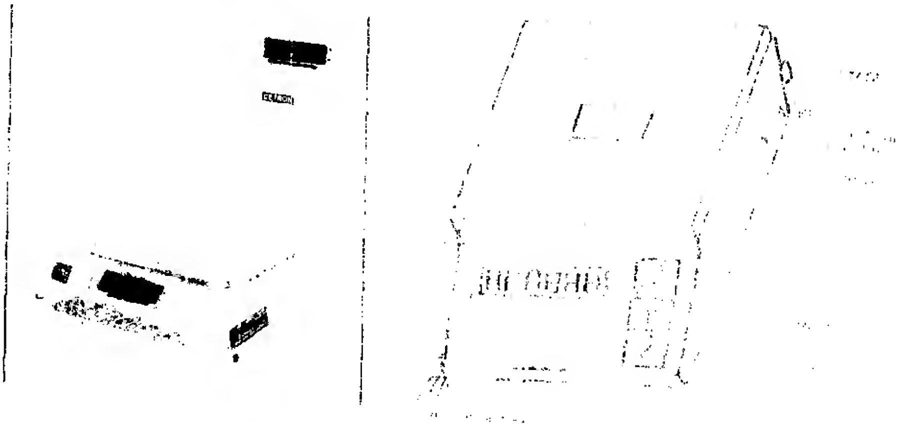

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम।

स्केल की बाडी के छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है। मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम ऊपर दिया गया है।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है। बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(210)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th April, 2011

S.O. 3446.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "CT-11" and with brand name "CETRON" (hereinafter referred to as the said Model), maunfactured by M/s. Cetron Scale Company, 202, Sai Milan Co-Op. Housing Society, Plot No. A-67, Sector- 19, Koparkhairne, Navi Mumbai-400 709 which is assigned the approval mark IND/09/10/329;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100 g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

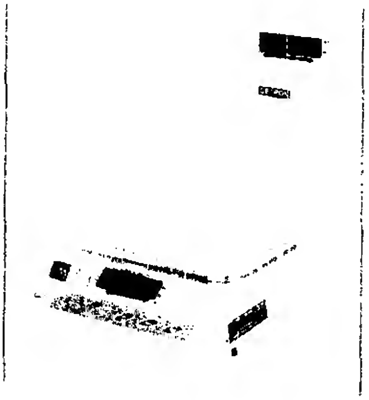

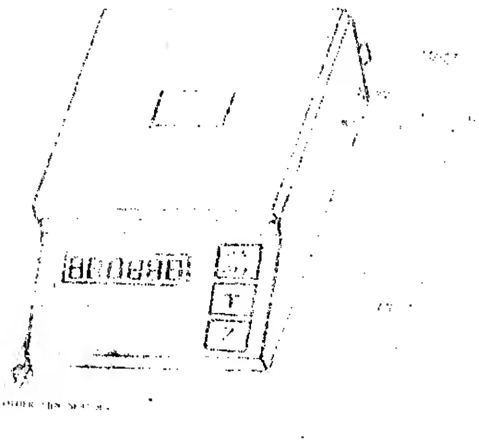

Figure-2—Schematic diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the scale through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to10,000 for 'e' value of 100 mg. to 2g. and with number of verification scale interval (n) the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e'value 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(210)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 2011

का.आ. 3447.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सेटरॉन स्केल कम्पनी, 202, साई मिलन को-आप. हाउसिंग सोसायटी, प्लाट नं. ए-67, सैक्टर 19, कोपरखेरने, नवी मुंबई-400709 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले ''सीपी-7'' श्रृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम ''सेटरॉन'' है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/330 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है;

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है। इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति -1

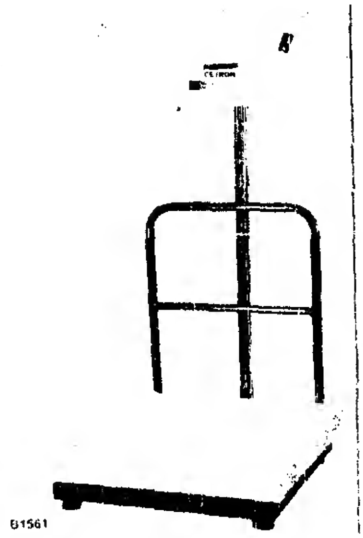

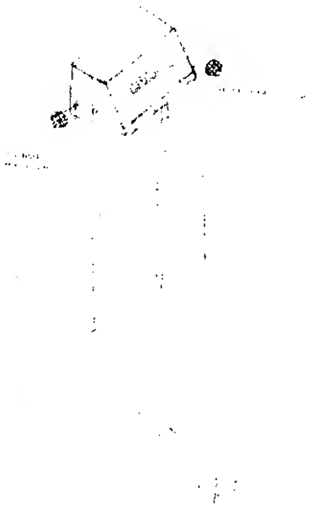

आकृति -2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

स्केल की बाडी के छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम ऊपर दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक के ''ई'' मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के ''ई'' मान के लिए 500 से 10,000 तक रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^k$, $2x10^k$, $5x10^k$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(210)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th April, 2011

S.O. 3447.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "CP-7" and with brand name "CETRON" (hereinafter referred to as the said Model), maunfactured by M/s. Cetron Scale Company, 202, Sai Milan Co-Op. Housing Society, Plot No. A-67, Sector- 19, Koparkhairne, Navi Mumbai-400709 which is assigned the approval mark IND/09/10/330;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 1000 kg. and minimum capacity of 2 kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

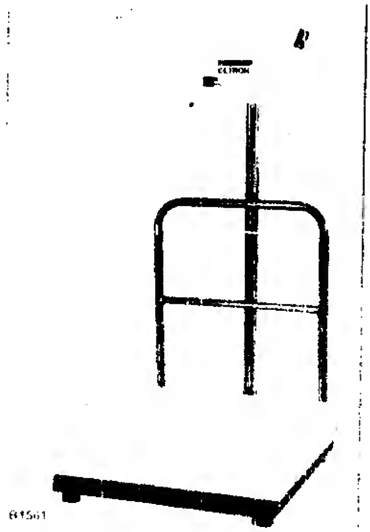

Figure-2 Schematic diagram of sealing provision of the model

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the scale through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is gieven above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50 kg. up to 5000kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to10,000 for 'e' value of 100mg. to 2g. and with number of verification scale interval (n) the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e'value $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, k being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle. design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21(210)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 2011

का.आ. 3448.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स उषा स्केल एसोसिएट्स, सी-21 एंड 22, सिकन्दरा इंडस्ट्रियल एरिया, आगरा-282007 (यू पी) द्वारा विनिर्मित साधारण यथार्थता (यथार्थता वर्ग-IIII) वाले "यूएसएपी" शृंखला के अस्वचालित तोलन उपकरण (मैकेनिकल व्यक्ति तोलन मशीन) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "उषा" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/108 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल स्प्रिंग सिद्धांत पर आधारित मैकेनिकल अस्वचालित तोलन उपकरण (मैकेनिकल व्यक्ति तोलन मशीन) है । इसकी अधिकतम क्षमता 130 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 10 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 1 कि. ग्रा. है ।

आकृति -1

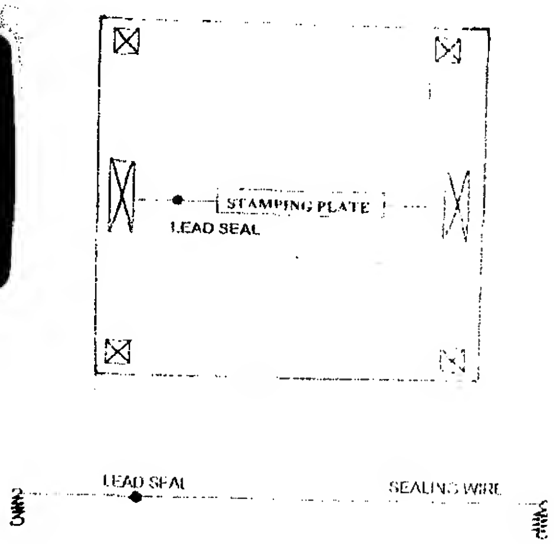

आकृति -2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

मशीन में बायें हाथ की तरफ बाटम में और दायीं हाथ की तरफ टॉप में, अपर और लोअर प्लेट के जरिए सिप्रिंग स्टील फ्लेयर्ड रिविट्स लगाए गए हैं । मशीन के कपटपूर्ण उपयोग को रोकने एवं मैकेनिकल असेम्बली की सुरक्षा के लिए बाटम और अपर प्लैटर्न को सील करने के लिए रिविट्स को फ्लेयर्ड किया गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम ऊपर दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 100 से 1,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 150 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^k$, $2x10^k$, $5x10^k$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(84)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 18th April, 2011

S.O. 3448.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Mechanical Person Weighing Machine) of Ordinary Accuracy (Accuracy class -IIII) of Series "USAP" and with brand name "USHA" (hereinafter referred to as the said Model), maunfactured by M/s. Usha Scale Associates, C-21 & 22, Sikandra Industrial Area, Agra-282007 (UP) and which is assigned the approval mark IND/09/10/108;

The said model is the principal of spring based non-automatic weighing instrument (Mechanical Person Weighing Machine) with a maximum capacity of 130kg. and minimum capacity of 10kg. The verification scale interval (e) is 1kg.

Figure-1 Model

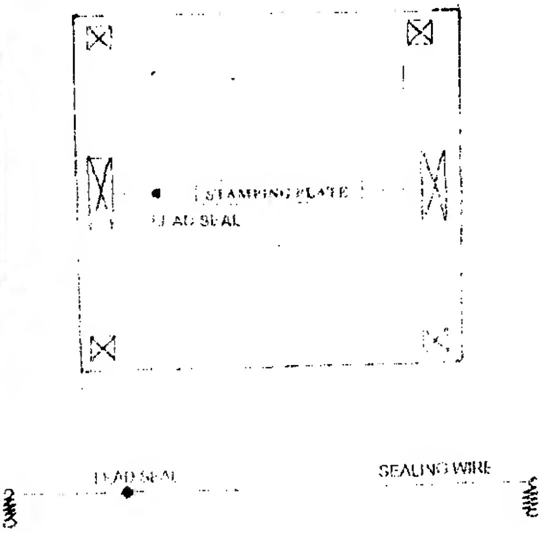

Figure-2 Schematic diagram of sealing provision of the model

A Spring steel flaired revits will be through in upper and lower plate on the top R.H.S. of the machine and bottom L.H.S. These revits will be flaired to seal the botton and upper plattern for security of Mechanical assembly to avoid fraudulent use of the machine. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 150 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to1,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(84)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 2011

का.आ. 3449.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स उषा स्केल एसोसिएट्स, सी-21 एंड 22, सिकन्दरा इंडस्ट्रियल एरिया, आगरा-282 007 (यू पी) द्वारा विनिर्मित साधारण यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "यूएसएएस" *शृंखला के अस्वचालित तोलन* उपकरण (*स्प्रिंग बैलेंस हैंगिंग* एंड डायल टाइप) के मॉडल का, जिसके *ब्राण्ड* का नाम "उषा" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/109 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है।

उक्त मॉडल स्प्रिंग सिद्धांत पर आधारित मैकेनिकल अस्वचालित तोलन उपकरण (स्प्रिंग बैलेंस हैंगिंग एंड डायल टाइप) है। इसकी अधिकतम क्षमता 100 कि.ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 5 कि.ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 500 ग्रा. है। इंडिकेशन डायल इन्डिकेटर पर एनालाग प्रकार का है।

आकृति -1

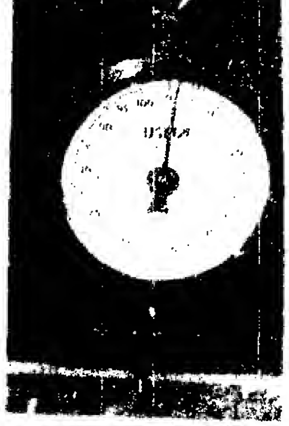

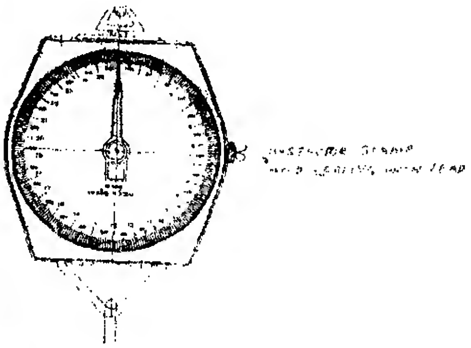

आकृति -2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

इंस्ट्रूमेंट की बाडी में दिए गए होल्ज में से लीड एवं सील वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है। वेइंग मशीन को कपटपूर्ण व्यवहार के लिए खोले जाने से रोकने के लिए सीलिंग की जाती है। मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम ऊपर दिया गया है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 मि. ग्रा. या इससे अधिक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 या अधिक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 300 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{क}$, $2x10^{क}$, $5x10^{क}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(84)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 18th April, 2011

S.O. 3449.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Spring Balance Hanging & Dial Type) with analogue indication of Ordinary Accuracy (Accuracy class -IIII) of Series "USAS" and with brand name "USHA" (hereinafter referred to as the said Model), maunfactured by M/s. Usha Scale Associates, C-21 &22, Sikandra Industrial Area, Agra-282007 (UP) and which is assigned the approval mark IND/09/ 10/109;

The said model is a spring based mechanical non-automatic weighing instrument (Spring Balance Hanging & Dial Type) with a maximum capacity of 100kg. and minimum capacity of 5kg. The verification scale interval (e) is 500g. The indication is of analogue type on a dial indicator.

Figure-1 Model

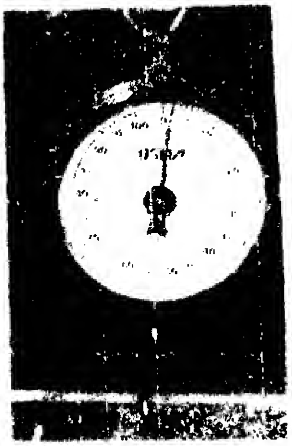

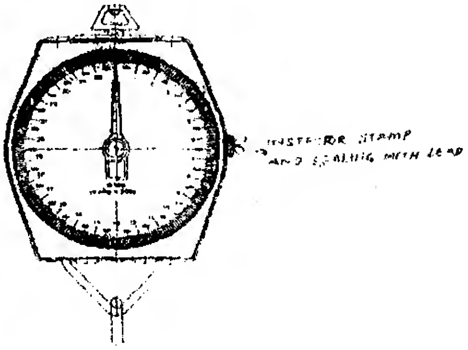

Figure-2 Schematic diagram of the sealing arrangement

Sealing can be done by applying lead & seal wire through the holes provided on the body of the instruments. Sealing shall be done to prevent opening of the weighing machine for fraudulent practice. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 300 kg with verification scale interval (n) in the range of 100 to1,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(84)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 2011

का.आ. 3450.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स उषा स्केल एसोसिएट्स, सी-21 एंड 22, सिकन्दरा इंडस्ट्रियल एरिया, आगरा-282 007 (यू पी) द्वारा विनिर्मित साधारण यथार्थता (यथार्थता वर्ग-IIII) वाले "यूएसएटी" शृंखला के अस्वचालित तोलन उपकरण (टबलर बैलेंस मेकैनिकल टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "उषा" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/110 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल स्प्रिग सिद्धांत पर आधारित मैकेनिकल अस्वचालित तोलन उपकरण (टिबलर बैलेंस मैकेनिकल टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 100 कि.ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 10 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 1 कि. ग्रा. है । इंडिकेशन, डायल इन्डिकेशन पर अनालॉग प्रकार का है ।

आकृति -1

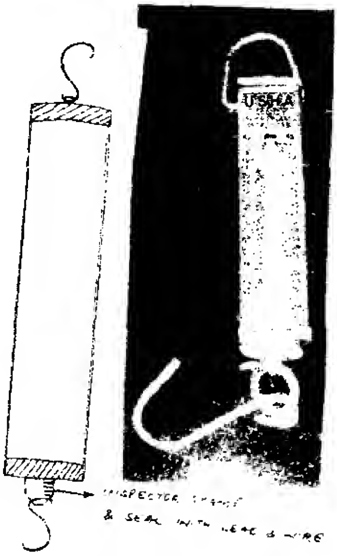

आकृति -2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

इंस्ट्रमेंट की बॉडी में दिए गए होल्ज में से लीड एवं सील वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । वेइंग मशीन को कपटपूर्ण व्यवहार के लिए खोले जाने से रोकने के लिए सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम ऊपर दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 मि. ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 या अधिक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 200 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^k$, $2x10^k$, $5x10^k$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(84)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 18th April, 2011

S.O. 3450.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Tubular Balance-Mechanical Type) with analogue indication of Ordinary Accuracy (Accuracy class -IIII) of Series "USAT" and with brand name "USHA" (hereinafter referred to as the said Model), maunfactured by M/s Usha Scale Associates, C-21 &22, Sikandra Industrial Area, Agra-282 007 (UP) and which is assigned the approval mark IND/ 09/10/110;

The said model is a spring based mechanical non-automatic weighing instrument (Tubular Balance-Mechanical Type) with a maximum capacity of 100kg. and minimum capacity of 10kg. The verification scale interval (e) is 1g. The indication is of analogue type on a dial indicator.

Figure-1 Model

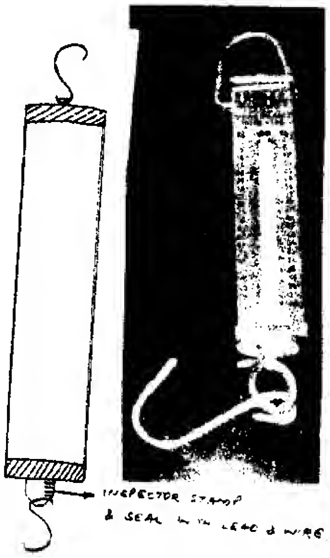

Figure-2 Schematic diagram of the sealing arrangement

Sealing can be done by applying lead & seal wire through the holes provided on the body of the instruments. Sealing shall be done to prevent opening of the weighing machine for fraudulent practice. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 200 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to1,000 for 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(84)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 2011

का.आ. 3451.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स नीलकंठ इंजीनियरिंग वर्क्स, 5503/2, जी आई डी सी, वटवा इंडस्ट्रियल एस्टेट वटवा, अहमदाबाद-382445 द्वारा विनिर्मित यथार्थता वर्ग ... वाले "एनई-30" शृंखला के डिस्कंटिन्युअस टोटलाइजिंग स्वचालित तोलन उपकरण (टोटलाइजिंग हुपर व्हीयर) अंकक सूचन सहित, के माडल का, जिसके ब्रांड का नाम "बेचिंग प्लांट" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/590 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित डिस्कंटिन्युअस टोटलाइजिंग स्वचालित तोलन उपकरण (टोटलाइजिंग हुपर व्हीयर) है । इसकी अधिकतम क्षमता 5000 कि. ग्रा. न्यूनतम क्षमता 200 कि.ग्रा. और Σ अधिकतम क्षमता 15000 कि. ग्रा. और Σ न्यूनतम क्षमता 200 कि.ग्रा. है । मापमान अंतराल (डी) 1 कि.ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । साइकिल स्पीड $30m^3/hr$. है । एल ई डी/एलसीडी तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति -1

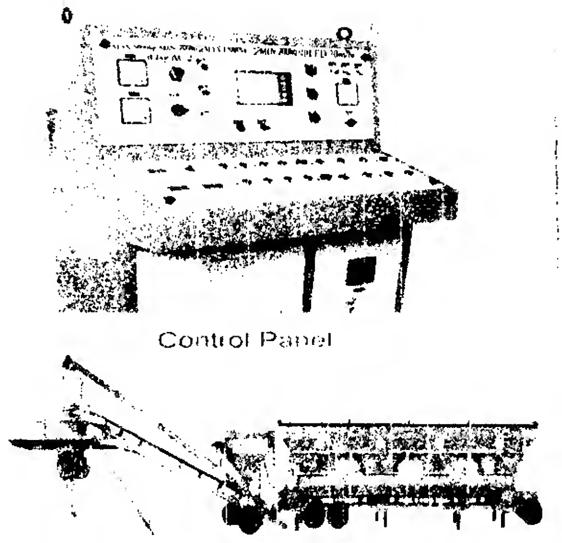

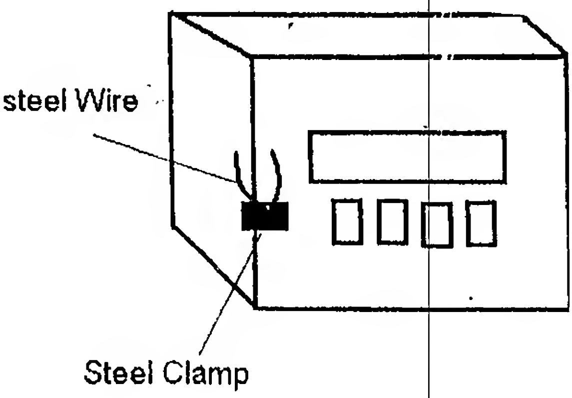

आकृति -2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

स्केल की बाडी के छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । माडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम ऊपर दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जिनकी अधिकतम रेंज 15000 कि.ग्रा. का 'd_t' मान 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए $1x10^k$, $2x10^k$, $5x10^k$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(353)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 18th April, 2011

S.O. 3451.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of Automatic weighing instrument Discontinuous Totalizing Automatic weighing instrument (Totalizing Hopper Weigher) with digital indication of Accuracy class-2 of series "NE-30" and with brand name "BATCHING PLANT" (hereinafter referred to as the said Model), maunfactured by M/s Nilkanth Engineering Works, 5503/2, GIDC, Vatva Industrial Estate, Vatva, Ahmedabad-382445 and which is assigned the approval mark IND/09/10/590.

The said model is a strain gauge type load cell based Automatic weighing instrument Discontinuous Totalizing Automatic weighing instrument (Totalizing Hopper Weigher) with a maximum capacity of 5000kg, minimum capacity of 200kg, Σ maximum capacity of 15000kg and Σ minimum capacity of 200kg. The scale interval (d) is 1kg. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The cycle speed is 30m^3/hr. The LED/LCD indicates the weighing results. The instrument operates on 230Volts, 50Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model (Hopper)

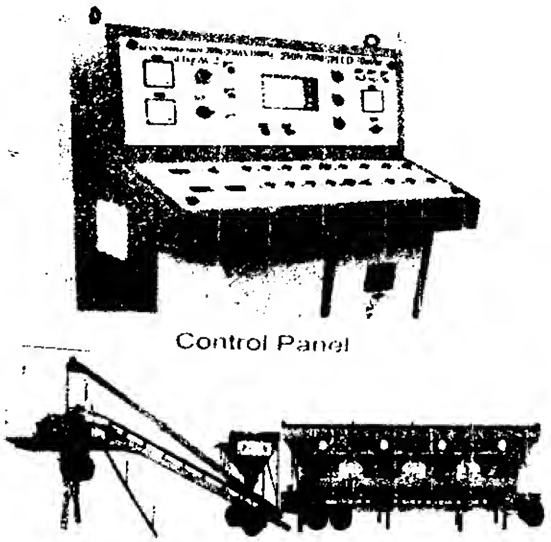

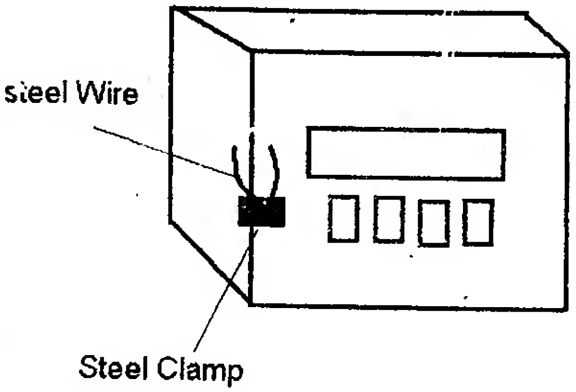

Figure-2 Schematic diagram of the sealing provision of the model

Sealing can be done by passing the sealing wire from the body of the scale through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacities up to 15000 kg for 'd_t of 5g or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(353)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 2011

का.आ. 3452.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एलसीएस कंट्रोल्स प्राइवेट प्लाट नं. 34 और 35, 1st लिंक स्ट्रीट, नेहरू नगर, चेन्नै-600041 द्वारा विनिर्मित साधारण यथार्थता (यथार्थता वर्ग IIII) वाले "एडब्ल्यु-सीओएनडब्ल्यूएस" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (कंटेनर वेइंग सिस्टम) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "एलसीएस" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/508 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक सीअर बीम टाइप भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (कंटेनर वेइंग सिस्टम) है । इसकी अधिकतम क्षमता 50,000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 5000 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 500 कि.ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

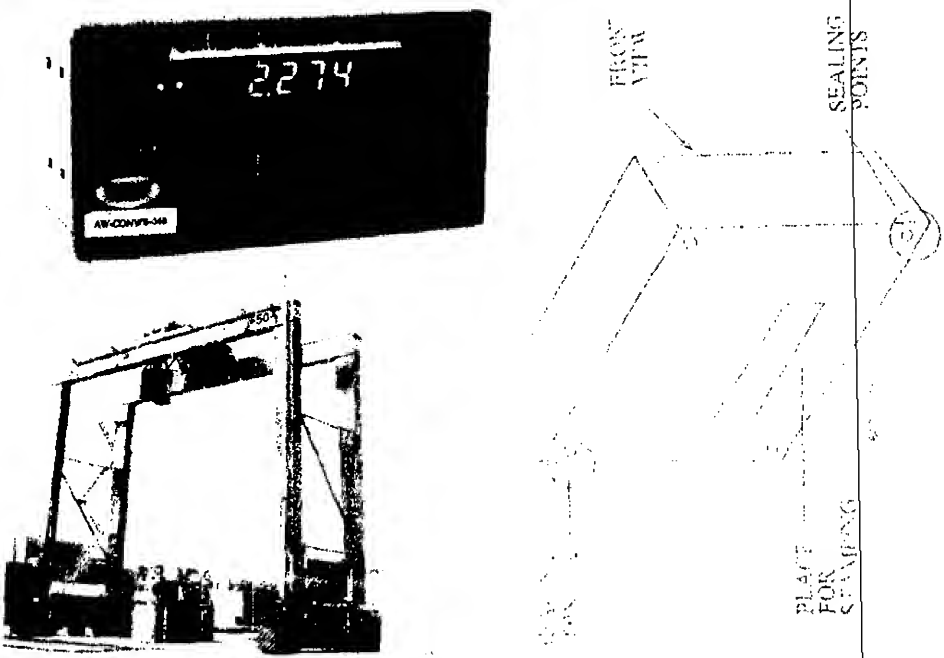

आकृति -2 सीलिंग प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

प्राधिकारियों द्वारा सत्यापन और स्टाम्पिंग के बाद इंडीकेटर की बैक साइड में बनाए गए होल्स में से लीड वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । सील से छेडछाड़ किए बिना उपकरण को खोला नहीं जा सकता । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 50 कि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 100 से 1000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से 100 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^k$, $2x10^k$, $5x10^k$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(296)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 18th April, 2011

S.O. 3452.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Container Weighing System) with digital indication of ordinary accuracy (Accuracy class-IIII) of series "AW-CONWS" and with brand name "LCS" (hereinafter referred to as the said Model), maunfactured by M/s LCS Controls Private Limited, Plot No 34 & 35, 1st Link Street, Nehru Nagar, Chennai-600041 and which is assigned the approval mark IND/09/10/508;

The said model is a Shear Beam type load cell based non-automatic weighing instrument (Container Weighing System) with a maximum capacity of 50,000kg. and minimum capacity of 5000kg. The verification scale interval (e) is 500kg. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230Volts, 50Hertx alternative current power supply.

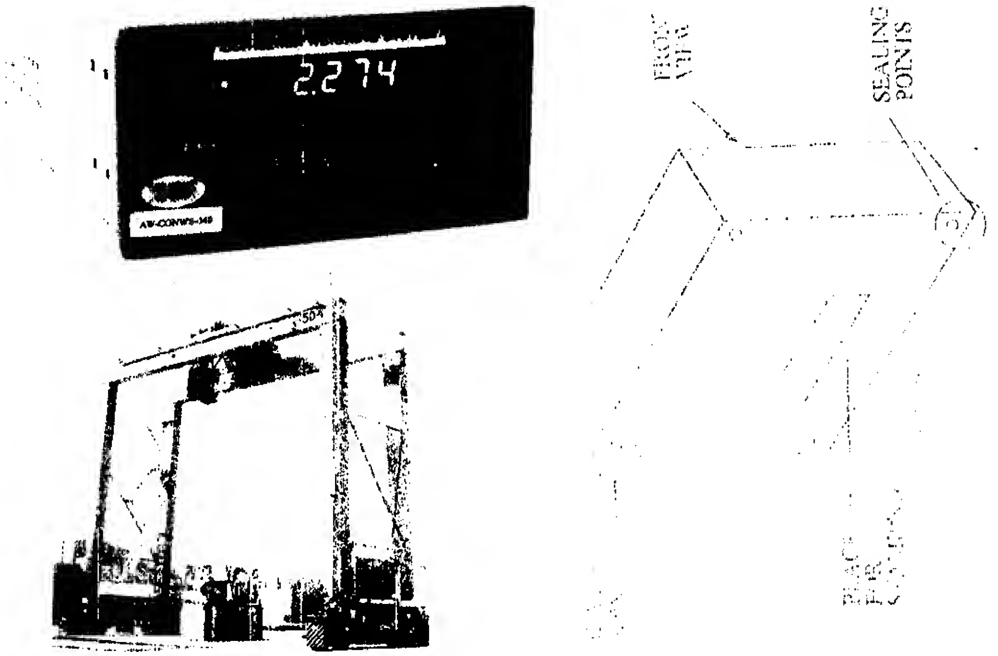

Figure-2 Schematic diagram of the sealing provision of the model

The Sealing is done by passing a leaded wire through the holes made in the back side of the indicator after verification and stamping by the authorities. The instrument can not be opened without tampering the seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacities in the range of 5 tonne to 100tonne with varification scale interval (n) in the range of 100 to 1000 for 'e' value of 50kg. or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21(296)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 2011

का.आ. 3453.—केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स कास वेइंग इंडिया प्रा. लि., 568, उद्योग विहार, फेज-5, गुडगांव (हरियाणा)-122016 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग- III) वाले "एन टी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "कास" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/79 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज) है । इसकी अधिकतम क्षमता 50 टन और न्यूनतम क्षमता 100 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 कि.ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । वी एफ डी प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति -1: माडल (वेब्रिज)

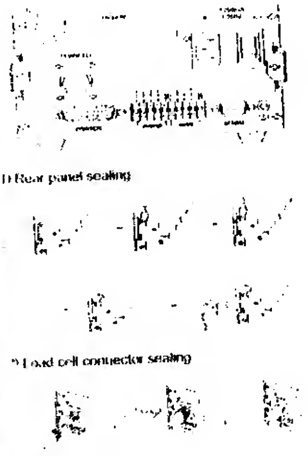

आकृति -2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्पले की बॉडी पर दिए गए हैड होल स्क्रू में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्पले के बैक साइड में सीलिंग की जाती है । डिस्पले की बैक प्लेट के होल से सील को जोड़ा गया है तब सील से जुड़े इन दोनों छेदों में से सील वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिज़ाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 .ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से 200 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$, $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(41)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 18th April, 2011

S.O. 3453.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class-III) of series "NT" and with brand name "CAS" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s Cas Weighing India Pvt. Ltd., 568, Udyog Vihar, Phase V, Gurgaon (Haryana) 122016 and which is assigned the approval mark IND/09/10/79;

The said model is a strain guage type load cell based non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with a maximum capacity of 50 tonne and minimum capacity of 100kg. The verification scale interval (e) is 5kg. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The VFD indicates the weighing results. The instrument operates on 230Volts, 50Hertz alternative current power supply.

Figure-1: Model (Weighbridge)

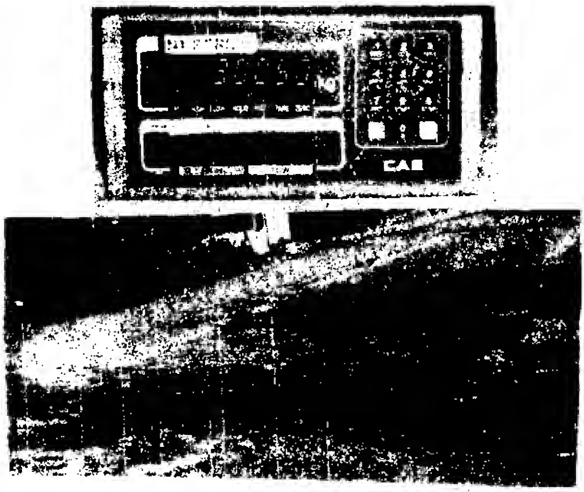

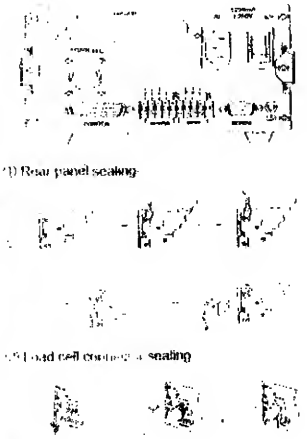

Figure-2 : Sealing provision of the indicator of the model,

Sealing is done on the back side of the display by passing sealing wire from the head whole screw on the body of the display. The seal is connected by whole in back plate of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 5 tonne and up to 200 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10000 for 'e' value of 5g or above and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(41)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 2011

का.आ. 3454.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स भरानी इंडस्ट्रीज, 53, 54, न्यू मजीत स्ट्रीट, इरोड-638003 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "टी टी" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "ईईएसएए" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/62 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

आकृति -1

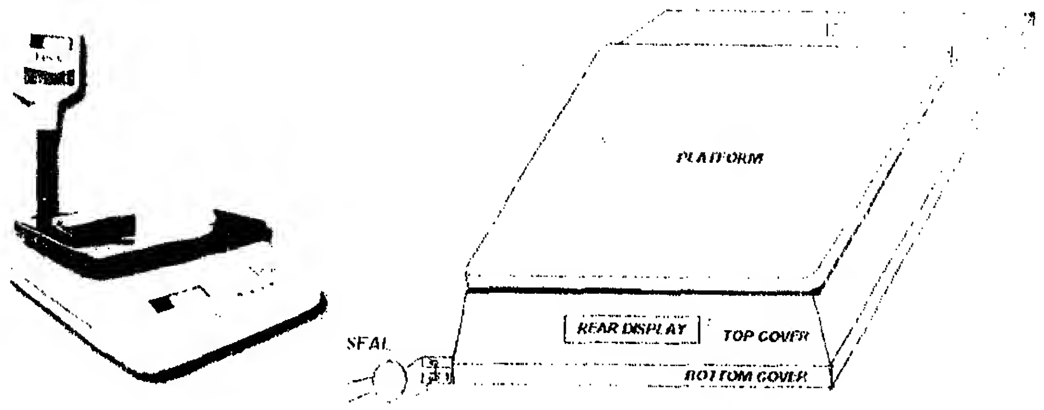

आकृति -2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम।

डिस्पले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्पले पर सीलिंग की जाती है। सील के साथ जुड़े हुए डिस्पले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है। मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है। बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^k$, $2x10^k$, $5x10^k$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(303)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 18th April, 2011

S.O. 3454.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class-III) of series "TT" and with brand name "EESAA" (hereinafter referred to as the said Model), maunfactured by M/s. Bharani Industries, 53, 54, New Majeet Street, Erode-638003 and which is assigned the approval mark IND/09/11/62;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) with a maximum capacity of 30kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

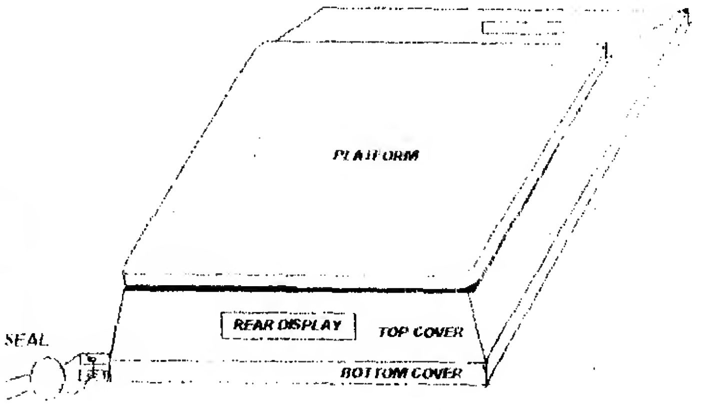

Figure-2 : Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg. with varification scale interval (n) in the range of 100 to 10000 for 'e' value of 100mg. to 2g. and with varification scale interval (n) in the range of 500 to 10000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(303)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 2011

का.आ. 3455.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स भरानी इंडस्ट्रीज, 53, 54, न्यू मजीत स्ट्रीट, इरोड-638003 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "पीएस" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "ईईएसएए" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/63 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 4 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 200 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति -1

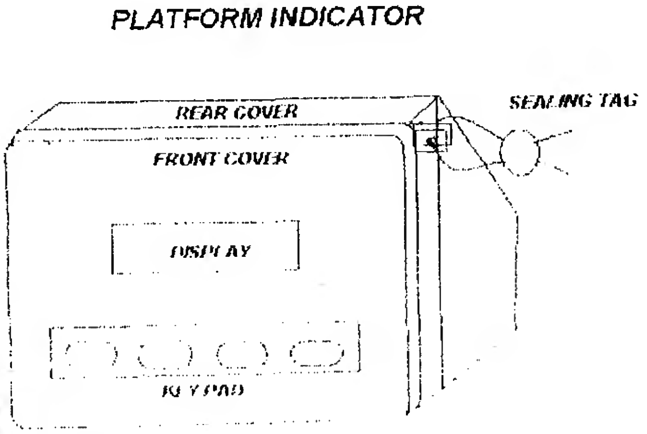

आकृति -2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्पले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्पले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्पले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{क}$, $2x10^{क}$, $5x10^{क}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(303)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 18th April, 2011

S.O. 3455.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class-III) of series "PS" and with brand name "EESAA" (hereinafter referred to as the said Model), maunfactured by M/s. Bharani Industries, 53, 54, New Majeet Street, Erode-638003 and which is assigned the approval mark IND/09/11/63;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 1000kg. and minimum capacity of 4kg. The verification scale interval (e) is 200g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

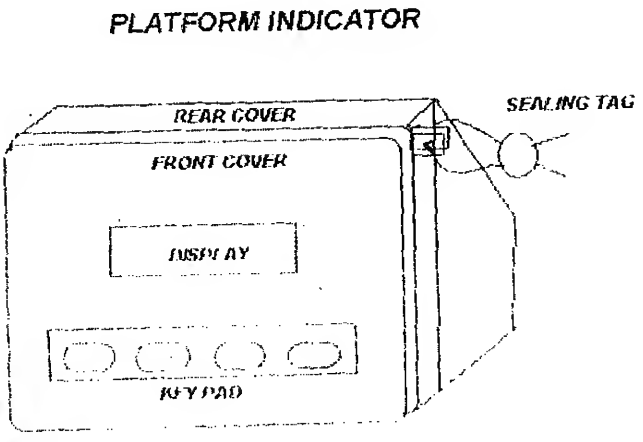

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate & top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/Mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50kg. and up to 5000kg. with varification scale interval (n) in the range of 500 to 10000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(303)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 2011

का.आ. 3456.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स प्रफेक्ट इंजीनियरिंग वर्क्स, नं. 2, डी स्ट्रीट, जगजीवन राम नगर, बेंगलूर-560 018 द्वारा विनिर्मित "एम एस-929" शृंखला के अंकक सूचन सहित "टैक्सी/आटो मीटर" के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "प्रफेक्ट" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/427 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल "टैक्सी/आटो मीटर" मापन उपकरण है जो लगातार योग करता जाता है और यात्री द्वारा देय भाड़े को यात्रा के दौरान किसी भी समय दर्शाता है । सार्वजनिक वाहन के यात्रियों द्वारा देय भाड़ा, तय की नई दूरी और निर्धारित स्पीड से कम पर व्यतीत किए गए समय का फलन है जो प्राधिकृत शुल्क के अनुसार अनुपूरक भाड़े से स्वतंत्र है । मीटर की रीडिंग प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) द्वारा दर्शायी जाती है । टैक्सी मीटर का 'के' फेक्टर 1350 प्लसेस प्रति किलोमीटर पर चलता है । इंडीकेटर में 5 अंकों (3 अंक रुपए के लिए और 2 अंक पैसे के लिए) तक अधिकतम किराया सूचन, 4 अंकों (4 अंकों में एक दशमलव प्वाइंट शामिल) में अधिकतम दूरी सूचन और 4 अंकों में (2 अंक मिनट के लिए 2 अंक सेकैंड के लिए) अधिकतम समय सूचन दर्शाता है ।

आकृति -1

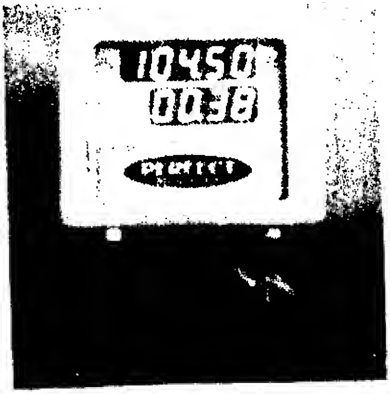

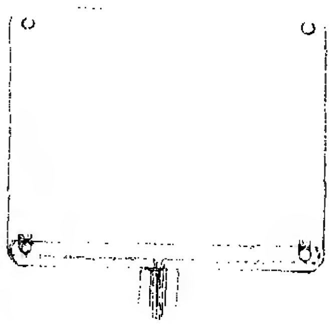

आकृति -2 : मॉडल के सीलिंग प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

सील और स्टाम्प के सत्यापन के लिए दिए गए दो स्क्रू होल्ज वाले में से लीडिड वायर निकाल मीटर की रियर बाटम साइड में सीलिंग की जाती है । सील से छेड़छाड़ किए बिना मीटर को खोला नहीं जा सकता । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(268)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 18th April, 2011

S.O. 3456.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of "Taxi/Auto Meter" with digital indication (hereinafter referred to as the said model) of "MS-929" series and with brand name "PERFECT" manufactured by M/s. Perfect Engineering Works, No. 2, 'D' Street ,Jagajeevan Ram Nagar, Bangalore-560 018 and which is assigned the approval mark IND/09/10/427;

The said model of "Taxi/Auto Meter" is a measuring instrument which totalizes continuously and indicates the fare at any moment of journey the charges payable by the passenger of a public vehicle as function of the distance traveled and below a certain speed, the fare is calculated as function of the time taken. This being independent of supplementary charges according to the authorized tariffs. The reading of the meter is indicated by the Light Emitting Diode (LED). The 'k' factor of the Taxi Meter is 1350 pulses per kilometer. The indicator have 5 digits (3 digits for rupees and two digits for paise) for maximum fare indication, 4 digits (4 digits including one decimal points) for maximum distance indication and 4 digits (two for minutes and two for seconds) for maximum time indication.

Figure-1 Model

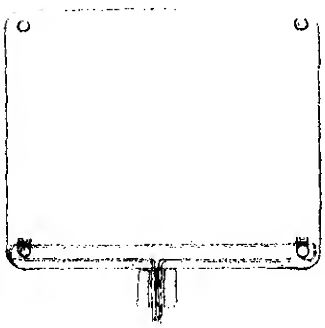

Figure-2 : Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the rear bottom side of the meter, two screws with holes are provided through which the leaded wire will be passed to receive the varification seal and stamp. The meter cannot be opened without tampering the seal. A schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

[F. No.WM-21(268)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 2011

का.आ. 3457.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स मेकस्टर इंजीनियरिंग लि., 2507-2508 जीआईडीसी इंड.एस्टेट, हलोल-389350, जिला पंचमहल, गुजरात द्वारा विनिर्मित यर्थाथता वर्ग 0.2 वाले "एमआईबीएमएमबी" श्रृंखला के डिस्कंटिन्युअस टोटलाइजिंग स्वचालित तोलन उपकरण (टोटलाइजिंग हुपर व्हीयर) अंकक सूचन सहित, के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "मेकस्टर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/66 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित डिस्कंटिन्युअस टोटलाइजिंग स्वचालित तोलन उपकरण (टोटलाइजिंग हुपर व्हीयर) है । इसकी अधिकतम अधिकतम क्षमता 500 कि.ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 10 कि. ग्रा. है और सत्यापन मापमान अन्तराल (डी) 2 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । कंप्यूटर मानीटर तोल परिणाम टाइप इंडीकेट करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति -1

आकृति -2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए वेइंग इंडीकेटर को खोले जाने से रोकने के लिए सीलिंग की जाती है । डिस्पले में से तार निकाल कर डिस्पले के बाटम में सील लगाई जाती है ताकि सील लगाने के बाद डिजीटाइजर को सील हटाए बिना खोला न जा सके । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k, 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(67)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 18th April, 2011

S.O. 3457.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publisheds the certificate of approval of the model of Automatic weighing instrument Discontinuous Totalizing Automatic weighing instrument (Totalizing Hopper Weigher) with digital indication of Accuracy class-0.2 of series "MIB/MMB" and with bmad name "MEKASTER " (hereinafter referred to as the said Model), maunfactured by M/s. Mekaster Engineering Ltd., 2507-2508, GIDC Ind. Estate, Halol-389 350, Dist Panchmahals, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/10/66;

The said model is a load cell based Automatic weighing instrument Discontinuous Totalizing Automatic weighing instrument (Totalizing Hopper Weigher) with a maximum capacity of 500kg. and minimum capacity of 10 kg. The scale interval (d) is 2g. It has a tare device with a 100 per cent substractive retained tare effect. The Computer Monitor Type indicates the weighing results. The instrument opeartes on 230 Volts, 50Hertz alternative current power supply.

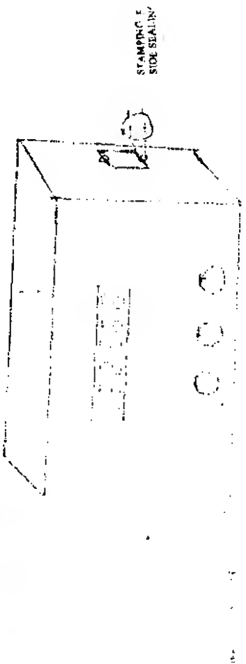

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model

Sealing shall be done to prevent opening of the weight indicator for fraudulent practice. Sealing is done on the bottom of the display by passing the wire through the display, so that after sealing digitizer can not be opened without removing seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity in the range of 50kg. to 5000kg. for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(67)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 2011

का.आ. 3458.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स फ्लेम इंडिया वेइंग सिस्टमस, पतपल्लि हाउस, वलियगुलंजरा, ओचिरा, पी.ओ., कोयिलन-690526, केरल द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एफआईटी" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "डीयूएमए" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/115 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप प्रकार) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति -1

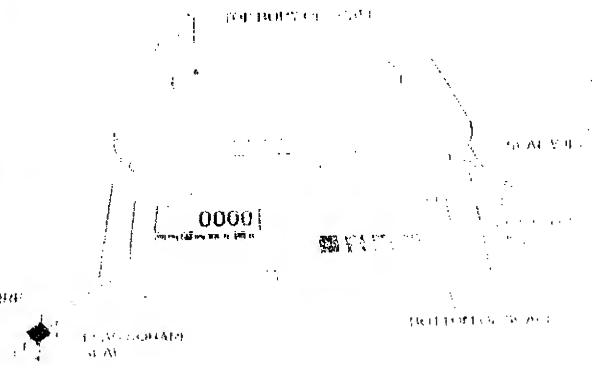

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकालकर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^k$, $2x10^k$, $5x10^k$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(371)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 28th April, 2011

S.O. 3458.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "FIT" and with brand name "DUMA" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Flame India Weighing Systems, Pathappallil House, Valiakulangara, Ochira, P.O.-Quilon-690 526 Kerala and which is assigned the approval mark IND/09/11/115;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100 g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

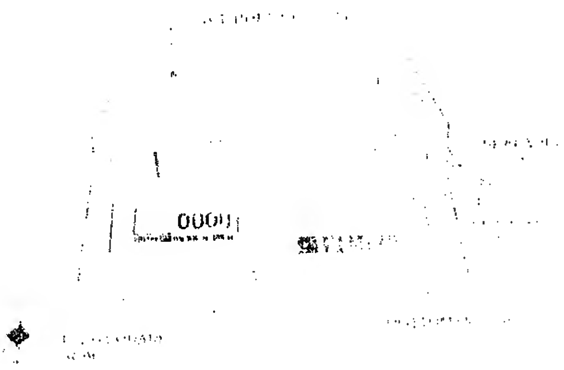

Figure-2 Schematic Diagram of the sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to10,000 for 'e' value 100mg. to 2g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to10,000 for 'e' value of 5g. more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(371)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 2011

का.आ. 3459.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स फ्लेम इंडिया वेइंग सिस्टमस, पतपल्लि हाउस, वलियगुलंजरा, ओचिरा, पी.ओ., कोयिलन-690 526, केरल द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एफआईपी" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "डीयूएमए" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/116 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

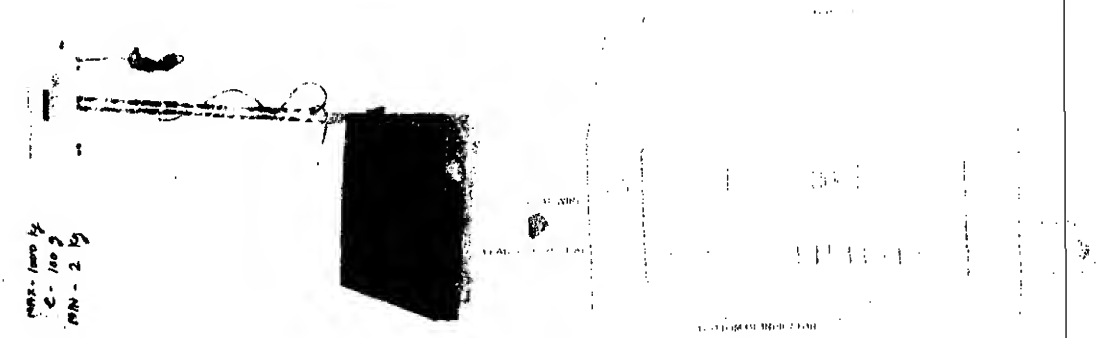

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकालकर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^k$, $2x10^k$, $5x10^k$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(371)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 28th April, 2011

S.O. 3459.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "FIP" and with brand name "DUMA" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Flame India Weighing Systems, Pathappallil House, Valiakulangara, Ochira, P.O.-Quilon-690 526 and which is assigned the approval mark IND/09/11/116;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 1000 kg. and minimum capacity of 2g. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

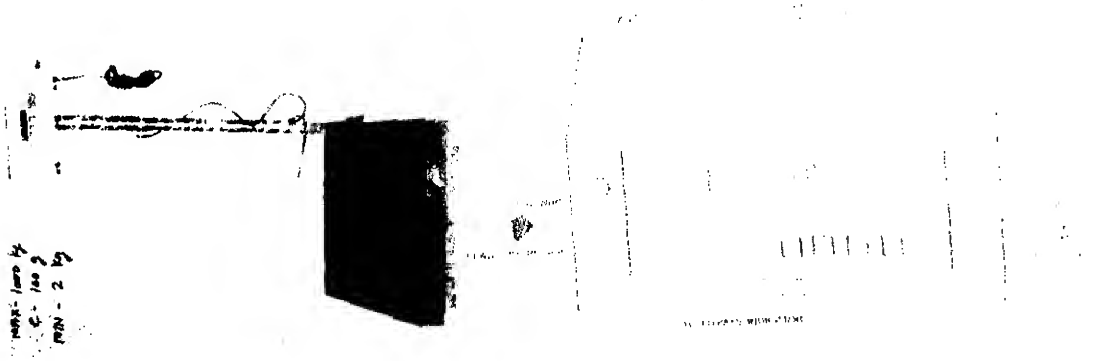

Figure-2 Schematic Diagram of the sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50kg. and upto 5000 kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to10,000 for 'e' value of 5g. more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(371)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 2011

का.आ. 3460.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स डिजी टैक्नोलॉजीस, 8-35/सी/2, साई बाबा मंदिर के पास, हेमानगर, बुडुप्पल, हैदराबाद-500039 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "डीटी-टीटी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "डीजी टैक" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/618 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप प्रकार) है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

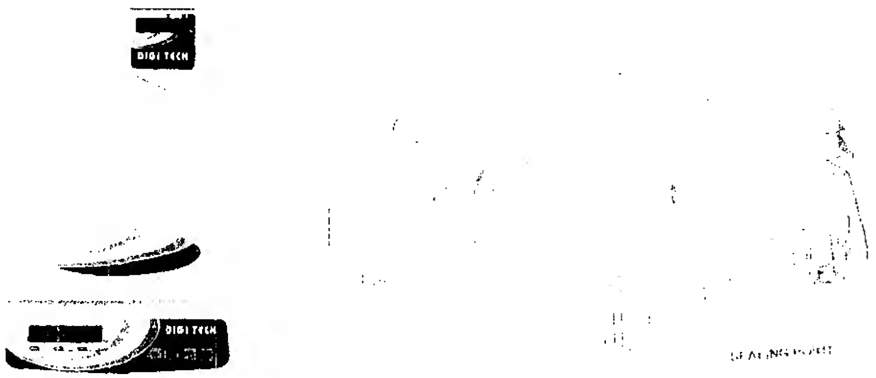

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है। सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकालकर सील से जोड़ा गया है। मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है। बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{क}$, $2x10^{क}$, $5x10^{क}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(375)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 28th April, 2011

S.O. 3460.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "DT-TT" and with brand name "DIGI TECH" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Digi Technologies, 8-35/C/2, Near Saibaba Temple, Hemanagar, Boduppal, Hyderabad-500039 and which is assigned the approval mark IND/09/10/618;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

Figure-2 Schematic Diagram of the sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity upto 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to10,000 for 'e' value of 100mg. to 2g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21(375)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 2011

का.आ. 3461.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स डिजी टैक्नोलॉजीस, 8-35/सी/2, साई बाबा मंदिर के पास, हेमानगर, बुडुप्पल, हैदराबाद-500039 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "डीटी-पीटी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "डीजी टैक" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/619 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है। इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 4 कि.ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 200 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

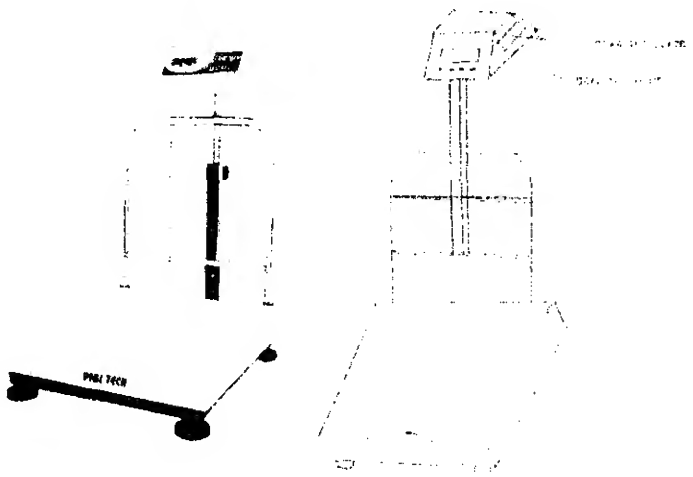

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम।

डिस्पले को बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्पले पर सीलिंग की जाती है। सील के साथ जुड़े हुए डिस्पले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकालकर सील से जोड़ा गया है। मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है। बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(375)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 28th April, 2011

S.O. 3461.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "DT-PT" and with brand name "DIGI TECH" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Digi Technologies, 8-35/C/2, Near Saibaba Temple, Hemanagar, Boduppal, Hyderabad-500039 and which is assigned the approval mark IND/09/10/619;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 1000 kg. and minimum capacity of 4 kg. The verification scale interval (e) is 200g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

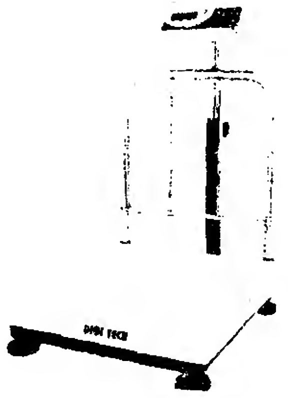

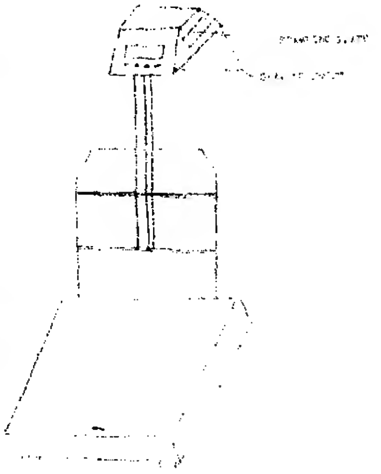

Figure-2 Schematic Diagram of the sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50 kg. and up to 5000kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(375)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 2011

का.आ. 3462.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एड ऑन सिस्टमस, 8-3-231/सी/ए/15, बी ब्लाक, युसुफगुडा, जुबली हिल्ज, हैदराबाद-500045 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एओएस-टीटी" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एड ऑन" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/616 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है;

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप प्रकार) है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

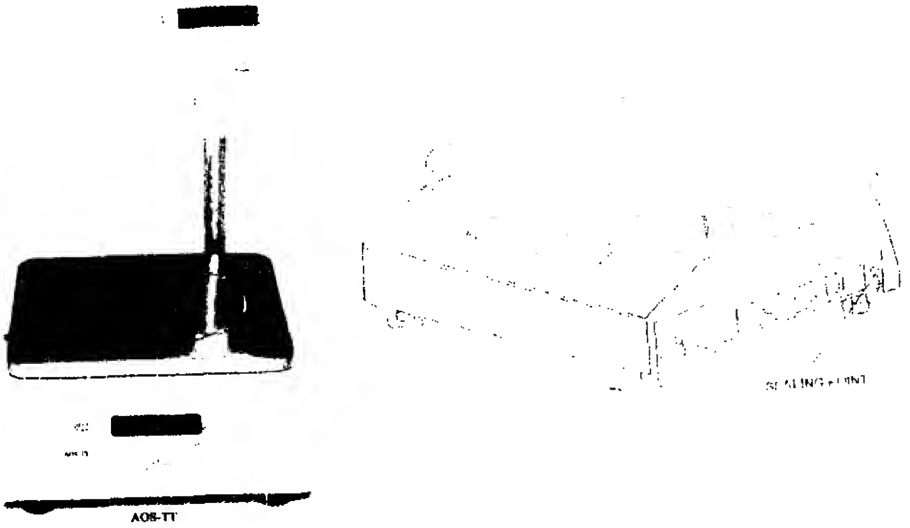

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है। सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बनें दो छेदों में से सीलिंग वायर निकालकर सील से जोड़ा गया है। मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है। बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k, 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(376)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 28th April, 2011

S.O. 3462.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class-III) of Series "AOS-TT" and with brand name "ADD ON" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Add On Systems, 8-3-231/C/A/15, B-Block, Yousufguda, Jubilee Hills, Hyderabad-500045 and which is assigned the approval mark IND/09/10/616;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with a maximum capacity of 30 kg and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

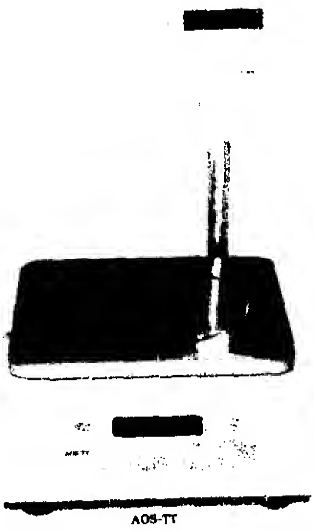

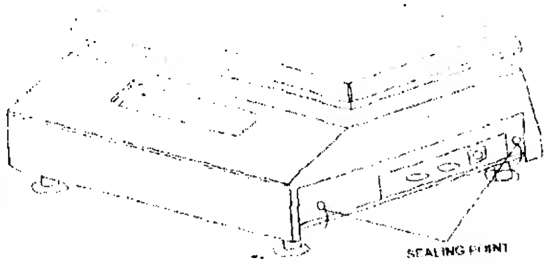

Figure-2 Schematic Diagram of Sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to10,000 for 'e' value of 100 mg. to 2g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(376)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 2011

का.आ. 3463.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एड ऑन सिस्टमस, 8-3-231/सी/ए/15, बी ब्लाक, युसुफगुडा, जुबली हिल्ज, हैदराबाद-500045 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एओएस-पीटी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एड ऑन" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/617 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है;

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है। इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 4 कि.ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 200 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

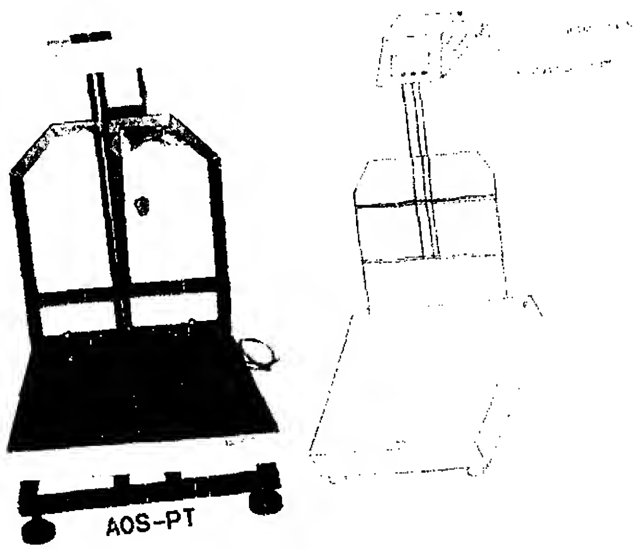

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम।

डिस्पले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्पले पर सीलिंग की जाती है। सील के साथ जुड़े हुए डिस्पले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बनें दो छेदों में से सीलिंग वायर निकालकर सील से जोड़ा गया है। मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है। बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k, 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(376)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 28th April, 2011

S.O. 3463.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "AOS-PT" and with brand name "ADD ON" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Add On Systems, 8-3-231/C/A/15, B-Block, Yousufguda, Jubilee Hills, Hyderabad-500045 and which is assigned the approval mark IND/09/10/617;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 1000 kg. and minimum capacity of 4 kg. The verification scale interval (e) is 200g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

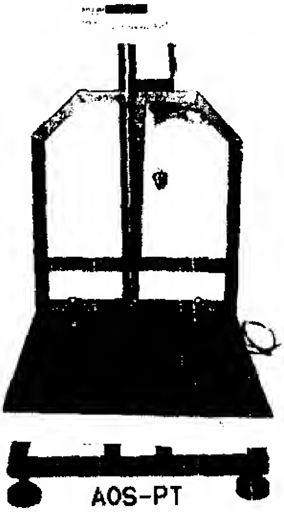

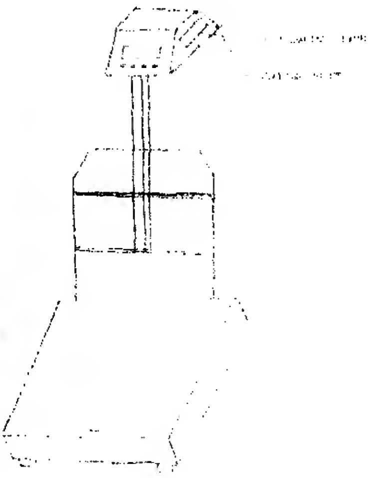

Figure-2 Schematic Diagram of Sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50 kg. up to 5000 kg. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21(376)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

(भारतीय मानक ब्यूरो)

नई दिल्ली, 16 नवम्बर, 2011

का.आ. 3464.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम 4 के उप-विनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे स्वीकृत कर दिए गए हैं :–

अनुसूची

क्रम सं.	लाइसेंस संख्या	स्वीकृति करने की तिथि/वर्ष/माह	लाइसेंसधारी का नाम एवं पता	भारतीय मानक का शीर्षक	भा मा सं./ भाग/खण्ड/ वर्ष
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	3768380	18-10-2011	भाग्यश्री इलेक्ट्रीकल्स, शेड सं. 7, गाला सं. 8, सुनीता इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, जैनम मॉल के सामने, एल बी एस मार्ग, भाण्डुप-पश्चिम मुंबई 400 078	बिजली के घरेलू खाद्य मिक्सर (द्रवीपरक और ग्राइन्डर)	भा मा 4250 : 1980
2.	3768784	24-10-2011	अपेक्स कंज्यूमर अप्लायंसेस प्रा. लि., प्लॉट सं. 29, पो.ऑ कांजुर गाँव रोड, क्रेसेंट इण्डस्ट्रीयल इस्टेट के सामने, कांजुर मार्ग - पूर्व, मुंबई -400 042	बिजली के घरेलू खाद्य मिक्सर (द्रवीपरक और ग्राइन्डर)	भा मा 4250 : 1980
3.	3769786	25-10-2011	विनी अप्लायंसेस प्रा. लि., गाला सं. 2-3, 4बी, इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, चिंचोलीनाका, भिवंडी कामन रोड, विलेज सागपाडा देवदल, वसई 401 208, थाने	बिजली के घरेलू खाद्य मिक्सर (द्रवीपरक और ग्राइन्डर)	भा मा 4250 : 1980

[सं. केन्द्रीय प्रमाणन विभाग/13:11]

एस. बी. रॉय, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख (एम डी एम-III)

(Bureau of Indian Standards)

New Delhi, the 16th November, 2011

S.O. 3464.—In pursuance of sub-regulation (5) of Regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given below in the following schedule :

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Grant Date	Name and Address (factory) of the Party	Product	IS No./ Part/ Sec. /Year
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	3768380	18-10-2011	Bhagyashree Electricals, Shed No. 7, Gala No. 8, Sunita Indl. Estate, Opp Jainam Mall, L B S Marg, Bhandup West Mumbai- 400 078	Domestic electric food-mixers (liquidizes and grinders)	IS 4250 : 1980

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2.	3768784	24-10-2011	Apex Consumer Appliances Pvt. Ltd., Plot No. 29, P.O. Kanjur Village Road, Opp. Crescent Indl. Estate, Kanjur Marg, Mumbai- 400 042	Domestic electric food-mixers (liquidizes and grinders)	IS 4250 : 1980
3.	3769786	25-10-2011	Vini Appliances, Gala No. 2-3, 4B, Indl Estate, Chincholi Naka, Bhiwandi Kamman Road, Village Sagpada Devdal, Vasai- 401 208, Thane	Domestic electric food-mixers (liquidizes and grinders)	IS 4250 : 1980

[No. CMD/13:11]

S. B. ROY, Scientist 'F' & Head (MDM-III)

नई दिल्ली, 16 नवम्बर, 2011

का.आ. 3465.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियमन, 1988 के विनियम 5 के उप-विनियम (6) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे रद्द कर दिए गए हैं :–

अनुसूची

क्र. सं.	लाइसेंस संख्या	लाइसेंसधारी का नाम एवं पता	लाइसेंस के अन्तर्गत वस्तु/प्रक्रम सम्बद्ध भारतीय मानक का शीर्षक	रद्द करने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	7678302	मिनार इलेक्ट्रॉनिक्स, 10/11, बॅरेटो इन्ड. इस्टेट, सफेद पुल, कुर्ला अंधेरी रोड, अंधेरी-पूर्व, मुंबई –400 072	भा मा 4250 : 1980 बिजली के घरेलू खाद्य मिक्सर (द्रवीपरक और ग्राइन्डर)	24-10-2011

[सं. केन्द्रीय प्रमाणन विभाग/13:13]

एस. बी. रॉय, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख (एम डी एम-III)

New Delhi, the 16th November, 2011

S.O. 3465.—In pursuance of sub-regulation (6) of the Regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that the licences particulars of which are given in the following schdule have been cancelled with effect from the date indicated against each :—

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Name and Address of the Licensee	Article/Process with relevant Indian Standards covered by the licence	Date of Cancellation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	7678302	Minar Electronics, 10/11, Barretto Industrial, Estate, Safed Pool, Kurla-Andheri Road, Andheri (E) Mumbai - 400 072	SI : 4250 : 1980 Domestic electric food mixers (liquidizer & grinder)	24-10-2011

[No. CMD/13:13]

S. B. ROY, Scientist 'F' & Head (MDM-III)

नई दिल्ली, 16 नवम्बर, 2011

का.आ. 3466.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप-नियम (1) के अनुसरण में एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिस भारतीय मानक का विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है वह रद्द कर दिया गया है और वापस ले लिया गया है :—

अनुसूची

क्रम सं.	रद्द किये गये मानक(कों) की संख्या, वर्ष और शीर्षक	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) में का. आ. संख्या और तिथि प्रकाशित	टिप्पणी
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 2885 : 1975 मेंढक के हिमीकृत पैरों के लिए विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	का.आ. संख्या 1892 तिथि 11 जून, 1977	यह मानक भारत से मेंढक के पैरों के निर्यात पर प्रतिबंध की वजह से अप्रचलित हो गया है ।

[संदर्भ : एफएडी/जी-128]

डा. आर. के. बजाज, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख (खाद्य एवं कृषि)

New Delhi, the 16th November, 2011

S. O. 3466.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, it is, hereby notified that the Indian Standards, particulars of which are mentioned in the Schedule given hereafter, has been cancelled and stands withdrawn :—

SCHEDULE

Sl. No.	No. & year of the Indian Standards Cancelled	S.O. No. & Date published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii)	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 2885 : 1975 Specification for Frozen Frog Legs (First revision)	S.O. No. 1892 Dated : 11 June, 1977	This standard has become obsolete in view of ban on export of frog legs from India.

[Ref: FAD/G-128]

Dr. R. K. BAJAJ, Scientist 'F' & Head (Food & Agri.)

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 2011

का.आ. 3467.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप-नियम (1) के खण्ड (ख)के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिस भारतीय मानक के संशोधन का विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है वह स्थापित हो गया है :—

अनुसूची

क्रम सं.	संशोधित भारतीय मानक की संख्या, वर्ष और शीर्षक	संशोधन की संख्या और वर्ष	संशोधन लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 15616 : 2006 अल्फासाइपरमेथरिन तकनीकी - विशिष्टि	संशोधन संख्या 1, वर्ष 2010	31 अक्तूबर 2010

इस संशोधन की प्रति भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110 02, क्षेत्रीय कार्यालयों: नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बैंगलोर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरूवनन्तापुरम में उपलब्ध है ।

[संदर्भ : एफएडी/जी-128]

डा. आर. के. बजाज, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख (खाद्य एवं कृषि)

New Delhi, the 21st November, 2011

S. O. 3467.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that amendments to the Indian Standards, particulars of which is given in the Schedule hereto annexed has been established on the date indicated against it :—

SCHEDULE

Sl. No.	No. & Year of the Indian Standards	No. and Year of the amendment	Date of which the amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 15616 : 2006 Alphacypermethrin, Technical —Specification	Amendment No. 1, Year 2010	31 October, 2010

Copy of this amendment is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune and Thiruvananthapuram.

[Ref: FAD/G-128]

Dr. R. K. BAJAJ, Scientist 'F' & Head (Food & Agri.)

नई दिल्ली, 22 नवम्बर, 2011

का.आ. 3468.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खण्ड (ख)के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे अनुसूची में दिए गए मानक (को) में संशोधन किया गया / किये गये हैं :-

अनुसूची

क्रम सं.	संशोधित भारतीय मानक (कों) की संख्या, वर्ष और शीर्षक	संशोधन की संख्या और तिथि	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 7524 (भाग 1) : 1980 आंख संरक्षण के लिए परीक्षण के तरीके भाग 1 गैर ऑप्टीकल परीक्षण	संशोधन संख्या नं 1, अप्रैल 2011	30 अप्रैल, 2011

इन भारतीय मानकों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों: नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे, तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : सीएचडी 8/आईएस 7524 (भाग 1)]

ई. देवेन्द्र, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख (रसायन)

New Delhi, the 22nd November, 2011

S. O. 3468.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that amendments to the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been issued :—

SCHEDULE

Sl. No.	No. & year of the Indian Standards	No. and Year of the amendment	Date from which the amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 7524 (Part 1) : 1980 Methods of test for Eye -Protectors Part 1 Non-optical tests	Amendment No. 1, April ,2011	30 April, 2011

Copy of this Standard is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and its Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune and Thiruvananthapuram.

[Ref: CHD 8/IS 7524 (Part 1)]

E. DEVENDAR, Scientist 'F' & Head (Chemical)

नई दिल्ली, 25 नवम्बर, 2011

का.आ. 3469.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन भारतीय मानकों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे स्थापित हो गये हैं :-

अनुसूची

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या, वर्ष और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 15298 (भाग 4) : 2010 आईएसओ 20347 : 2004 निजी सुरक्षा उपस्कर भाग 4 व्यवसाय में पहनने के फुटवियर (पहला पुनरीक्षण)		30 नवम्बर, 2010

इन भारतीय मानक की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों: नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : सीएचडी 19/आईएस 15298 (भाग 4)/आईएसओ 20347]

ई. देवेन्द्र, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख (रसायन)

New Delhi, the 25th November, 2011

S. O. 3469.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been established on the date indicated against each :—

SCHEDULE

Sl. No.	No. & year of the Indian Standards Established	No. and Year of Indian Standards, if any, Superseded by the New Indian Standard	Date of Established
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 15298 (Part 4) : 2010 ISO 20347 : 2004 Personal Protective Equipment Part 4 Occupational Footwear (First Revision)	-	30 November, 2010

Copy of this Standard is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune and Thiruvananthapuram.

[Ref: CHD19/IS 15298 (Pt. 4)ISO 20347]

E. DEVENDAR, Scientist 'F' & Head (Chemical)

कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 2011

का.आ. 3470.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार ने कोयला मंत्रालय के द्वारा जारी की गई अधिसूचना संख्यांक का.आ. 3051 तारीख 9 दिसम्बर, 2010 जो भारत के राजपत्र के भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) तारीख 18 दिसम्बर, 2010 में प्रकाशित की गई थी, उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि में जिसका माप 180.00 हेक्टर (लगभग) या 444.78 एकड़ (लगभग) है, कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी ;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विहित उक्त भूमि के भाग में कोयला अभिप्राप्त करना है;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 137.65 हेक्टर (लगभग) या 340.13 एकड़ (लगभग) माप की भूमि और उक्त भूमि में या उस पर के भू-सतह अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है;

टिप्पण 1 :—इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक संख्यांक एसईसीएल/बीएसपी/जीएम(पीएलजी)/ भूमि/406, तारीख 19 मार्च, 2011 का निरीक्षण कलक्टर, सरगुजा (छत्तीसगढ़) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कोलकाता-700001 के कार्यालय में या साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, (राजस्व अनुभाग) सीपत रोड, बिलासपुर -495006 (छत्तीसगढ़) के कार्यालय में किया जा सकता है।

टिप्पण 2 :—उक्त अधिनियम की धारा 8 के उपबंधों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित उपबंध हैं :—

अर्जन के बाबत आपत्तियां :

"8(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी बाबत धारा 7 (1) के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के निकाले जाने से तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा ।

स्पष्टीकरण :—

1. इस धारा के अन्तर्गत यह आपत्ति नहीं मानी जाएगी, कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं खनन संक्रियाएं करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए ।

2. उप-धारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने, विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के पश्चात् और ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझता है, वह या तो धारा 7 की उप-धारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि का या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़े या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा।

3. इस धारा के प्रयोजनों के लिए, वह व्यक्ति किसी भूमि में हितबद्ध समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हकदार होगा, यदि भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते हैं।

टिप्पण 3 : केन्द्रीय सरकार ने, कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाऊस स्ट्रीट, कोलकाता-700 001 को उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii), तारीख 4 अप्रैल, 1987 में प्रकाशित अधिसूचना संख्यांक का.आ. 905, तारीख 20 मार्च, 1987 सक्षम द्वारा प्राधिकारी नियुक्त किया है।

अनुसूची

सेंधोपारा-1 ब्लाक (कल्याणी युजी परियोजना), भटगांव क्षेत्र, जिला-सरगुजा (छत्तीसगढ़)

[रेखांक संख्यांक एसईसीएल/बीएसपी/जीएम(पीएलजी)/भूमि/406, तारीख 19 मार्च, 2011]

भू-सतह अधिकार :

क. राजस्व भूमि :

क्रम सं.	ग्राम का नाम	पटवारी हल्का संख्या	ग्राम संख्या	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टयर में	टिप्पणी
1.	बंसीपुर	17	44	प्रतापपुर	सरगुजा	71.28	भाग
2.	जरही	17	20	प्रतापपुर	सरगुजा	21.73	भाग

कुल : 93.01 हेक्टयर (लगभग) या 229.83 एकड़ (लगभग)

ख. राजस्व वन भूमि (सीजेजे/बीजेजे):

क्रम सं.	ग्राम का नाम	पटवारी हल्का संख्या	ग्राम संख्या	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टयर में	टिप्पणी
1.	बंसीपुर	17	44	प्रतापपुर	सरगुजा	18.00	भाग
2.	जरही	17	20	प्रतापपुर	सरगुजा	15.27	भाग

कुल : 33.27 हेक्टयर (लगभग) या 82.21 एकड़ (लगभग)

ग. आरक्षित वन भूमि :

क्रम सं.	कम्पार्टमेंट संख्या	उप संभाग	संभाग	क्षेत्र हेक्टयर में	टिप्पणी
1.	1683(भाग)	सुरजपुर	दक्षिण सरगुजा	11.37	भाग

कुल : 11.37 हेक्टयर (लगभग) या 28.09 एकड़ (लगभग)

कुल योग (क+ख+ग) = 137.65 हेक्टयर (लगभग) या 340.13 एकड़ (लगभग)

1. ग्राम बंसीपुर (भाग) में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्या: 180 से 182, 214, 215, 285 से 288, 293, 298 से 302, 306 से 311, 312 (भाग), 313, 332 से 368, 369 (भाग), 370 से 373, 374 (भाग), 375 (भाग), 376 (भाग), 377 (भाग), 378 से 394, 395

(भाग), 396 से 432, 433 (भाग), 434 से 441, 442 (भाग), 443, 444 (भाग), 445 (भाग), 453 (भाग), 454 से 462, 463 (भाग), 464 (भाग), 465 (भाग), 466, 467, 468 (भाग), 474 (भाग), 475 (भाग), 476 (भाग), 477 (भाग), 478 से 482, 483 (भाग), 484 (भाग), 487 (भाग), 488, 489 (भाग), 490 (भाग), 491 (भाग), 492 से 521, 523 (भाग), 524 (भाग), 525 से 563, 564 (भाग), 565 (भाग), 566 से 584, 585 (भाग), 586 (भाग), 600 से 606, 607 (भाग), 608, 609, 610 (भाग), 611 से 613, 614 (भाग), 615 (भाग), 616 (भाग), 643, 644 (भाग), 645 (भाग), 646 से 660, 661 (भाग), 786 (भाग), 787 (भाग), 788 (भाग), 789 से 795, 796 (भाग), 797, 798 (भाग), 799 (भाग), 800(भाग), 801 (भाग), 802 (भाग), 803 (भाग), 809 (भाग), 812 (भाग) ।

2 ग्राम जरही (भाग) में अर्जित कि, जाने वाले प्लाट संख्या: 646 से 648, 650 (भाग), 652(भाग), 653, 654 (भाग), 655 से 666, 668 से 694, 695 (भाग), 696 से 711, 712 (भाग), 713(भाग), 714 (भाग), 715 (भाग), 716 (भाग), 718 (भाग), 719 (भाग), 720 (भाग), 1161 (भाग), 1162 (भाग), 1163 (भाग), 1164, 1165, 1166 (भाग), 1167 (भाग)।

सीमा वर्णन :

क-ख-ग रेखा ग्राम बंसीपुर में बिन्दु "क" से आरंभ होती है और प्लाट संख्या 812, 809, 795, 796, 798, 799, 800, 801, 802, 803,565, 564/2 बिन्दु 'ख' 564 से होती हुई ग्राम जरही में प्रवेश करती है तथा प्लाट संख्या 1167, 1166, 1163, 1162 से होती हुई जाती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।

ग-घ-ङ रेखा ग्राम जरही के प्लाट संख्या 1161, 695, 720, 719, 718, 716,715,714, बिन्दु 'घ' 713, 712, 654 आरक्षित वन के कम्पार्टमेंट संख्या 1683 से गुजरती है और बिन्दु "ङ" पर मिलती है ।

ड.-च-छ रेखा ग्राम जरही के प्लाट संख्या 648 के उत्तरी सीमा, 650, 652 और आरक्षित वन के कम्पार्टमेंट संख्या 1683 से होती हुई ग्राम बंसीपुर में प्रवेश करती है और प्लाट संख्या 180, 182, 343, 344, 214, 215 बिन्दु 'च' से गुजरती है और बिन्दु "छ" पर मिलती है ।

छ-ज-झ-ञ रेखा ग्राम बंसीपुर के प्लाट संख्या 215, 335, 334, 333, 332, 369, 374, 375, 376, 377, बिन्दु 'ज' 313, 314, 312, 306, 305, बिन्दु 'झ' 307, 302, 298, 293, 288 से गुजरती है और बिन्दु "ञ" पर मिलती है ।

ञ-ट-ठ रेखा ग्राम बंसीपुर के प्लाट संख्या 288, 286, 285, 433, बिन्दु 'ट', 435, 434, 444, 445, 444, 453, 463, 464, 465, 468, 477, 474 से गुजरती है और बिन्दु "ठ" पर मिलती है ।

ठ-ड-ढ रेखा ग्राम बंसीपुर के प्लाट संख्या 474, 475, 476, 483, 484, [illegible], बिन्दु 'ड', 490, 491, 614, 615, 616, 610, 607, 601, 600 और 521, 520 के दक्षिणी सीमा फिर 523, 524 से गुजरती है और बिन्दु "ढ" पर मिलती है ।

ढ-क रेखा ग्राम बंसीपुर के प्लाट संख्या 526, 527 के पूर्वी सीमा 523, 586, 585, 644, 645, 661, 786, 787, 788, 809, 812 से गुजरती हुई आरंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है ।

[फा. सं. 43015/18/2010-पीआरआईडब्ल्यू-1]

ए. के. दास, अवर सचिव

MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 21st November, 2011

S.O. 3470.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 3051 dated the 9th December, 2010 issued under sub-section (1) of Section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) and published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 18th December, 2010 the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 180.00 hectares (approximately) or 444.78 acres (approximately) of the lands in the locality specified in the schedule annexed to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in a part of the said lands prescribed in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the land measuring 137.650 hectares (approximately) or 340.13 acres (approximately) as Surface Rights in or over the said lands described in the schedule appended hereto:

Note 1 : The plan bearing number SECL/BSP/GM(PLG)/Land/406 dated the 19th March, 2011 of the area covered by this notification may be inspected at the office of the Collector, Surguja (Chhattishgarh) or at the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Kolkata -700001 or at the office of the South Eastern Coalfields Limited (Revenue Section), Seepat Road, Bilaspur-495006 (Chhattisgarh).

Note 2 : Attention is hereby invited to the provisions of Section 8 of the said Act which provides as follows:—

Objection to Acquisition:

"8 (1) Any person interested in any land in respect of which a notification under Section 7(1) has been issued, may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or any rights in or over such land..

Explanation :—

(1) It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operation in the land for the production of coal and that such operation should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any, as he thinks necessary, either makes a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of Section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purposes of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act."

Note 3: The Coal Controller, 1, Council House Street, Kolkata - 700001 has been appointed by the Central Government as the competent authority under section 3 of the said Act, vide notification number S.O. 905, dated the 20th March, 1987, published in Part II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India, dated the 4th April, 1987.

SCHEDULE

Sendhopara - I Block (Kalyani UG Project), Bhatgaon Area,

District - Surguja (Chhattishgarh)

[Plan bearing number SECL/ BSP/ GM(PLG)/ Land/ 406 dated the 19th March, 2011]

Surface Rights:

A. Revenue Land:

Sl. No.	Name of Village	Patwari halka number	Village number	Tahsil	District	Area in Hectares	Remarks
1.	Bansipur	17	44	Pratappur	Surguja	71.28	Part
2.	Jarhi	17	20	Pratappur	Surguja	21.73	Part
	Total : 93. 01 Hectares (approximately) or 229. 83 Acres (approximately)						

B. Revenue Forest Land (CJJ/BJJ):

Sl. No.	Name of Village	Patwari halka number	Village number	Tahsil	District	Area in Hectares	Remarks
1.	Bansipur	17	44	Pratappur	Surguja	18.00	Part
2.	Jarhi	17	20	Pratappur	Surguja	15.27	Part
	Total : 33. 27 Hectares (approximately) or 82. 21 Acres (approximately)						

C. Reserve Forest Land:

Sl. No.	Compartment number	Sub Division	Division	Area in Hectares	Remarks
1.	1683(P)	Surajpur	South Surguja	11.370	Part

Total : 11. 37 Hectares (approximately) or 28. 09 Acres (approximately)

Grand Total (A+B+C) = : 137. 65 Hectares (approximately)

or 340. 13 Acres (approximately)

1. Plot numbers to be acquired in village Bansipur (Part): 180 to 182, 214, 215, 285 to 288, 293, 298 to 302, 306 to 311, 312(P), 313, 332 to 368, 369(P), 370 to 373, 374(P), 375(P), 376(P), 377(P), 378 to 394, 395(P), 396 to 432, 433(P), 434 to 441, 442(P), 443, 444(P), 445(P), 453(P), 454 to 462, 463(P), 464(P), 465(P), 466, 467, 468(P), 474(P), 475(P), 476(P), 477(P), 478 to 482, 483(P), 484(P), 487(P), 488, 489(P), 490(P), 491 (P), 492 to 521, 523(P), 524(P), 525 to 563, 564(P), 565(P), 566 to 584, 585(P), 586(P), 600 to 606, 607(P), 608, 609, 610(P), 611 to 613, 614(P), 615(P), 616(P), 643, 644(P), 645(P), 646 to 660, 661 (P), 786(P), 787(P), 788(P), 789 to 795, 796(P), 797, 798(P), 799(P), 800(P), 801 (P), 802(P), 803(P), 809(P), 812(P).

2. Plot numbers to be acquired in village Jarhi (Part): 646 to 648, 650(P), 652(P), 653, 654(P), 655 to 666, 668 to 694, 695(P), 696 to 711, 712(P), 713(P), 714(P), 715(P), 716(P), 718(P), 719(P), 720(P), 1161(P), 1162(P), 1163(P), 1164, 1165, 1166(P), 1167(P).

Boundary Description:

A-B-C Line starts from point 'A' in village Bansipur and passes through plot numbers 812, 809, 795, 796, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 565, 564/2, point 'B', 564 then enter in village Jarhi and passes through plot numbers 1167, 1166, 1163, 1162 and meets at point 'C'.

C-D-E Line passes in village Jarhi through plot numbers 1161, 695, 720, 719, 718, 716, 715, 714, point 'D', 713, 712, 654, Reserve Forest Compartment No. 1683 and meets at point 'E',

E-F-G Line passes in village Jarhi along northern boundary of plot number 648, through 650, 652, Reserve Forest Compartment No. 1683 then enter in village Bansipur and passes through plot numbers 180, 182, 343, 344, 214, 215, point 'F' and meets at point 'G' .

G-H-I-J Line passes in village Bansipur through plot numbers 215, 335, 334, 333, 332, 369, 374, 375, 376, 377, point 'H', 313, 314, 312, 306, 305, point 'I', 307, 302, 298, 293, 288 and meets at point 'J'.

J-K-L Line passes in village Bansipur through plot numbers 288, 286, 285, 433, point 'K', 435, 434, 444, 445, 444, 453, 463, 464, 465, 468, 477, 474 and meets at point 'L'.

L-M-N Line passes in village Bansipur through plot numbers 474, 475, 476, 483, 484, 487, point 'M', 490, 491, 614, 615, 616, 610, 607, 601, 600, along southern boundary of plot numbers 521, 520, through 523, 524 and meets at point 'N'.

N-A Line passes in village Bansipur along eastern boundary of plot numbers 526, 527, through 523, 586, 585, 644, 645, 661, 786, 787, 788, 809, 812 and meets at starting point 'A',

[F. No. 43015/18/2010-PRIW-I]

A. K. DAS, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 2011

का.आ. 3471.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है ;

इस अनुसूची द्वारा विहित क्षेत्र के ब्यौरे रेखांक संख्या एसईसीएल/बीएसपी/सीजीएम (पीएलजी)/भूमि/394 तारीख 4 अक्तूबर, 2010 का निरीक्षण कलेक्टर, रायगढ़ (छत्तीसगढ़) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, कांउसिल हाऊस स्ट्रीट, कोलकाता- 700 001 के कार्यालय में या साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग), सीपत रोड, बिलासपुर-495 006 (छत्तीसगढ़) के कार्यालय में किया जा सकता है।

अत: अब, केन्द्रीय सरकार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि से कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है ;

उक्त अनुसूची में विहित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति–

(i) संपूर्ण भूमि या उसके किसी भाग के अर्जन या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों के प्रति आक्षेप कर सकेगा; या

(ii) भूमि में के किसी हित के प्रतिकर या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों का दावा कर सकेगा; या

(iii) खनन पट्टा अर्जित किए जाने के अधीन अधिकारों की पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति प्रभावहीन हो जाने और भूमि संबंधी सभी नक्शे, चार्टों तथा अन्य दस्तावेज़ों का परिदान, अयस्कों या अन्य खनिजों के नमूनों का संग्रहण और उनका सम्यक् विश्लेषण करने के लिए तथा उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (7) में निर्दिष्ट कोई अन्य सुसंगत अभिलेखों या सामग्रियों की तैयारी के लिए प्रतिकर।

इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर, भारसाधक अधिकारी या विभागाध्यक्ष (राजस्व), साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, सीपत रोड, बिलासपुर-495 006 (छत्तीसगढ़) को भेजेंगे।

अनुसूची

चिमटापानी ब्लाक, रायगढ़ क्षेत्र

जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

[रेखांक संख्या एसईसीएल/बीएसपी/जीएम (पीएलजी)/भूमि/394 तारीख 4 अक्तूबर, 2010]

क्रम सं.	ग्राम का नाम	पटवारी हल्का संख्या	तहसील का नाम	जिला का नाम	क्षेत्रफल (हेक्टर में)	टिप्पणियां
1	2	3	4	5	6	7
1.	चिमटापानी	14	घड़घोडा	रायगढ़	537.698	सम्पूर्ण
2.	चोटीगुड़ा	14	घड़घोडा	रायगढ़	384.146	भाग
3.	साल्हेपाली	13	घड़घोडा	रायगढ़	445.900	भाग
4.	कांटाझरीया	13	घड़घोडा	रायगढ़	100.462	भाग
5.	कठरापाली	13	घड़घोडा	रायगढ़	207.216	भाग
6.	कोनपारा	13	घड़घोडा	रायगढ़	722.996	सम्पूर्ण

कुल :—2398.418 हेक्टर (लगभग) या 5926.49 एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन :

क-ख-ग-घ : रेखा ग्राम कांटाझरीया के उत्तरी सीमा में "क" बिन्दु से आरंभ होती है और ग्राम कांटाझरीया और चिमटापानी के उत्तरी सीमा तथा बिन्दु "ख" और "ग" से होती हुई जाती है और ग्राम चिमटापानी के उत्तरी सीमा में बिन्दु "घ" पर मिलती है।

घ-ङ-च-छ : रेखा ग्राम चिमटापानी और चाटीगुड़ा के पूर्वी सीमा तथा बिन्दु "ङ", "च" से होकर ग्राम साल्हेपाली में प्रवेश करती है और ग्राम के पूर्वी भाग से गुजरती है फिर ग्राम साल्हेपाली के भागत: दक्षिणी सीमा से होती हुई "छ" बिन्दु पर मिलती है।

छ-ज-झ-ञ : रेखा ग्राम कोनपारा के दक्षिणी सीमा के साथ जाती है और बिन्दु "ज" और "झ" से गुजरती है फिर ग्राम कठरापाली के भागत: दक्षिणी सीमा से होती हुई "ञ" बिन्दु पर मिलती है।

ञ-ट-क : रेखा ग्राम कठरापाली और कांटाझरीया के मध्य भाग से होते हुए जाती है तथा बिन्दु "ट" से होती हुई आरंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[फा. सं. 43015/22/2010-पीआरआईडब्ल्यू-I]

ए. के. दास, अवर सचिव

New Delhi, the 21st November, 2011

S.O. 3471.— Whereas, it appears to the Central Government that Coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule annexed hereto;

And whereas, the plan bearing number SECL/BSP/GM(Plg)/Land/394 dated the 4th October, 2010 of the area covered by this notification can be inspected at the Office of the Collector, Raigarh (Chhattisgarh) or at the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Kolkata-700 001 or at the Office of the South Eastern Coalfields Limited (Revenue Section), Seepat Road, Bilaspur - 495 006 (Chhattisgarh) ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal from lands described in the said schedule;

Any person interested in the land described in the said schedule may—

(i) object to the acquisition of the whole or any part of the land, or of any rights in or over such land, or

(ii) claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land, or

(iii) seek compensation for prospecting licences ceasing to have effect, rights under mining lease being acquired, and deliver all maps, charts and other documents relating to the land, collection from the land of cores or other mineral samples and due analysis thereof and the preparation of any other relevant record or materials referred to in sub-section (7) of Section 13 of the said Act,

to the Officer- in-Charge or Head of the Department (Revenue), South Eastern Coalfields Limited, Seepat Road, Bilaspur - 495 006 (Chhattisgarh), within ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

Chimtapani Block, Raigarh Area

District- Raigarh (Chhattisgarh)

[Plan bearing number SECL/BSP/GM(Plg)/Land/394 dated the 4th October, 2010]

Sl. No.	Name of village	Patawari halka number	Name of Tahsil	Name of District	Area in hectares	Remark
1.	Chimtapani	14	Gharghoda	Raigarh	537.698	Full
2.	Chotigura	14	Gharghoda	Raigarh	384.146	Part
3.	Salhepali	13	Gharghoda	Raigarh	445.900	Part
4.	Kantajharia	13	Gharghoda	Raigarh	100.462	Part
5.	Katharapali	13	Gharghoda	Raigarh	207.216	Part
6.	Konpara	13	Gharghoda	Raigarh	722.996	Full

Tota l:—2398.418 hectares (approximately) or 5926.49 acres (approximately).

BOUNDARY DESCRIPTION :—

A-B-C-D Line starts from point "A" on the northern boundary of village Kantajharia and passes along northern boundary of village Kantajharia, Chimtapani, point "B" and "C" and meets at point "D" on the northern boundary of village Chimtapani.

D-E-F-G Line passes along eastern boundary of village Chimtapani, Chatigura, point "E" and "F", then enter in village Salhepali and passes through eastern part of village Salhepali then along partly southern boundary of village Salhepali and meets at point "G".

G-H-I-J Line passes along southern boundary of village Konpara, point "H" and "I", then along partly southern boundary of village Katharapali and meets at point "J".

J-K-A Line passes through middle part of village Katharapali, Kantajharia and point "K" and meets at starting point "A",

[F. No. 43015/22/2010 -PRIW-I]

A. K. DAS, Under Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 2011

का. आ. 3472.—भारत सरकार ने पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2881, तारीख 12 नवम्बर, 2010 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, तमिलनाडु में तिरुतन्नी के पास विजयवाड़ा-नेल्लोर-चेन्नई पाइपलाइन के टर्मिनल प्वाइंट से देश के विभिन्न हिस्सों में उपभोक्ताओं तक प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए मैसर्स रिलोजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा चेन्नई-टयूटीकोरिन पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन के लिए अपने आशय की घोषणा की थी;

और, उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 29 जून, 2011 को अथवा उससे पूर्व उपलब्ध करा दी गई थीं;

और, पाइपलाइन बिछाने के संबंध में जनता की ओर से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है;

और, सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और, भारत सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन का विनिश्चय किया है;

अत:, अब, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से भारत सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, मैसर्स रिलोजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, में निहित होगा

अनुसूची

तालुक : कल्लक्कुरिच्चि	जिला :विल्लुपुरम	राज्य :तमिलनाडु		
गाँव का नाम	सर्वे सं/सब डिविजन सं.	आर.ओ.यू.अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	एयर	सि.एयर
1	2	3	4	5
1) पदरमपाल्लाम	40/2	00	10	08
	40/3	00	07	91
	44/1	00	11	54
	44/2	00	10	08
	44/3	00	06	88
	45/1	00	32	70
	46	00	17	83
2) मरवानाट्टाम	162/14	00	17	63
	162/1ए	00	06	40
	160/3	00	12	87
	160/10	00	09	19
	160/11	00	09	56
	160/12ए	00	06	59
	160/4ए	00	00	49
तालुक : शंकरापुरम	जिला :विल्लुपुरम	राज्य :तमिलनाडु		
1) चोलमबटु	80	00	17	21
2) पोमवराप्पटु	58/2ए	00	06	10
	59/2	00	02	57
	60/4	00	51	35
	67/1	00	01	61
	60/3	00	02	11
	61/7	00	23	61
	66/5	00	00	10
	66/1	00	29	60
	66/2	00	17	10
	65/8	00	19	79
	65/7	00	11	83
	65/5	00	10	50
	69/1	00	11	43
	69/4	00	00	24
	70/2बी	00	10	88
	72/5	00	06	71
	72/3	00	24	01
	72/1	00	24	22
	72/2	00	08	44
	71/6	00	16	69
	73/6	00	15	69
	73/7	00	00	23

1	2	3	4	5
2) पोमवराप्पटु (निरंतर)	73/1	00	05	76
	73/9	00	02	02
	73/8	00	02	73
	73/2	00	14	87
	91/2	00	04	48
	91/1	00	07	57
	91/3	00	01	01
	91/4ए	00	00	39
	91/4बी	00	00	37

[फा सं. एल.-14014/84/2010-जी.पी.]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 21st November, 2011

S. O. 3472.—Whereas by notification of Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 2881, dated the 12th November, 2010, issued under sub-section (1) of section 3 of Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), Government of India declared its intention to acquire the Right of User in the land specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying Chennai-Tuticorin Gas pipeline for transportation of natural gas from terminal point of Vijayawada-Nellore-Chennai Pipe line near Tiruttani in Tamil Nadu by M/s. Relogistics Infrastructure Limited to the consumers in various parts of the country.

And, whereas, copies of the said Gazette notification were made available to the public on or before 29th June, 2011;

And, whereas, no objections were received from the public to the laying of the pipeline;

And, whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted its report to the Government of India;

And, whereas, Government of India, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipelines, has decided to acquire the Right of User therein;

Now, therefore, in exercise of powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, Government of India hereby declares that the Right of User in the land specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, Government of India hereby directs that the Right of User in the said land for laying the pipelines shall, instead of vesting in Government of India, vest, on the date of publication of the declaration, in M/s. Relogistics Infrastructure Limited, free from all encumbrances.

Schedule

Taluk: Kallakkurichchi	District: Villupuram	State: Tamil Nadu		
Village	**Survey No./Sub-Division No.**	**Area to be acquired for RoU**		
		Hec	**Are**	**C-Are**
1	2	3	4	5
1) Padarampallam	40/2	00	10	08
	40/3	00	07	91
	44/1	00	11	54
	44/2	00	10	08
	44/3	00	06	88
	45/1	00	32	70
	46	00	17	83
2) Maravanattam	162/14	00	17	63
	162/1A	00	06	40
	160/3	00	12	87
	160/10	00	09	19
	160/11	00	09	56
	160/12A	00	06	59
	160/4A	00	00	49
Taluk: Sankarapuram	**District: Villupuram**	**State: Tamil Nadu**		
1) Cholambattu	80	00	17	21
2) Pombarappattu	58/2A	00	06	10
	59/2	00	02	57
	60/4	00	51	35
	67/1	00	01	61
	60/3	00	02	11
	61/7	00	23	61
	66/5	00	00	10
	66/1	00	29	60
	66/2	00	17	10
	65/8	00	19	79
	65/7	00	11	83
	65/5	00	10	50
	69/1	00	11	43
	69/4	00	00	24
	70/2B	00	10	88
	72/5	00	06	71
	72/3	00	24	01
	72/1	00	24	22
	72/2	00	08	44
	71/6	00	16	69
	73/6	00	15	69
	73/7	00	00	23

1	2	3	4	5
2) Pombarappattu (Contd)	73/1	00	05	76
	73/9	00	02	02
	73/8	00	02	73
	73/2	00	14	87
	91/2	00	04	48
	91/1	00	07	57
	91/3	00	01	01
	91/4A	00	00	39
	91/4B	00	00	37

[F. No. L-14014/84/2010-GP.]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 नवम्बर , 2011

का. आ. 3473.—भारत सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2882 तारीख 12 नवम्बर, 2010 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, तमिलनाडु में तिरूतन्नी के पास विजयवाडा – नेलुर - चैन्नई पाइपलाइन के टर्मिनल प्वाइंट से देश के विभिन्न हिस्सों में उपभोक्ताओं तक प्राकतिक गैस के परिवहन के लिए मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा चैन्नई - टयूटीकोरिन पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और, उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 30 जून, 2011 को अथवा उससे पूर्व उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और, पाइपलाइन बिछाने के संबंध में जनता की ओर से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है ;

और, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और, भारत सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह संतुष्ट हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चिय किया है ;

अत:, अब, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए , यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से भारत सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तालुक ः शंकरापुरम	जिला ःविल्लुपुरम	राज्य ःतमिलनाडु		
गाँव का नाम	सर्वे सं/सब डिविजन सं·	आर·ओ·यू·अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	एयर	सि·एयर
1	2	3	4	5
1) अरियालुर	76/1वी1	00	00	71
	76/1ए	00	46	68
	76/5	00	03	28
	76/3	00	00	29
	78/3वी	00	04	43
	78/3ए	00	14	47
	78/2वी	00	24	72
	78/2ए	00	00	58
	79/4	00	27	98
	79/2	00	06	09
	80/7	00	00	39
	80/1	00	07	84
	80/2	00	24	76
	80/3	00	30	21
	81/2	00	01	39
	83/2	00	19	54
	83/3	00	09	14
	83/1	00	21	49
	83/8	00	05	87
2) वरघुर	61/1आर3	00	02	55
	61/1आर2	00	01	23
	61/1आर4	00	04	52
	61/1एस1	00	00	10
	61/1एस2	00	02	86
	61/1टी1	00	01	22
	61/1टी2	00	07	93
	61/1यू1	00	01	67
	61/1यू3	00	04	79
	61/2ए	00	04	57
	61/2वी	00	04	71
	61/2सी	00	02	28
	61/2डी	00	01	99
	61/2ई	00	04	17
	61/2एफ	00	04	69
	61/1यू5	00	01	43
	61/1एन	00	06	81
	61/1ओ	00	02	04

1	2	3	4	5
2) वरघुर (निरंतर)	42/4	00	05	32
	42/3बी	00	05	67
	42/5	00	03	21
	42/6	00	03	24
3) किडंगुडेयाम्वटु	12/6	00	02	77
	12/1	00	14	26
	12/2	00	11	74
	12/3	00	05	42
	12/4	00	05	58
	15/2	00	02	11
	15/1	00	06	67
	15/3	00	06	16
	15/4	00	06	57
	15/5	00	05	63
	16/1ए	00	17	96
	19/1ए	00	01	27
	21/2बी	00	04	59
	21/2सी	00	04	48
	21/2डी	00	02	09
	21/2ई	00	02	42
	21/2जी	00	02	27
	21/2एच	00	07	51
	21/2के	00	02	50
	21/2एल	00	04	66
	21/2जे	00	02	94
	21/3ई	00	06	38
	21/4	00	05	78
	21/5	00	03	46
	21/6	00	03	44
	21/7	00	03	75
	21/9	00	02	65
	21/8बी	00	01	67
	21/10बी	00	04	17
	21/12	00	05	10
	21/11ए	00	04	44
	21/11सी	00	03	50
	21/11बी	00	03	24
	38/3	00	02	07
	38/2	00	18	51
	38/1ए	00	00	32
	38/1बी	00	00	99
	38/5	00	06	44

1	2	3	4	5
3) किडंगुडैयाम्वट्टु (निरंतर)	38/6	00	05	78
	38/7	00	04	90
	38/8	00	00	42
	37/10	00	11	70
	37/12	00	05	81
	37/14	00	01	59
	37/15	00	02	21
	37/13	00	00	46
	44/1	00	07	35
	44/2	00	07	19
	44/3	00	07	63
	44/4वी	00	05	90
	44/4ए	00	02	28
	43/1वी	00	01	83
	43/2ए	00	02	65
	43/2वी	00	02	07
	43/3	00	02	51
	43/7वी	00	00	59
	43/7ए	00	01	97
	43/7सी	00	10	69
	43/6ए	00	00	19
	43/6वी	00	01	50
	43/6सी	00	03	96
	43/10ए	00	05	79
	43/6डी	00	06	39
	22/17	00	02	42
	22/14	00	01	91
	22/16	00	02	13
	49/6	00	00	35
4) रामाराजापुरम	84/1	00	00	59
	85/1वी	00	29	95
	85/1ए	00	00	85
	85/1डी	00	00	11
	86/4	00	00	10
	86/10	00	10	86
	86/5	00	00	25
	86/6	00	17	72
	86/2सी	00	06	42
	98/5	00	04	15
	89/1ए	00	04	36
	98/6	00	10	65
	98/4वी2	00	02	19

1	2	3	4	5
4) गमाराजापुरम (निरंतर)	89/3ए	00	00	48
	98/2	00	17	49
	98/8	00	00	54
	97/6ए	00	05	38
	97/6बी	00	00	89
	97/5	00	14	25
	97/3	00	00	70
	97/7ए	00	05	19
	97/4ए	00	12	05
	97/2ए	00	02	20
	93/9	00	00	10
	93/3	00	18	24
	93/2	00	01	88
	93/4	00	26	33
	93/7	00	00	31
	93/1	00	15	35
	94/1सी	00	08	57
	94/2सी	00	08	74
	94/2डी	00	02	55
	94/6	00	13	61
	94/5	00	00	11

[फा सं. एल.-14014/84/2010-जी.पी.]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 21st November, 2011

S. O. 3473.—Whereas by notification of Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas, number S.O. 2882 dated 12th November, 2010, issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), Government of India declared its intention to acquire the Right of User in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying Chennai – Tuticorin gas pipeline for transportation of natural gas from terminal point of Vijayawada – Nellore - Chennai pipeline near Tiruttani in Tamil Nadu by M/s Relogistics Infrastructure Limited to consumers in various parts of the country ;

And whereas, the copies of the said Gazette notification were made available to the public on or before 30th June, 2011;

And whereas, no objections were received from the public to the laying of the pipeline.;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government of India;

And whereas, Government of India, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the Right of User therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby declares that the Right of User in the land, specified in the Schedule, appended to this notification, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby directs that the Right of User in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in Government of India, vest on the date of publication of the declaration, in M/s Relogistics Infrastructure Limited, free from all encumbrances.

Schedule

Taluk: Sankarapuram	District: Villupuram	State: Tamil Nadu		
Village	Survey No./Sub-Division No.	Area to be acquired for RoU		
		Hec	Are	C-Are
1	2	3	4	5
1) Ariyalur	76/1B1	00	00	71
	76/1A	00	46	68
	76/5	00	03	28
	76/3	00	00	29
	78/3B	00	04	43
	78/3A	00	14	47
	78/2B	00	24	72
	78/2A	00	00	58
	79/4	00	27	98
	79/2	00	06	09
	80/7	00	00	39
	80/1	00	07	84
	80/2	00	24	76
	80/3	00	30	21
	81/2	00	01	39
	83/2	00	19	54
	83/3	00	09	14
	83/1	00	21	49
	83/8	00	05	87
2) Varagur	61/1R3	00	02	55
	61/1R2	00	01	23
	61/1R4	00	04	52
	61/1S1	00	00	10
	61/1S2	00	02	86
	61/1T1	00	01	22
	61/1T2	00	07	93
	61/1U1	00	01	67
	61/1U3	00	04	79
	61/2A	00	04	57
	61/2B	00	04	71
	61/2C	00	02	28
	61/2D	00	01	99
	61/2E	00	04	17
	61/2F	00	04	69
	61/1U5	00	01	43
	61/1N	00	06	81
	61/1O	00	02	04

1	2	3	4	5
2) Varagur (Contd)	42/4	00	05	32
	42/3B	00	05	67
	42/5	00	03	21
	42/6	00	03	24
3) Kidangudaiyambattu	12/6	00	02	77
	12/1	00	14	26
	12/2	00	11	74
	12/3	00	05	42
	12/4	00	05	58
	15/2	00	02	11
	15/1	00	06	67
	15/3	00	06	16
	15/4	00	06	57
	15/5	00	05	63
	16/1A	00	17	96
	19/1A	00	01	27
	21/2B	00	04	59
	21/2C	00	04	48
	21/2D	00	02	09
	21/2E	00	02	42
	21/2G	00	02	27
	21/2H	00	07	51
	21/2K	00	02	50
	21/2L	00	04	66
	21/2J	00	02	94
	21/3E	00	06	38
	21/4	00	05	78
	21/5	00	03	46
	21/6	00	03	44
	21/7	00	03	75
	21/9	00	02	65
	21/8B	00	01	67
	21/10B	00	04	17
	21/12	00	05	10
	21/11A	00	04	44
	21/11C	00	03	50
	21/11B	00	03	24
	38/3	00	02	07
	38/2	00	18	51
	38/1A	00	00	32
	38/1B	00	00	99
	38/5	00	06	44

1	2	3	4	5
3) Kidangudaiyambattu (Contd)	38/6	00	05	78
	38/7	00	04	90
	38/8	00	00	42
	37/10	00	11	70
	37/12	00	05	81
	37/14	00	01	59
	37/15	00	02	21
	37/13	00	00	46
	44/1	00	07	35
	44/2	00	07	19
	44/3	00	07	63
	44/4B	00	05	90
	44/4A	00	02	28
	43/1B	00	01	83
	43/2A	00	02	65
	43/2B	00	02	07
	43/3	00	02	51
	43/7B	00	00	59
	43/7A	00	01	97
	43/7C	00	10	69
	43/6A	00	00	19
	43/6B	00	01	50
	43/6C	00	03	96
	43/10A	00	05	79
	43/6D	00	06	39
	22/17	00	02	42
	22/14	00	01	91
	22/16	00	02	13
	49/6	00	00	35
4) Ramarajapuram	84/1	00	00	59
	85/1B	00	29	95
	85/1A	00	00	85
	85/1D	00	00	11
	86/4	00	00	10
	86/10	00	10	86
	86/5	00	00	25
	86/6	00	17	72
	86/2C	00	06	42
	98/5	00	04	15
	89/1A	00	04	36
	98/6	00	10	65
	98/4B2	00	02	19

Continued...

1	2	3	4	5
4) Ramarajapuram (Contd)	89/3A	00	00	48
	98/2	00	17	49
	98/8	00	00	54
	97/6A	00	05	38
	97/6B	00	00	89
	97/5	00	14	25
	97/3	00	00	70
	97/7A	00	05	19
	97/4A	00	12	05
	97/2A	00	02	20
	93/9	00	00	10
	93/3	00	18	24
	93/2	00	01	88
	93/4	00	26	33
	93/7	00	00	31
	93/1	00	15	35
	94/1C	00	08	57
	94/2C	00	08	74
	94/2D	00	02	55
	94/6	00	13	61
	94/5	00	00	11

[F. No. L-14014/84/2010-GP.]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 नवम्बर , 2011

का. आ. 3474.—भारत सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2880 तारीख 12 नवम्बर, 2010 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, तमिलनाडु में तिरुत्तन्नी के पास विजयवाडा – नेलुर - चैन्नई पाइपलाइन के टर्मिनल प्वाइंट से देश के विभिन्न हिस्सों में उपभोक्ताओं तक प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए मैसर्स गिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा चैन्नई - टयूटीकोरिन पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और, उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियॉं जनता को तारीख 07 जून, 2011 को अथवा उससे पूर्व उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और, पाइपलाइन बिछाने के संबंध में जनता की ओर से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है ;

और, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और, भारत सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह संतुष्ट हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है ;

अत:, अब, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए , यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से भारत सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

मंडतालुक : चेय्यार	जिला :तिरुवन्नामलाई	राज्य :तमिलनाडु		
गाँव का नाम	सर्वे सं/सब डिविजन सं·	आर·ओ·यू· अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	एयर	सि·एयर
1	2	3	4	5
1) मनपाक्कम	526/1बी	00	09	87
	526/1ए	00	14	39
	526/1डी	00	11	74
	453/1	00	42	07
	453/2ए	00	03	88
2) नयनतंगल	302/3	00	00	80
	73/1बी	00	24	49
	73/1ए	00	00	76
	73/2बी	00	28	82
	73/3	00	20	37
	74/2	00	10	06
तालुक : पोलुर	जिला :तिरुवन्नामलाई	राज्य :तमिलनाडु		
1) सिवेरापून्डी	223/9	00	02	75
	223/8	00	09	26
	223/6	00	09	92
	223/4बी	00	00	10
	223/5	00	03	91
	223/2	00	00	66
	223/15	00	01	85
	223/14	00	06	28
	225/2	00	00	11
	223/13	00	06	46
	225/1	00	07	33
	225/3	00	00	12
	283/1बी	00	04	13
	283/1ए	00	14	03
	283/4बी	00	02	74
	283/4ए	00	01	50
	284/2	00	38	41
	284/4	00	17	75
	286/2	00	34	47
	289/1ए	00	00	16
	286/3	00	10	86
	286/8बी	00	00	88
	286/8सी	00	11	22
	286/9सी	00	08	66
	286/9बी	00	01	07
	293/1	00	16	11

1	2	3	4	5
1) सिवेरापून्डी (निरंतर)	293/3	00	00	54
	293/4	00	00	37
	319/6	00	28	87
	319/8	00	18	06
	319/9	00	41	55
	319/10	00	00	10
	319/15	00	53	20
	319/12	00	04	16
	319/13	00	31	12

[फा सं. एल.-14014/85/2010-जी.पी.]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 21st November, 2011

S. O. 3474.—Whereas by notification of Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas, number S.O. 2880 dated 12th November, 2010, issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), Government of India declared its intention to acquire the Right of User in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying Chennai – Tuticorin gas pipeline for transportation of natural gas from terminal point of Vijayawada – Nellore - Chennai pipeline near Tiruttani in Tamil Nadu by M/s Relogistics Infrastructure Limited to consumers in various parts of the country ;

And whereas, the copies of the said Gazette notification were made available to the public on or before 07th June, 2011;

And whereas, no objections were received from the public to the laying of the pipeline.;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government of India;

And whereas, Government of India, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the Right of User therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby declares that the Right of User in the land, specified in the Schedule, appended to this notification, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby directs that the Right of User in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in Government of India, vest on the date of publication of the declaration, in M/s Relogistics Infrastructure Limited, free from all encumbrances.

Schedule

Taluk: Cheyyar	District: Thiruvannamalai	State: Tamil Nadu		
Village	Survey No./Sub-Division	Area to be acquired for RoU		
		Hec	Are	C-Are
1	2	3	4	5
1) Manapakkam	526/1B	00	09	87
	526/1A	00	14	39
	526/1D	00	11	74
	453/1	00	42	07
	453/2A	00	03	88
2) Nayantangal	302/3	00	00	80
	73/1B	00	24	49
	73/1A	00	00	76
	73/2B	00	28	82
	73/3	00	20	37
	74/2	00	10	06
Taluk: Polur	**District: Thiruvannamalai**	**State: Tamil Nadu**		
1) Severapoondi	223/9	00	02	75
	223/8	00	09	26
	223/6	00	09	92
	223/4B	00	00	10
	223/5	00	03	91
	223/2	00	00	66
	223/15	00	01	85
	223/14	00	06	28
	225/2	00	00	11
	223/13	00	06	46
	225/1	00	07	33
	225/3	00	00	12
	283/1B	00	04	13
	283/1A	00	14	03
	283/4B	00	02	74
	283/4A	00	01	50
	284/2	00	38	41
	284/4	00	17	75
	286/2	00	34	47
	289/1A	00	00	16
	286/3	00	10	86
	286/8B	00	00	88
	286/8C	00	11	22
	286/9C	00	08	66
	286/9B	00	01	07
	293/1	00	16	11

1	2	3	4	5
1) Severapoondi (Contd)	293/3	00	00	54
	293/4	00	00	37
	319/6	00	28	87
	319/8	00	18	06
	319/9	00	41	55
	319/10	00	00	10
	319/15	00	53	20
	319/12	00	04	16
	319/13	00	31	12

[F. No. L-14014/85/2010-GP.]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 नवम्बर , 2011

का. आ. 3475.—भारत सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2878 तारीख 12 नवम्बर, 2010 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, तमिलनाडु में तिरूतन्नी के पास विजयवाडा – नैलुर - चैन्नई पाइपलाइन के टर्मिनल प्वाइंट से देश के विभिन्न हिस्सों में उपभोक्ताओं तक प्राकतिक गैस के परिवहन के लिए मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा चैन्नई - टयूटीकोरिन पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और, उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियॉ जनता को तारीख 16 जून, 2011 को अथवा उससे पूर्व उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और, पाइपलाइन बिछाने के संबंध में जनता की ओर से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है ;

और, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और, भारत सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह संतुष्ट हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चिय किया है ;

अत:, अब, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए , यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से भारत सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तालुक ः तिरूक्कोयलुर	जिला ःविल्लुपुरम	राज्य ःतमिलनाडु		
गाँव का नाम	सर्वे सं/सब डिविजन सं॰	आर॰ओ॰यू॰अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	एयर	सि॰एयर
1	2	3	4	5
1) पल्लिच्चंडल	83/2ए	00	07	76
	83/2वी	00	07	74
	83/8	00	09	96
	83/10	00	12	52
	83/3सी2ए	00	08	95
	83/3सी2वी	00	09	20
	83/4ए	00	09	21
	83/13	00	00	24
	83/4वी	00	12	05
	84/2वी	00	02	71
	84/2ए5	00	10	45
	85/2सी2वी	00	06	26
	85/2सी2सी	00	01	58
	85/4वी	00	02	94
	86/3	00	27	75
	86/5	00	09	15
	86/4	00	01	72
	86/6वी2	00	03	77
	86/6वी1	00	03	14
	62/16वी	00	07	62
	62/10+16ए	00	10	94
	62/17वी	00	11	34
	62/18सी	00	01	75
	62/18वी	00	16	42
	62/18ए	00	03	50
	62/18ई	00	03	32
	60/1ए	00	03	39
	60/1वी	00	04	64
	60/3ए	00	04	67
	60/4ए1	00	14	94
	60/4ए2	00	05	35
	60/10सी1	00	05	36
	60/10सी2	00	01	39
	60/10सी3	00	00	23
	60/9वी1	00	15	10
	60/9वी2	00	02	03
	60/9वी7	00	01	98

1	2	3	4	5
1) पल्लिच्चंडल (निरंतर)	60/9वी6	00	04	71
	60/12बी1	00	27	37
	60/12वी2	00	00	10
	60/12बी3	00	11	30
	59/10	00	05	12
	59/17	00	00	10
	59/18	00	00	52
	59/19	00	00	82
	59/20	00	00	92
	59/21	00	01	02
	57/1	00	15	94
	59/5ए	00	02	43
	59/11सी	00	00	14
	55/8सी2	00	03	72
	59/12वी	00	09	30
	55/10ए	00	01	07
	55/11ए	00	08	31
	55/12ए1	00	00	55
	55/11वी	00	07	01
	55/12ए2	00	02	96
	55/12ए3	00	06	57
	55/11सी	00	03	35
	40/1ए	00	00	10
	40/1वी	00	09	40
	39/2बी1	00	02	21
	39/1ए	00	06	17
	40/2ए2	00	04	01
	40/2वी2	00	02	09
	39/1वी	00	08	55
	40/4	00	11	42
	39/8ए	00	00	75
	39/8वी	00	01	18
	39/8सी	00	03	97
	39/8डी	00	05	65
	39/8एफ	00	07	12
	40/5	00	00	46
	40/6	00	03	03
	40/7	00	03	44
	40/8	00	04	80
	40/9	00	02	96
	40/10	00	00	10
	40/3	00	14	60

1	2	3	4	5
1) पल्लिच्चंडल (निरंतर)	41/4	00	30	14
	48/7	00	06	72
	48/10	00	00	38
	48/11	00	02	64
	48/12	00	02	76
	48/13	00	04	85
	48/14	00	14	75
	48/6	00	03	10
	48/15	00	03	00
	48/16	00	02	01
	48/17	00	01	91
	48/19	00	02	57
	43/3	00	04	80
	47/17	00	07	04
	47/18	00	05	16
	47/16	00	07	45
	47/15	00	08	37
	43/8	00	03	72
	43/9	00	10	32
	43/10ए	00	08	66
	43/10बी	00	03	81
	43/11	00	05	79
	43/13	00	02	23
	42/20	00	05	33
तालुक ः शंकरापुरम	जिला ःविल्लुपुरम	राज्य ःतमिलनाडु		
1) जंवादाय	161/1ए1	00	01	59
	161/1ए3	00	07	58
	161/1बी	00	07	12
	164/2	00	22	93
	164/1	00	17	61
	164/4	00	24	74
	164/7ए	00	02	76
	165/2ए	00	21	93
	165/2सी	00	18	16
	175/3	00	10	77
	175/2	00	01	34
	175/8	00	12	95
	175/4	00	32	36
	178/7	00	14	13
	178/1	00	22	76
	178/4	00	00	56
	178/3	00	23	80
	178/5	00	18	40
	187/5	00	06	71
	187/7	00	05	89
	187/1	00	07	73
	187/3	00	06	39
	188/1	00	13	85
	188/2	00	26	98

1	2	3	4	5
1) जंवादाय (निरंतर)	212/1	00	00	10
	212/2	00	01	02
	212/3	00	02	49
	212/4	00	04	35
	212/7	00	12	16
	210/1	00	15	85
	211/14	00	05	59
	211/15	00	08	78
	211/16ए	00	09	24
	211/16वी	00	01	24
	211/17ए	00	01	87
	211/17वी	00	08	45
	211/19	00	17	07
	211/20	00	01	33
	211/13सी	00	00	72
	166/6वी	00	27	38
	166/6ए	00	13	43
	166/7	00	01	00
	166/6सी	00	30	85
	166/5सी	00	00	13
	211/18	00	20	66

[फा सं. एल.-14014/82/2010-जी.पी.]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 21st November, 2011

S. O. 3475.—Whereas by notification of Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas, number S.O. 2878 dated 12th November, 2010, issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), Government of India declared its intention to acquire the Right of User in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying Chennai – Tuticorin gas pipeline for transportation of natural gas from terminal point of Vijayawada - Nellore - Chennai pipeline near Tiruttani in Tamil Nadu by M/s Relogistics Infrastructure Limited to consumers in various parts of the country ;

And whereas, the copies of the said Gazette notification were made available to the public on or before 16th June, 2011;

And whereas, no objections were received from the public to the laying of the pipeline ;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government of India;

And whereas, Government of India, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the Right of User therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby declares that the Right of User in the land, specified in the Schedule, appended to this notification, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby directs that the Right of User in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in Government of India, vest on the date of publication of the declaration, in M/s Relogistics Infrastructure Limited, free from all encumbrances.

Schedule

Taluk: Tirukkoyilur	District: Villupuram	State: Tamil Nadu		
Village	Survey No./Sub-Division No.	Area to be acquired for RoU		
		Hec	Are	C-Are
1	2	3	4	5
1) Pallichchandal	83/2A	00	07	76
	83/2B	00	07	74
	83/8	00	09	96
	83/10	00	12	52
	83/3C2A	00	08	95
	83/3C2B	00	09	20
	83/4A	00	09	21
	83/13	00	00	24
	83/4B	00	12	05
	84/2B	00	02	71
	84/2A5	00	10	45
	85/2C2B	00	06	26
	85/2C2C	00	01	58
	85/4B	00	02	94
	86/3	00	27	75
	86/5	00	09	15
	86/4	00	01	72
	86/6B2	00	03	77
	86/6B1	00	03	14
	62/16B	00	07	62
	62/10+16A	00	10	94
	62/17B	00	11	34
	62/18C	00	01	75
	62/18B	00	16	42
	62/18A	00	03	50
	62/18E	00	03	32
	60/1A	00	03	39
	60/1B	00	04	64
	60/3A	00	04	67
	60/4A1	00	14	94
	60/4A2	00	05	35
	60/10C1	00	05	36
	60/10C2	00	01	39
	60/10C3	00	00	23
	60/9B1	00	15	10
	60/9B2	00	02	03
	60/9B7	00	01	98

1	2	3	4	5
1) Pallichchandal (Contd)	60/9B6	00	04	71
	60/12B1	00	27	37
	60/12B2	00	00	10
	60/12B3	00	11	30
	59/10	00	05	12
	59/17	00	00	10
	59/18	00	00	52
	59/19	00	00	82
	59/20	00	00	92
	59/21	00	01	02
	57/1	00	15	94
	59/5A	00	02	43
	59/11C	00	00	14
	55/8C2	00	03	72
	59/12B	00	09	30
	55/10A	00	01	07
	55/11A	00	08	31
	55/12A1	00	00	55
	55/11B	00	07	01
	55/12A2	00	02	96
	55/12A3	00	06	57
	55/11C	00	03	35
	40/1A	00	00	10
	40/1B	00	09	40
	39/2B1	00	02	21
	39/1A	00	06	17
	40/2A2	00	04	01
	40/2B2	00	02	09
	39/1B	00	08	55
	40/4	00	11	42
	39/8A	00	00	75
	39/8B	00	01	18
	39/8C	00	03	97
	39/8D	00	05	65
	39/8F	00	07	12
	40/5	00	00	46
	40/6	00	03	03
	40/7	00	03	44
	40/8	00	04	80
	40/9	00	02	96
	40/10	00	00	10
	40/3	00	14	60

1	2	3	4	5
1) Pallichchandal (Contd)	41/4	00	30	14
	48/7	00	06	72
	48/10	00	00	38
	48/11	00	02	64
	48/12	00	02	76
	48/13	00	04	85
	48/14	00	14	75
	48/6	00	03	10
	48/15	00	03	00
	48/16	00	02	01
	48/17	00	01	91
	48/19	00	02	57
	43/3	00	04	80
	47/17	00	07	04
	47/18	00	05	16
	47/16	00	07	45
	47/15	00	08	37
	43/8	00	03	72
	43/9	00	10	32
	43/10A	00	08	66
	43/10B	00	03	81
	43/11	00	05	79
	43/13	00	02	23
	42/20	00	05	33

Taluk: Sankarapuram	**District: Villupuram**	**State: Tamil Nadu**		
1) Jambadai	161/1A1	00	01	59
	161/1A3	00	07	58
	161/1B	00	07	12
	164/2	00	22	93
	164/1	00	17	61
	164/4	00	24	74
	164/7A	00	02	76
	165/2A	00	21	93
	165/2C	00	18	16
	175/3	00	10	77
	175/2	00	01	34
	175/8	00	12	95
	175/4	00	32	36
	178/7	00	14	13
	178/1	00	22	76
	178/4	00	00	56
	178/3	00	23	80
	178/5	00	18	40

1	2	3	4	5
1) Jambadai (Contd)	187/5	00	06	71
	187/7	00	05	89
	187/1	00	07	73
	187/3	00	06	39
	188/1	00	13	85
	188/2	00	26	98
	212/1	00	00	10
	212/2	00	01	02
	212/3	00	02	49
	212/4	00	04	35
	212/7	00	12	16
	210/1	00	15	85
	211/14	00	05	59
	211/15	00	08	78
	211/16A	00	09	24
	211/16B	00	01	24
	211/17A	00	01	87
	211/17B	00	08	45
	211/19	00	17	07
	211/20	00	01	33
	211/13C	00	00	72
	166/6B	00	27	38
	166/6A	00	13	43
	166/7	00	01	00
	166/6C	00	30	85
	166/5C	00	00	13
	211/18	00	20	66

[F. No. L-14014/82/2010-GP.]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 नवम्बर , 2011

का. आ. 3476.—भारत सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2879 तारीख 12 नवंबर, 2010 द्वारा, उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, मैसर्स रिलाएंस इन्डस्ट्रीज लिमिटेड के आन्ध्र प्रदेश में पूर्वी तट पर ऑनशोर टर्मिनल से देश के विभिन्न हिस्सों में उपभोक्ताओं तक प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए, मैसर्स रिलोजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा काकीनाडा- वासुदेवपुर-हावडा गैस पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और, उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 16 अप्रैल, 2011 को अथवा उससे पूर्व उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और, पाइपलाइन बिछाने के सम्बन्ध में, जनता की ओर से प्राप्त आक्षेपों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार कर लिया गया है और अननुज्ञात कर दिया गया;

और, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और, भारत सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह संतुष्ट हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चिय किया है ;

अंत:, अव, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन विछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से भारत सरकार में निहित होने के वजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, मैसर्स रिलोजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

मंडल/ तेहसिल/ तालुक ः वनपुर	जिला ःखोरडा	राज्य ःओडिशा		
गाँव का नाम	सर्वे सं/सब डिविजन सं.	आर.ओ.यू.अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	एयर	सि.एयर
1	2	3	4	5
1) नीलकंठपुर	35/44	00	03	11
	27/33	00	00	83
	17/21	00	24	91
	15/19	00	09	75
2) जीवनदेईपुरससन	52	00	06	98
	49	00	03	97
	46	00	04	54
	8/9	00	01	45
	9/10	00	05	04
	10/11	00	01	83
	15/21	00	01	62
	26/32	00	10	24
	25/31	00	11	78
	34/71	00	00	26
	33/70	00	16	71
	36/73	00	00	14
	35/72	00	12	44
	41/80	00	08	52
3) पैकेरापुर	165/391	00	08	60
4) नुआकोट	43/323	00	00	70
	327	00	08	28
	41/320	00	02	65
	44/328	00	04	27
	40/319	00	05	61
	329	00	00	70
	39/318	00	04	68
	36/315	00	00	15
	37/316	00	06	70
	38/317	00	13	48
	57/342	00	00	39
	34/311	00	06	33
	32/309	00	11	99
	31/308	00	07	90
	30/307	00	22	47
	26/301	00	00	34
	219	00	01	81
	28/305	00	33	92

1	2	3	4	5
4) नुआकोट (निरंतर)	18/290	00	30	81
	16/288	00	00	55
	17/289	00	04	75
	15/287	00	01	30
	19/291	00	10	66
5) जगवंधुपुरससन	121/499	00	15	01
	120/498	00	07	25
	116/494	00	08	82
	115/493	00	00	23
	91/469	00	06	40
	460	00	01	02
	84/459	00	12	81
	83/458	00	00	77
	70/444	00	17	78
	72/446	00	00	21
	68/442	00	00	20
	67/441	00	01	61
	71/445	00	08	48
	64/438	00	07	13
	63/437	00	05	08
	62/436	00	07	58
	53/427	00	03	19
	55/429	00	01	41
6) गोराराझरी	1709	00	02	35
	413/1195	00	06	46
	414/1196	00	02	43
	1194	00	01	38
	417/1200	00	02	59
	409/1166	00	03	75
	1217	00	12	24
	1219	00	10	59
	1220	00	02	11
	1221	00	13	24
	1133	00	01	84
	1233	00	01	23
	1262	00	05	34
	1260	00	00	37
	1263	00	00	49
	1254	00	14	96
	1252	00	06	17
	1251	00	12	27
	1250	00	04	51

1	2	3	4	5
6) गोगाझरी (निरंतर)	1249	00	07	24
	1248	00	01	74
	1289	00	07	89
	1291	00	06	03
	1308	00	06	21
	1517	00	11	78
	1515	00	12	42
	1514	00	05	61
	1513	00	02	37
	1512	00	01	16
	1511	00	00	54
	1494	00	09	89
	1488	00	04	70
	1473	00	14	29
	1474	00	15	14
	1476	00	12	75
	1477	00	00	18
	1415	00	28	61
	428/1414	00	08	05
	1413	00	03	78
	1411	00	03	82
	1409	00	07	27
	427/1410	00	00	51
मंडल/ तेहसिल/ तालुक ः टंगी	जिला ःखोरडा	राज्य ःओडिशा		
1) जयमंगल	742	00	12	87
	561	00	01	08
	533	00	02	19
	545	00	00	49
	501	00	02	76
	498	00	00	63
	496	00	30	02
	495	00	00	98
	493	00	04	96
	492	00	12	92
	226	00	02	54
	223	00	01	96
	219	00	00	35
	218	00	03	96
	216	00	02	54
	239	00	06	32
	242	00	00	10
	207	00	10	89
	240	00	01	13

1	2	3	4	5
1) जयमंगल (निरंतर)	208	00	02	13
	206	00	10	83
	205	00	07	14
	193	00	20	94
	192	00	00	10
2) अरीयापारा	294	00	21	36
	293	00	05	99
	644	00	02	42
	281	00	14	16
	650	00	05	91
3) वृशावंधा	462	00	06	30
	216	00	07	37
	341	00	00	48
	214	00	24	42
	215	00	00	10
	77	00	09	72
	82	00	03	68
	78	00	14	78
	79	00	00	23
	81	00	17	67
	126	00	08	64
	125	00	06	16
	130	00	12	40
	124	00	02	32
	131	00	24	64
4) दिखितपारा	579	00	00	90
	588	00	16	32
	598	00	10	25
	465	00	02	84
	466	00	01	97
	467	00	05	24
	468	00	00	25
	470	00	00	10
	471	00	26	33
	463	00	00	10
	473	00	05	65
	476	00	00	10
	475	00	01	80
	364	00	03	73
	102	00	05	56
	103	00	04	34
	120	00	03	36

1	2	3	4	5
4) टिखितपारा (निरंतर)	20	00	01	62
	19	00	04	45
5) तलागराकुहुरी	505	00	05	76
	506	00	05	32
	334	00	12	72
	429	00	12	64
6) तुतंवरपली	519	00	11	35
	578	00	01	63
	306	00	10	98
	308	00	00	62
	307	00	00	10
	99	00	21	20
	101	00	02	68
	127	00	04	15
	120	00	00	35
	123	00	01	67
	126	00	10	83
	125	00	01	19
	129	00	04	64
	130	00	06	73
	134	00	00	53
	235	00	02	79
	236	00	02	88
	231	00	03	14
	238	00	05	03
	230	00	05	72
	228	00	12	62
	225	00	02	16
7) पनसपुर	159	00	10	22
	235	00	01	75
	233	00	05	33
	229	00	13	80
	243	00	38	77
	278	00	11	82
	293	00	21	86
	294	00	01	28
	292	00	11	09
	318	00	15	36
	316	00	11	98
	315	00	03	62
	314	00	08	10
8) [illegible]	1108	00	01	42

1	2	3	4	5
8) रामचन्द्रपुर (निरंतर)	1109	00	16	03
	1107	00	00	25
	1111	00	00	47
	1105	00	08	55
	1099	00	00	24
	1085	00	00	27
	1086	00	13	69
	1088	00	05	84
	1058	00	04	90
	1087	00	07	44
	1081	00	05	82
	1059/1415	00	00	68
	1067	00	04	04
	1080	00	00	10
	1059	00	04	22
	1066	00	03	01
	1061	00	11	85
	1062	00	02	79
	1053	00	08	86
	647	00	16	30
	648	00	16	60
	652	00	11	78
	653	00	03	63
	666	00	22	46
	667	00	02	19
	669	00	10	42
	671/1387	00	08	04
	676	00	03	90
	674	00	26	33
	675	00	02	09
	686	00	10	33
	687	00	04	07
	827	00	02	73
	828	00	05	11
	688	00	02	49
	703	00	08	96
	704	00	05	94
	702	00	04	16
	705	00	14	03
	726	00	08	15
	725	00	14	53
	731	00	02	01

1	2	3	4	5
8) रामचन्द्रपुर (निरंतर)	721	00	12	12
	732	00	01	43
	733	00	16	13
	735	00	00	10
	742	00	10	18
	741	00	16	23
	744	00	07	76
	745	00	03	81
	364	00	05	75
	361	00	00	69
	360	00	20	66
	341	00	09	17
9) भोवारा	461	00	08	99
	463	00	16	61
	464	00	00	69
	470	00	19	15
	428	00	15	59
	426	00	00	21
	427	00	00	40
	432	00	09	37
	431	00	11	12
	435	00	18	35
	434	00	03	20
	360	00	07	58
	375	00	01	58
	371	00	13	81
	370	00	09	21
	155	00	14	12
	158	00	08	02
	159	00	17	36
	160	00	04	84
	161	00	05	47
	162	00	25	53
	168	00	01	02
	141	00	17	78
	137	00	02	87
	136	00	06	98
	135	00	05	12
	134	00	05	76
	132	00	06	18
	131	00	06	80
	129	00	05	22

1	2	3	4	5
9) भोचारा (निरंतर)	126	00	04	95
	124	00	04	48
	122	00	03	58
	120	00	05	91
	121	00	01	91
	118	00	11	57
	117	00	00	50

[फा सं. एल.-14014/61/2010-जी.पी.]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 21st November, 2011

S. O. 3476.—Whereas by notification of Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 2879 dated 12th November, 2010, issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), Government of India declared its intention to acquire the Right of User in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying Kakinada-Basudebpur-Howrah gas pipeline for transportation of natural gas from onshore terminal at East coast of Andhra Pradesh of M/s Reliance Industries Limited by M/s Relogistics Infrastructure Limited to the consumers in various parts of the country;

And whereas, the copies of the said Gazette notification were made available to the public on or before 16th April, 2011;

And whereas, the objections received from the public to the laying of the pipeline have been considered and disallowed by the Competent Authority;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government of India;

And whereas, Government of India, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, have decided to acquire the Right of User therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby declare that the Right of User in the land, specified in the Schedule, appended to this notification, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby direct that the Right of User in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in Government of India, vest on the date of publication of the declaration, in M/s Relogistics Infrastructure Limited, free from all encumbrances.

Schedule

Mandal/Tehsil/Taluk:Banpur	District:Khorda	State:Orissa		
Village	Survey No./Sub-Division No.	Area to be acquired for RoU		
		Hec	Are	C-Are
1	2	3	4	5
1) Nilkanthpur	35/44	00	03	11
	27/33	00	00	83
	17/21	00	24	91
	15/19	00	09	75
2) Jibandeipursasan	52	00	06	98
	49	00	03	97
	46	00	04	54
	8/9	00	01	45
	9/10	00	05	04
	10/11	00	01	83
	15/21	00	01	62
	26/32	00	10	24
	25/31	00	11	78
	34/71	00	00	26
	33/70	00	16	71
	36/73	00	00	14
	35/72	00	12	44
	41/80	00	08	52
3) Paikerapur	165/391	00	08	60
4) Nuakot	43/323	00	00	70
	327	00	08	28
	41/320	00	02	65
	44/328	00	04	27
	40/319	00	05	61
	329	00	00	70
	39/318	00	04	68
	36/315	00	00	15
	37/316	00	06	70
	38/317	00	13	48
	57/342	00	00	39
	34/311	00	06	33
	32/309	00	11	99
	31/308	00	07	90
	30/307	00	22	47
	26/301	00	00	34
	219	00	01	81
	28/305	00	33	92

1	2	3	4	5
4) Nuakot (Contd)	18/290	00	30	81
	16/288	00	00	55
	17/289	00	04	75
	15/287	00	01	30
	19/291	00	10	66
5) Jagabandhupursasan	121/499	00	15	01
	120/498	00	07	25
	116/494	00	08	82
	115/493	00	00	23
	91/469	00	06	40
	460	00	01	02
	84/459	00	12	81
	83/458	00	00	77
	70/444	00	17	78
	72/446	00	00	21
	68/442	00	00	20
	67/441	00	01	61
	71/445	00	08	48
	64/438	00	07	13
	63/437	00	05	08
	62/436	00	07	58
	53/427	00	03	19
	55/429	00	01	41
6) Gorarajhari	1709	00	02	35
	413/1195	00	06	46
	414/1196	00	02	43
	1194	00	01	38
	417/1200	00	02	59
	409/1166	00	03	75
	1217	00	12	24
	1219	00	10	59
	1220	00	02	11
	1221	00	13	24
	1133	00	01	84
	1233	00	01	23
	1262	00	05	34
	1260	00	00	37
	1263	00	00	49
	1254	00	14	96
	1252	00	06	17
	1251	00	12	27
	1250	00	04	51

1	2	3	4	5
6) Gorarajhari (Contd)	1249	00	07	24
	1248	00	01	74
	1289	00	07	89
	1291	00	06	03
	1308	00	06	21
	1517	00	11	78
	1515	00	12	42
	1514	00	05	61
	1513	00	02	37
	1512	00	01	16
	1511	00	00	54
	1494	00	09	89
	1488	00	04	70
	1473	00	14	29
	1474	00	15	14
	1476	00	12	75
	1477	00	00	18
	1415	00	28	61
	428/1414	00	08	05
	1413	00	03	78
	1411	00	03	82
	1409	00	07	27
	427/1410	00	00	51

Mandal/Tehsil/Taluk:Tangi	District:Khorda	State:Orissa		
1) Jayamangal	742	00	12	87
	561	00	01	08
	533	00	02	19
	545	00	00	49
	501	00	02	76
	498	00	00	63
	496	00	30	02
	495	00	00	98
	493	00	04	96
	492	00	12	92
	226	00	02	54
	223	00	01	96
	219	00	00	35
	218	00	03	96
	216	00	02	54
	239	00	06	32
	242	00	00	10
	207	00	10	89
	240	00	01	13

1	2	3	4	5
1) Jayamangal (Contd)	208	00	02	13
	206	00	10	83
	205	00	07	14
	193	00	20	94
	192	00	00	10
2) Ariapara	294	00	21	36
	293	00	05	99
	644	00	02	42
	281	00	14	16
	650	00	05	91
3) Brushabandha	462	00	06	30
	216	00	07	37
	341	00	00	48
	214	00	24	42
	215	00	00	10
	77	00	09	72
	82	00	03	68
	78	00	14	78
	79	00	00	23
	81	00	17	67
	126	00	08	64
	125	00	06	16
	130	00	12	40
	124	00	02	32
	131	00	24	64
4) Dikhitpara	579	00	00	90
	588	00	16	32
	598	00	10	25
	465	00	02	84
	466	00	01	97
	467	00	05	24
	468	00	00	25
	470	00	00	10
	471	00	26	33
	463	00	00	10
	473	00	05	65
	476	00	00	10
	475	00	01	80
	364	00	03	73
	102	00	05	56
	103	00	04	34
	120	00	03	36

1	2	3	4	5
4) Dikhitpara (Contd)	20	00	01	62
	19	00	04	45
5) Talagarakuhuri	505	00	05	76
	506	00	05	32
	334	00	12	72
	429	00	12	64
6) Tutambarpali	519	00	11	35
	578	00	01	63
	306	00	10	98
	308	00	00	62
	307	00	00	10
	99	00	21	20
	101	00	02	68
	127	00	04	15
	120	00	00	35
	123	00	01	67
	126	00	10	83
	125	00	01	19
	129	00	04	64
	130	00	06	73
	134	00	00	53
	235	00	02	79
	236	00	02	88
	231	00	03	14
	238	00	05	03
	230	00	05	72
	228	00	12	62
	225	00	02	16
7) Panaspur	159	00	10	22
	235	00	01	75
	233	00	05	33
	229	00	13	80
	243	00	38	77
	278	00	11	82
	293	00	21	86
	294	00	01	28
	292	00	11	09
	318	00	15	36
	316	00	11	98
	315	00	03	62
	314	00	08	10
8) Ramchandrapur	1108	00	01	42

1	2	3	4	5
8) Ramchandrapur (Contd)	1109	00	16	03
	1107	00	00	25
	1111	00	00	47
	1105	00	08	55
	1099	00	00	24
	1085	00	00	27
	1086	00	13	69
	1088	00	05	84
	1058	00	04	90
	1087	00	07	44
	1081	00	05	82
	1059/1415	00	00	68
	1067	00	04	04
	1080	00	00	10
	1059	00	04	22
	1066	00	03	01
	1061	00	11	85
	1062	00	02	79
	1053	00	08	86
	647	00	16	30
	648	00	16	60
	652	00	11	78
	653	00	03	63
	666	00	22	46
	667	00	02	19
	669	00	10	42
	671/1387	00	08	04
	676	00	03	90
	674	00	26	33
	675	00	02	09
	686	00	10	33
	687	00	04	07
	827	00	02	73
	828	00	05	11
	688	00	02	49
	703	00	08	96
	704	00	05	94
	702	00	04	16
	705	00	14	03
	726	00	08	15
	725	00	14	53
	731	00	02	01

1	2	3	4	5
8) Ramchandrapur (Contd)	721	00	12	12
	732	00	01	43
	733	00	16	13
	735	00	00	10
	742	00	10	18
	741	00	16	23
	744	00	07	76
	745	00	03	81
	364	00	05	75
	361	00	00	69
	360	00	20	66
	341	00	09	17
9) Bhobara	461	00	08	99
	463	00	16	61
	464	00	00	69
	470	00	19	15
	428	00	15	59
	426	00	00	21
	427	00	00	40
	432	00	09	37
	431	00	11	12
	435	00	18	35
	434	00	03	20
	360	00	07	58
	375	00	01	58
	371	00	13	81
	370	00	09	21
	155	00	14	12
	158	00	08	02
	159	00	17	36
	160	00	04	84
	161	00	05	47
	162	00	25	53
	168	00	01	02
	141	00	17	78
	137	00	02	87
	136	00	06	98
	135	00	05	12
	134	00	05	76
	132	00	06	18
	131	00	06	80
	129	00	05	22

1	2	3	4	5
9) Bhohara (Contd)	126	00	04	95
	124	00	04	48
	122	00	03	58
	120	00	05	91
	121	00	01	91
	118	00	11	57
	117	00	00	50

[F. No. L-14014/61/2010-G.P.]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 नवम्बर , 2011

का. आ. 3477.—भारत सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2964 तारीख 03 दिसम्बर, 2010 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, तमिलनाडु में तिरूतन्नी के पास विजयवाडा – नैलुर - चैन्नई पाइपलाइन के टर्मिनल प्वाइंट से देश के विभिन्न हिस्सों में उपभोक्ताओं तक प्राकतिक गैस के परिवहन के लिए मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्क्चर लिमिटेड द्वारा चैन्नई - टयूटीकोरिन पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थीं ;

और, उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 05 जून, 2011 को अथवा उससे पूर्व उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और, पाइपलाइन बिछाने के संबंध में जनता की ओर से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है ;

और, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और, भारत सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह संतुष्ट हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चिय किया है ;

अत:, अब, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए , यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से भारत सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्क्चर लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तालुक : आतुर	जिला :सेलम	राज्य :तमिलनाडु		
गाँव का नाम	सर्वे सं/सब डिविजन सं॰	आर॰ओ॰यू॰ अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	एयर	सि॰एयर
1	2	3	4	5
) अलगापुरम				
	44/2	00	01	33
	44/1	00	37	95
	43/1	00	25	24
	43/3	00	21	58
	43/8	00	00	10
	43/7	00	13	81
	43/6	00	06	64
	42/1	00	01	42
	13/9	00	08	61
	13/8	00	00	25
	13/10ए	00	02	06
	15/5	00	02	66
	15/4	00	17	61
	39/1	00	02	56
	24/16	00	03	41
	24/18	00	01	13
	24/19	00	02	52
	24/17	00	03	43
	25/10	00	09	28
	25/9	00	14	15
	25/7	00	00	19
	25/6बी	00	00	35
	25/8	00	11	37
	35/3	00	02	84
	35/4	00	07	21
	35/5	00	05	59
	35/6	00	04	05
	36/1	00	03	06
	35/13	00	02	45
	35/16	00	00	84
	35/18सी	00	00	18

1	2	3	4	5
1) अलगापुरम (निरंतर)	35/18डी	00	02	17
	35/19	00	10	98

[फा सं. एल.-14014/95/2010-जी.पी.]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 25th November, 2011

S. O. 3477.—Whereas by notification of Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas, number S.O. 2964 dated 03rd December,2010 , issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), Government of India declared its intention to acquire the Right of User in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying Chennai – Tuticorin gas pipeline for transportation of natural gas from terminal point of Vijayawada Nellore - Chennai pipeline near Tiruttani in Tamil Nadu by M/s Relogistics Infrastructure Limited to consumers in various parts of the country ;

And whereas,the copies of the said Gazette notification were made available to the public on or before 05th June, 2011;

And whereas,no objections were received from the public to the laying of the pipeline;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government of India;

And whereas, Government of India, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the Right of User therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby declares that the Right of User in the land, specified in the Schedule, appended to this notification, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby directs that the Right of User in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in Government of India, vest on the date of publication of the declaration, in M/s Relogistics Infrastructure Limited, free from all encumbrances.

Schedule

Taluk:Attur	District:Salem	State:Tamil Nadu		
Village	Survey No./Sub-Division No.	Area to be acquired for Rou		
		Hec	Are	C-Are
1	2	3	4	5
1) Alagapuram	44/2	00	01	33
	44/1	00	37	95
	43/1	00	25	24
	43/3	00	21	58
	43/8	00	00	10
	43/7	00	13	81
	43/6	00	06	64
	42/1	00	01	42
	13/9	00	08	61
	13/8	00	00	25
	13/10B	00	02	06
	15/5	00	02	66
	15/4	00	17	61
	39/1	00	02	56
	24/16	00	03	41
	24/18	00	01	13
	24/19	00	02	52
	24/17	00	03	43
	25/10	00	09	28
	25/9	00	14	15
	25/7	00	00	19
	25/6D	00	00	35
	25/8	00	11	37
	35/3	00	02	84
	35/4	00	07	21
	35/5	00	05	59
	35/6	00	04	05
	36/1	00	03	06
	35/13	00	02	45
	35/16	00	00	84
	35/18C	00	00	18

1	2	3	4	5
[illegible] (Contd)	35/18D	00	02	17
	35/19	.00	10	98

[F. No. L-14014/95/2010-GP.]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 नवम्बर , 2011

का. आ. 3478.—भारत सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2965 तारीख 03 दिसंबर, 2010 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, तमिलनाडु में तिरूतन्नी के पास विजयवाडा – नेलुर - चैन्नई पाइपलाइन के टर्मिनल प्वाइंट से देश के विभिन्न हिस्सों में उपभोक्ताओं तक प्राकतिक गैस के परिवहन के लिए मैसर्स गिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा चैन्नई - टयूटीकोरिन पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और, उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 22 सितम्बर, 2011 को अथवा उससे पूर्व उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और, पाइपलाइन बिछाने के संबंध में जनता की ओर से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है ;

और, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और, भारत सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह संतुष्ट हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चिय किया है ;

अतः, अब, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए , यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से भारत सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, मैसर्स गिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तालुक : एट्टायपुरम	जिला : विरुधनगर	राज्य : तमिलनाडु		
गाँव का नाम	सर्वे सं/सब डिविजन सं.	आर.ओ.यू.अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	एयर	सि.एयर
1	2	3	4	5
) अरुणाचलपुरम	87/1	00	16	90
	94/1ए बी	00	04	56
	94/2ए	00	05	33
	94/1सी	00	00	41
	94/3बी	00	00	20
	94/2सी1	00	14	46
	94/2सी2	00	17	60
	94/4	00	00	28
	94/5ए	00	11	84
	94/6	00	01	47
	94/5बी	00	08	61
	94/7	00	03	31
	98/1	00	20	91
	98/4	00	03	66
	107	00	43	40
	108/1ए	00	01	37
	108/1बी	00	25	64
	108/1सी	00	00	50
	110/4सी	00	00	10
	110/3ए	00	00	23
	110/3बी	00	02	28
	110/2	00	07	86
	111/2ए	00	04	92
	111/2सी	00	11	61
	111/3	00	24	52
	111/1सी	00	02	96
	111/4	00	09	22
	112/1	00	14	62
	112/2	00	08	17
	112/3	00	07	32
	112/4	00	12	10
	112/5	00	07	20
	112/6	00	04	59
	113	00	34	97
	114/1ए	00	00	38
	50/5	00	03	38
	98/2सी	00	09	85

1	2	3	4	5
1 अरुणाचलपुरम (निरंतर)	50/6	00	47	71
2) वीरप्पट्टि	79/1	00	12	77
	80/1	00	16	07
	80/2	00	00	10
	80/4	00	01	48
	80/5ए	00	15	10
	80/6	00	27	72
	90/1ए	00	11	29
	90/1बी	00	12	65
	90/3	00	20	99
	90/4	00	14	86
	90/5	00	06	26
	89/1	00	22	67
	89/2	00	05	34
	89/3	00	35	47
	88/1	00	03	59
	88/2ए	00	15	24
	88/2बी	00	18	78
	94/1	00	25	64
	95/3	00	02	80
	94/5	00	41	33
	95/4	00	06	48
	94/6	00	04	40
	95/7	00	06	95
3) रामनूत्तु	2	00	08	12
	6/1	00	51	98
	16/1	00	26	93
	16/2	00	03	93
	16/3	00	12	11
	18/1	00	01	60
	18/2	00	00	10
	17/1	00	25	08
	17/2	00	12	37
	18/4	00	28	28
	24/2	00	13	14
	23/2ए1	00	15	17
	23/2ए2	00	02	28
	23/बी	00	17	24
	23/2सी	00	24	70
	43/1	00	17	26
	43/3	00	06	58
	44/4	00	19	19

1	2	3	4	5
[illegible]	44/3	00	02	57
	44/2	00	00	14
	42/1	00	00	16
	41/1	00	07	49
	41/2	00	46	27
	40/3	00	36	14
	55/4	00	14	52
	61	00	38	76
	62/3	00	31	12
	64	00	44	62
	68	00	76	53
	39/2	00	10	42

[फा सं. एल.-14014/99/2010-जी.पी.]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 28th November, 2011

S. O. 3478.—Whereas by notification of Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas, number S.O. 2965 dated 03rd December,2010 , issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), Government of India declared its intention to acquire the Right of User in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying Chennai – Tuticorin gas pipeline for transportation of natural gas from terminal point of Vijayawada – Nellore - Chennai pipeline near Tiruttani in Tamil Nadu by M/s Relogistics Infrastructure Limited to consumers in various parts of the country ;

And whereas, the copies of the said Gazette notification were made available to the public on or before 22nd September, 2011;

And whereas, no objections were received from the public to the laying of the pipeline;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government of India;

And whereas, Government of India, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the Right of User therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby declares that the Right of User in the land, specified in the Schedule, appended to this notification, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby directs that the Right of User in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in Government of India, vest on the date of publication of the declaration, in M/s Relogistics Infrastructure Limited, free from all encumbrances

Schedule

Taluk:Ettaiyapuram	District:Thoothukudi	State:Tamil Nadu		
Village	Survey No./Sub-Division No.	Area to be acquired for RoU		
		Hec	Are	C-Are
1	2	3	4	5
1) Arunachalapuram	87/1	00	16	90
	94/1AB	00	04	56
	94/2A	00	05	33
	94/1C	00	00	41
	94/3B	00	00	20
	94/2C1	00	14	46
	94/2C2	00	17	60
	94/4	00	00	28
	94/5A	00	11	84
	94/6	00	01	47
	94/5B	00	08	61
	94/7	00	03	31
	98/1	00	20	91
	98/4	00	03	66
	107	00	43	40
	108/1A	00	01	37
	108/1B	00	25	64
	108/1C	00	00	50
	110/4C	00	00	10
	110/3A	00	00	23
	110/3B	00	02	28
	110/2	00	07	86
	111/2A	00	04	92
	111/2C	00	11	61
	111/3	00	24	52
	111/1C	00	02	96
	111/4	00	09	22
	112/1	00	14	62
	112/2	00	08	17
	112/3	00	07	32
	112/4	00	12	10
	112/5	00	07	20
	112/6	00	04	59
	113	00	34	97
	114/1A	00	00	38
	50/5	00	03	38
	98/2C	00	09	85

1	2	3	4	5
1) Arunachalapuram (Contd)	50/6	00	47	71
2) Virappatti	79/1	00	12	77
	80/1	00	16	07
	80/2	00	00	10
	80/4	00	01	48
	80/5A	00	15	10
	80/6	00	27	72
	90/1A	00	11	29
	90/1B	00	12	65
	90/3	00	20	99
	90/4	00	14	86
	90/5	00	06	26
	89/1	00	22	67
	89/2	00	05	34
	89/3	00	35	47
	88/1	00	03	59
	88/2A	00	15	24
	88/2B	00	18	78
	94/1	00	25	64
	95/3	00	02	80
	94/5	00	41	33
	95/4	00	06	48
	94/6	00	04	40
	95/7	00	06	95
3) Ramanuttu	2	00	08	12
	6/1	00	51	98
	16/1	00	26	93
	16/2	00	03	93
	16/3	00	12	11
	18/1	00	01	60
	18/2	00	00	10
	17/1	00	25	08
	17/2	00	12	37
	18/4	00	28	28
	24/2	00	13	14
	23/2A1	00	15	17
	23/2A2	00	02	28
	23/B	00	17	24
	23/2C	00	24	70
	43/1	00	17	26
	43/3	00	06	58
	44/4	00	19	19

1	2	3	4	5
3) Ramanuttu (Contd)	44/3	00	02	57
	44/2	00	00	14
	42/1	00	00	16
	41/1	00	07	49
	41/2	00	46	27
	40/3	00	36	14
	55/4	00	14	52
	61	00	38	76
	62/3	00	31	12
	64	00	44	62
	68	00	76	53
	39/2	00	10	42

[F. No. L-14014/99/2010-G.P.]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 2011

का. आ. 3479.—भारत सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2963 तारीख 03 दिसम्बर, 2010 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, तमिलनाडु में तिरूतन्नी के पास विजयवाडा – नैलुर - चैन्नई पाइपलाइन के टर्मिनल प्वाइंट से देश के विभिन्न हिस्सों में उपभोक्ताओं तक प्राकतिक गैस के परिवहन के लिए मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा चैन्नई - टयूटीकोरिन पाइपलाइन बिछाने के प्रायोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थीं ;

और, उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 31 मई, 2011 को अथवा उससे पूर्व उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और, पाइपलाइन बिछाने के संबंध में जनता की ओर से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है ;

और, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और, भारत सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह संतुष्ट हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चिय किया है ;

अतः, अब, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से भारत सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तालुक : नमक्कल		जिला :नमक्कल	राज्य :तमिलनाडु		
	गाँव का नाम	सर्वे सं/सब डिविजन सं•	आर•ओ•यू•अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	एयर	सि•एयर
	1	2	3	4	5
1)	वलवंदिकोम्वाय	403/2ए	00	00	10
		403/2सी	00	00	44

[फा सं. एल.-14014/92/2010-जी.पी.]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 28th November, 2011

S. O. 3479.—Whereas by notification of Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas, number S.O. 2963 dated 03rd December,2010 , issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), Government of India declared its intention to acquire the Right of User in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying Chennai – Tuticorin gas pipeline for transportation of natural gas from terminal point of Vijayawada – Nellore - Chennai pipeline near Tiruttani in Tamil Nadu by M/s Relogistics Infrastructure Limited to consumers in various parts of the country ;

And whereas,the copies of the said Gazette notification were made available to the public on or before 31st May, 2011;

And whereas,no objections were received from the public to the laying of the pipeline;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government of India;

And whereas, Government of India, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the Right of User therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby declares that the Right of User in the land, specified in the Schedule, appended to this notification, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby directs that the Right of User in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in Government of India, vest on the date of publication of the declaration, in M/s Relogistics Infrastructure Limited, free from all encumbrances.

Schedule

Taluk:Namakkal	District:Namakkal	State:Tamil Nadu		
Village	Survey No./Sub-Division No.	Area to be acquired for RoU		
		Hec	Are	C-Are
1	2	3	4	5
1) Valavandicombai	403/2A	00	00	10
	403/2C	00	00	44

[F. No. L-14014/92/2010-G.P.]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 2011

का. आ. 34[illegible].—भारत सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2962 तारीख 03 दिसम्बर, 2010 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, तमिलनाडु में तिरूतन्नी के पास विजयवाडा – नैलुर - चैन्नई पाइपलाइन के टर्मिनल प्वाइंट से देश के विभिन्न हिस्सों में उपभोक्ताओं तक प्राकतिक गैस के परिवहन के लिए मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा चैन्नई - टयूटीकोरिन पाइपलाइन बिछाने के प्रायोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थीं ;

और, उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियॉं जनता को तारीख 10 जून, 2011 को अथवा उससे पूर्व उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और, पाइपलाइन बिछाने के संबंध में जनता की ओर से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है ;

और, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और, भारत सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह संतुष्ट हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चिय किया है ;

अत:, अब, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से भारत सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तालुक : आत्तुर	जिला :सेलम	राज्य :तमिलनाडु		
गाँव का नाम	सर्वे सं/सब डिविजन सं.	आर.ओ.यू.अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	एयर	सि.एयर
1	2	3	4	5
1) वारागुर	130/1	00	33	79

[फा सं. एल.-14014/90/2010-जी.पी.]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 28th November, 2011

S. O. 3480.—Whereas by notification of Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas, number S.O. 2962 dated 03rd December,2010 , issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), Government of India declared its intention to acquire the Right of User in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying Chennai – Tuticorin gas pipeline for transportation of natural gas from terminal point of Vijayawada – Nellore - Chennai pipeline near Tiruttani in Tamil Nadu by M/s Relogistics Infrastructure Limited to consumers in various parts of the country ;

And whereas,the copies of the said Gazette notification were made available to the public on or before 10th June, 2011;

And whereas,no objections were received from the public to the laying of the pipeline;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government of India;

And whereas, Government of India, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the Right of User therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby declares that the Right of User in the land, specified in the Schedule, appended to this notification, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby directs that the Right of User in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in Government of India, vest on the date of publication of the declaration, in M/s Relogistics Infrastructure Limited, free from all encumbrances.

Schedule

Taluk:Attur	District:Salem	State:Tamil Nadu		
Village	Survey No./Sub-Division No.	Area to be acquired for RoU		
		Hec	Are	C-Are
1	2	3	4	5
1) Varagur	130/1	00	33	79

[F. No. L-14014/90/2010-GP.]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 2011

का. आ. 3481.—भारत सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2961 तारीख 03 दिसम्बर, 2010 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, तमिलनाडु में तिरुतन्नी के पास विजयवाडा – नैलुर - चैन्नई पाइपलाइन के टर्मिनल प्वाइंट से देश के विभिन्न हिस्सों में उपभोक्ताओं तक प्राकतिक गैस के परिवहन के लिए मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा चैन्नई - टयूटीकोरिन पाइपलाइन बिछाने के प्रायोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थीं ;

और, उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 13 सितम्बर, 2011 को अथवा उससे पूर्व उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और, पाइपलाइन बिछाने के संबंध में जनता की ओर से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है ;

और, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और, भारत सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह संतुष्ट हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चिय किया है ;

अत:, अब, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से भारत सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तालुक ः तिरूमंगलम	जिला ःमदुरै	राज्य ःतमिलनाडु		
गाँव का नाम	सर्वे सं/सब डिविजन सं॰	आर॰ओ॰यू॰अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	एयर	सि॰एयर
1	2	3	4	5
1) चेन्नमपट्टि	182	00	61	72
	183/1	00	15	90
	184/4	00	00	11
	184/5	00	12	44

[फा सं. एल.-14014/101/2010-जी.पी.]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 28th November, 2011

S. O. 3481.—Whereas by notification of Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas, number S.O. 2961 dated 03rd December,2010 , issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), Government of India declared its intention to acquire the Right of User in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying Chennai – Tuticorin gas pipeline for transportation of natural gas from terminal point of Vijayawada – Nellore - Chennai pipeline near Tiruttani in Tamil Nadu by M/s Relogistics Infrastructure Limited to consumers in various parts of the country ;

And whereas,the copies of the said Gazette notification were made available to the public on or before 13th September, 2011;

And whereas,no objections were received from the public to the laying of the pipeline;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government of India;

And whereas, Government of India, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the Right of User therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby declares that the Right of User in the land, specified in the Schedule, appended to this notification, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby directs that the Right of User in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in Government of India, vest on the date of publication of the declaration, in M/s Relogistics Infrastructure Limited, free from all encumbrances.

Schedule

Taluk:Tirumangalam	District:Madurai	State:Tamil Nadu		
Village	Survey No./Sub-Division No.	Area to be acquired for RoU		
		Hec	Are	C-Are
1	2	3	4	5
1) Chennampatti	182	00	61	72
	183/1	00	15	90
	184/4	00	00	11
	184/5	00	12	44

[F. No. L-14014/101/2010-GP.]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 नवम्बर , 2011

का. आ. 3482.—भारत सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 3004 तारीख 03 दिसम्बर, 2010 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, तमिलनाडु में तिरूतन्नी के पास विजयवाडा – नेलुर - चैन्नई पाइपलाइन के टर्मिनल प्वाइंट से देश के विभिन्न हिस्सों में उपभोक्ताओं तक प्राकतिक गैस के परिवहन के लिए मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा चैन्नई - टयूटीकोरिन पाइपलाइन बिछाने के प्रायोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थीं ;

और, उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियॉं जनता को तारीख 03 अगस्त, 2011 को अथवा उससे पूर्व उपलव्ध करा दी गई थीं ;

और, पाइपलाइन बिछाने के संबंध में जनता की ओर से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है ;

और, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और, भारत सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह संतुष्ट हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चिय किया है ;

अत:, अव, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए , यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से भारत सरकार में निहित होने के वजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तालुक : तोटियम	जिला : तिरूच्चिराप्पल्लि	राज्य : तमिलनाडु		
गाँव का नाम	सर्वे सं/सब डिविजन सं.	आर.ओ.यू.अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	एयर	सि.एयर
1	2	3	4	5
1) उन्नियुर	71/2	00	00	78
	71/1	00	38	43
	68/1बी2ए	00	00	79
	68/1बी2बी	00	01	80
	6/2	00	01	61
	6/3	00	08	16
	6/4	00	00	10
	5/2	00	08	73
	5/3	00	17	76
	5/4	00	21	74
	190	00	07	21
	188/3ए	00	17	41
	133/2ई	00	01	27
	133/2डी	00	09	99
	133/2ए	00	04	83

[फा सं. एल.-14014/93/2010-जी.पी.]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 29th November, 2011

S. O. 3482.—Whereas by notification of Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas, number S.O. 3004 dated 03rd December,2010 , issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), Government of India declared its intention to acquire the Right of User in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying Chennai – Tuticorin gas pipeline for transportation of natural gas from terminal point of Vijayawada – Nellore - Chennai pipeline near Tiruttani in Tamil Nadu by M/s Relogistics Infrastructure Limited to consumers in various parts of the country ;

And whereas,the copies of the said Gazette notification were made available to the public on or before 03rd August, 2011;

And whereas,no objections were received from the public to the laying of the pipeline;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government of India;

And whereas, Government of India, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the Right of User therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby declares that the Right of User in the land, specified in the Schedule, appended to this notification, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby directs that the Right of User in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in Government of India, vest on the date of publication of the declaration, in M/s Relogistics Infrastructure Limited, free from all encumbrances.

Schedule

Taluk:Thottiyam	District:Tiruchirappalli	State:Tamil Nadu		
Village	Survey No./Sub-Division No.	Area to be acquired for RoU		
		Hec	Are	C-Are
1	2	3	4	5
1) Unniyur	71/2	00	00	78
	71/1	00	38	43
	68/1B2A	00	00	79
	68/1B2B	00	01	80
	6/2	00	01	61
	6/3	00	08	16
	6/4	00	00	10
	5/2	00	08	73
	5/3	00	17	76
	5/4	00	21	74
	190	00	07	21
	188/3A	00	17	41
	133/2E	00	01	27
	133/2D	00	09	99
	133/2A	00	04	83

[F. No. L-14014/93/2010-GP.]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 नवम्बर , 2011

का. आ. 3483.—भारत सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 3006 तारीख 03 दिसंबर, 2010 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, तमिलनाडु में तिरुत्तन्नी के पास विजयवाडा – नेलुर - चेन्नई पाइपलाइन के टर्मिनल प्वाइंट से देश के विभिन्न हिस्सों में उपभोक्ताओं तक प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा चेन्नई - टयूटीकोरिन पाइपलाइन बिछाने के प्रायोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थीं ;

और, उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 28 सितम्बर, 2011 को अथवा उससे पूर्व उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और, पाइपलाइन बिछाने के संबंध में जनता की ओर से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है ;

और, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और, भारत सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह संतुष्ट हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है ;

अतः, अब, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से भारत सरकार में निहित होने के वजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्क्चर लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तालुक : अरूपुक्कोट्टय	जिला :विरूधनगर	राज्य :तमिलनाडु		
गाँव का नाम	सर्वे सं/सब डिविजन सं.	आर.ओ.यू.अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	एयर	सि.एयर
1	2	3	4	5
1) पलवानत्तम	57/1	00	14	32
	57/2	00	13	65
	57/6ए	00	14	81
	57/5	00	04	52
	57/6वी	00	10	61
	57/7वी	00	12	57
	66/3ए	00	01	00
	403/1वी	00	16	14
	403/3वी	00	27	34
	388/1	00	23	56
	388/2	00	00	22
	389/2	00	01	83
	388/4ए	00	25	44
	388/4वी	00	17	75
	387/2	00	16	22
	387/4ए	00	00	46
	388/5ए	00	06	50
	388/5वी	00	19	72
	387/4वी	00	08	75
	385/2	00	24	19
	385/3	00	01	08
	385/4	00	29	47
	361/4	00	40	25
	361/5	00	21	60
	361/6वी1	00	03	27
	361/6वी2	00	18	39
	360/2	00	27	00
	367/1ए	00	19	42
	367/1वी	00	19	39
	367/2	00	01	25
	317/1	00	03	42
	317/2	00	16	60
	317/3	00	00	18
	319/1	00	11	42
	319/4	00	04	78
	319/3	00	20	81
	322/5ए	00	07	93

1	2	3	4	5
१) पलवानत्तम (निरंतर)	322/5बी	00	05	90
	322/5डी	00	06	05
	320/1	00	03	54
	320/2बी	00	06	18
	320/2ए	00	21	89
	320/3	00	04	06
	320/4	00	03	86
	320/6ए	00	02	04
	320/5	00	03	77
	320/6बी	00	16	05
	310/2ए	00	09	46
	310/2बी	00	18	18
	310/4	00	07	24
	307/3	00	00	65
	307/5	00	02	22
	300/6	00	02	23
	311/3	00	34	55
	298/2	00	17	98
	298/3	00	17	70
	298/4	00	03	27
	293/1	00	16	56
	293/2	00	57	49
	291/2	00	02	47
	291/3	00	02	75
	291/4	00	02	86
	291/8	00	05	10
	291/9बी	00	02	75
	59/1	00	06	22
	59/5	00	09	80
	59/4	00	14	89
	59/3ए	00	10	57
	59/2ए	00	10	90
	59/13	00	00	11
	310/3ए	00	11	74
	311/1ए	00	52	59
2) कुट्टिप्पाराय	44/2	00	40	08
	44/6	00	48	74
	44/5	00	02	67
	48/1ए	00	13	59
	48/1बी	00	26	59
	48/2	00	18	35
	51/4	00	10	00

1	2	3	4	5
2) कुट्टिप्पाराय (निरंतर)	51/1	00	19	39
	51/2	00	02	18
	54/4	00	12	29
	54/5	00	37	88
	60/1	00	43	34
	213/1	00	21	54
	213/5	00	08	21
	213/6	00	15	06
	213/7	00	15	12
	214/4	00	15	70
	214/5ए	00	04	02
	214/5बी	00	02	94
	214/8ए	00	00	88
	214/8बी	00	03	60
	215/4	00	06	12
	219/1	00	10	37
	219/2	00	10	46
	220/4	00	20	50
	220/3	00	02	03
	220/10	00	05	71
	220/11	00	06	29
	260/3	00	00	26
	260/2	00	10	43
	260/4	00	09	89
	260/8	00	27	86
	285/4	00	07	49
	285/3	00	08	69
	285/5	00	08	73
	285/8	00	00	62
	285/10	00	10	88
	284/7सी	00	02	20
	285/12	00	05	21
	330/1	00	17	09
	330/2	00	05	76
	330/5	00	16	07
	331/6	00	45	02
	331/5	00	00	10
	354/1	00	01	21
	354/2	00	13	63
	355/1	00	11	21
	355/2	00	12	19
	355/3बी	00	10	25

1	2	3	4	5
2) कुट्टिप्पाराय (निरंतर)	356/2ए	00	14	23
	356/2वी	00	09	31
	357/1	00	19	41
	357/2	00	19	19
	358/1	00	17	44
	358/2	00	21	70
	358/3	00	23	13
	358/4	00	19	57
	416/1	00	57	14
	415/1	00	23	11
	415/3	00	10	43
	414/1	00	39	98
	412/3	00	06	84
	413/2	00	41	38
	436/6	00	39	23
	437/1	00	20	73
	437/2	00	20	33
	442/1	00	11	01
	442/2वी	00	09	09
	442/2सी	00	05	43
	441/1	00	07	59
	441/2	00	06	93
	441/3	00	03	92
	441/4	00	06	44
	441/5	00	19	68
	49/3	00	00	11
	55/1	00	18	82
	55/2	00	02	91
	58/1	00	14	30
	222/1	00	37	11
	258/1वी	00	44	29
	255/1	00	07	47
	259/1	00	01	80
	259/2	00	01	65
	323/3वी	00	07	57
	323/3ए	00	15	25
तालुक : कारियपट्टि	जिला : विरूधनगर	राज्य : तमिलनाडु		
) वलुक्कलोट्टि	133/3	00	04	63
	133/4	00	05	03
	133/5	00	04	81
	133/6	00	10	81
	132/3	00	03	26
	132/2	00	06	59

1	2	3	4	5
चलुक्कलोट्टि (निरंतर)	132/4	00	01	59
	132/8	00	23	47
	132/9	00	00	31
	132/10	00	03	17
	132/11	00	09	90
	131/1	00	00	70
	131/3	00	07	92
	131/6	00	16	39
	128/3	00	16	83
	128/6ए	00	05	29
	128/4	00	16	74
	126/7	00	21	87
	126/8	00	00	88
	126/6	00	00	15
	126/10	00	29	33
	127/3ए1	00	00	29
	127/3ए2	00	16	77
	116/4	00	07	71
	91/5	00	00	10
	114/5ए	00	04	09
	114/6	00	25	93
	92/4	00	02	87
	94/1	00	31	27
	94/2	00	00	10
	93/1ए	00	09	70
	95/1ए	00	03	25
	93/1बी	00	00	10
	95/1बी	00	10	11
	95/1सी	00	11	03
	93/3	00	08	11
	95/3	00	24	03
	143/2	00	00	23
	115/2	00	13	67
	115/2ए	00	00	65
	115/2बी	00	20	37
	115/2सी	00	01	66
	115/2सी	00	13	14
	115/4	00	25	03
	145/4	00	00	10
तालुक : विरूधनगर	जिला :विरूधनगर	राज्य :तमिलनाडु		
1) सुन्दरालिन्गापुरम	16/1	00	22	62
	16/4	00	06	07
	16/5	00	34	42

1	2	3	4	5
1) सुन्दरालिन्गापुरम (निरंतर)	17/5ए	00	12	44
	17/5सी	00	10	01
	17/5डी	00	05	84
	26/7	00	12	98
	26/6	00	12	47
	25/1	00	42	09
	21/1	00	00	83
	21/2	00	07	61
	21/3	00	06	81
	21/4	00	01	33
	21/5	00	22	12
	21/6	00	11	17
	21/7	00	01	90

[फा सं. एल-14014/96/2010-जी.पी.]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 29th November, 2011

S.O. 3483.—Whereas by notification of Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas, number S.O. 3006 dated 03rd December,2010 , issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), Government of India declared its intention to acquire the Right of User in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying Chennai – Tuticorin gas pipeline for transportation of natural gas from terminal point of Vijayawada – Nellore - Chennai pipeline near Tiruttani in Tamil Nadu by M/s Relogistics Infrastructure Limited to consumers in various parts of the country ;

And whereas, the copies of the said Gazette notification were made available to the public on or before 28th September, 2011;

And whereas, no objections were received from the public to the laying of the pipeline;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government of India;

And whereas, Government of India, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the Right of User therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby declares that the Right of User in the land, specified in the Schedule, appended to this notification, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby directs that the Right of User in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in Government of India, vest on the date of publication of the declaration, in M/s Relogistics Infrastructure Limited, free from all encumbrances

Schedule

Taluk:Aruppukkottai	District:Virudhunagar	State:Tamil Nadu		
Village	Survey No./Sub-Division No.	Area to be acquired for RoU		
		Hec	Are	C-Are
1	2	3	4	5
1) Palavanattam	57/1	00	14	32
	57/2	00	13	65
	57/6A	00	14	81
	57/5	00	04	52
	57/6B	00	10	61
	57/7B	00	12	57
	66/3A	00	01	00
	403/1B	00	16	14
	403/3B	00	27	34
	388/1	00	23	56
	388/2	00	00	22
	389/2	00	01	83
	388/4A	00	25	44
	388/4B	00	17	75
	387/2	00	16	22
	387/4A	00	00	46
	388/5A	00	06	50
	388/5B	00	19	72
	387/4B	00	08	75
	385/2	00	24	19
	385/3	00	01	08
	385/4	00	29	47
	361/4	00	40	25
	361/5	00	21	60
	361/6B1	00	03	27
	361/6B2	00	18	39
	360/2	00	27	00
	367/1A	00	19	42
	367/1B	00	19	39
	367/2	00	01	25
	317/1	00	03	42
	317/2	00	16	60
	317/3	00	00	18
	319/1	00	11	42
	319/4	00	04	78
	319/3	00	20	81
	322/5A	00	07	93

1	2	3	4	5
1) Palavanattam (Contd)	322/5B	00	05	90
	322/5D	00	06	05
	320/1	00	03	54
	320/2B	00	06	18
	320/2A	00	21	89
	320/3	00	04	06
	320/4	00	03	86
	320/6A	00	02	04
	320/5	00	03	77
	320/6B	00	16	05
	310/2A	00	09	46
	310/2B	00	18	18
	310/4	00	07	24
	307/3	00	00	65
	307/5	00	02	22
	300/6	00	02	23
	311/3	00	34	55
	298/2	00	17	98
	298/3	00	17	70
	298/4	00	03	27
	293/1	00	16	56
	293/2	00	57	49
	291/2	00	02	47
	291/3	00	02	75
	291/4	00	02	86
	291/8	00	05	10
	291/9B	00	02	75
	59/1	00	06	22
	59/5	00	09	80
	59/4	00	14	89
	59/3A	00	10	57
	59/2A	00	10	90
	59/13	00	00	11
	310/3A	00	11	74
	311/1A	00	52	59
2) Kuttipparai	44/2	00	40	08
	44/6	00	48	74
	44/5	00	02	67
	48/1A	00	13	59
	48/1B	00	26	59
	48/2	00	18	35
	51/4	00	10	00

1	2	3	4	5
2) Kuttipparai (Contd)	51/1	00	19	39
	51/2	00	02	18
	54/4	00	12	29
	54/5	00	37	88
	60/1	00	43	34
	213/1	00	21	54
	213/5	00	08	21
	213/6	00	15	06
	213/7	00	15	12
	214/4	00	15	70
	214/5A	00	04	02
	214/5B	00	02	94
	214/8A	00	00	88
	214/8B	00	03	60
	215/4	00	06	12
	219/1	00	10	37
	219/2	00	10	46
	220/4	00	20	50
	220/3	00	02	03
	220/10	00	05	71
	220/11	00	06	29
	260/3	00	00	26
	260/2	00	10	43
	260/4	00	09	89
	260/8	00	27	86
	285/4	00	07	49
	285/3	00	08	69
	285/5	00	08	73
	285/8	00	00	62
	285/10	00	10	88
	284/7C	00	02	20
	285/12	00	05	21
	330/1	00	17	09
	330/2	00	05	76
	330/5	00	16	07
	331/6	00	45	02
	331/5	00	00	10
	354/1	00	01	21
	354/2	00	13	63
	355/1	00	11	21
	355/2	00	12	19
	355/3B	00	10	25

1	2	3	4	5
2) Kuttipparai (Contd)	356/2A	00	14	23
	356/2B	00	09	31
	357/1	00	19	41
	357/2	00	19	19
	358/1	00	17	44
	358/2	00	21	70
	358/3	00	23	13
	358/4	00	19	57
	416/1	00	57	14
	415/1	00	23	11
	415/3	00	10	43
	414/1	00	39	98
	412/3	00	06	84
	413/2	00	41	38
	436/6	00	39	23
	437/1	00	20	73
	437/2	00	20	33
	442/1	00	11	01
	442/2B	00	09	09
	442/2C	00	05	43
	441/1	00	07	59
	441/2	00	06	93
	441/3	00	03	92
	441/4	00	06	44
	441/5	00	19	68
	49/3	00	00	11
	55/1	00	18	82
	55/2	00	02	91
	58/1	00	14	30
	222/1	00	37	11
	258/1B	00	44	29
	255/1	00	07	47
	259/1	00	01	80
	259/2	00	01	65
	323/3B	00	07	57
	323/3A	00	15	25

Taluk:Kariapatti	**District:Virudhunagar**	**State:Tamil Nadu**		
1) Valukkalotti	133/3	00	04	63
	133/4	00	05	03
	133/5	00	04	81
	133/6	00	10	81
	132/3	00	03	26
	132/2	00	06	59
	132/4	00	01	59
	132/8	00	23	47
	132/9	00	00	31
	132/10	00	03	17
	132/11	00	09	90
	131/1	00	00	70
	131/3	00	07	92
	131/6	00	16	39
	128/3	00	16	83
	128/6A	00	05	29

1	2	3	4	5
1) Valukkalotti (Contd)	128/4	00	16	74
	126/7	00	21	87
	126/8	00	00	88
	126/6	00	00	15
	126/10	00	29	33
	127/3A1	00	00	29
	127/3A2	00	16	77
	116/4	00	07	71
	91/5	00	00	10
	114/5A	00	04	09
	114/6	00	25	93
	92/4	00	02	87
	94/1	00	31	27
	94/2	00	00	10
	93/1A	00	09	70
	95/1A	00	03	25
	93/1B	00	00	10
	95/1B	00	10	11
	95/1C	00	11	03
	93/3	00	08	11
	95/3	00	24	03
	143/2	00	00	23
	115/2	00	13	67
	115/2A	00	00	65
	115/2B	00	20	37
	115/2C	00	01	66
	115/2D	00	13	14
	115/4	00	25	03
	145/4	00	00	10

Taluk:Virudhunagar **District:Virudhunagar** **State:Tamil Nadu**

1) Sundaralingapuram	16/1	00	22	62
	16/4	00	06	07
	16/5	00	34	42
	17/5A	00	12	44
	17/5C	00	10	01
	17/5B	00	05	84
	26/7	00	12	98
	26/6	00	12	47
	25/1	00	42	09
	21/1	00	00	83
	21/2	00	07	61
	21/3	00	06	81
	21/4	00	01	33
	21/5	00	22	12
	21/6	00	11	17
	21/7	00	01	90

[F. No. L-14014/96/2010-G.P.]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 2011

का. आ. 3484.—भारत सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकर का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 2 के खण्ड (क) के अनुसरण में मैसर्स गेल (इण्डिया) लिमिटेड द्वारा पाइपलाईन बिछाने के लिये उक्त अधिनियम के अधीन संलग्न सूची के कालम (1) में वर्णित व्यक्ति को कालम (2) में वर्णित क्षेत्र में सक्षम प्राधिकारी के कृत्यों का पालन करने के लिए नियुक्त करती हैं.

अनुसूची

व्यक्ति का नाम और पता	अधिकारिता का क्षेत्र
(1)	(2)
श्री. वी. रामाकृष्णन, स्र्पेशल तहसीलदार, मैसर्स गेल (इण्डिया) लिमिटेड में प्रतिनियुक्ति पर गेल (इंडिया) लिमिटेड.	सम्पूर्ण तमिलनाडु एवं पुदुचेरी संघ शासित क्षेत्र

[फा सं. एल.-14014/51/11-जी.पी.]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 1st December, 2011

S. O. 3484.—Whereas, in pursuance of clause (a) of Section 2 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Government of India hereby authorizes the person mentioned in column (1) of the schedule given below to perform the functions of the Competent Authority under the said Act for laying pipelines by the said M/s GAIL (India) Limited in the area mentioned in column (2) of the said schedule.

Schedule

Name and Address of the person	Area of Jurisdiction
Shri V. Ramakrishnan, Special Tehsildar, On deputation basis to M/s GAIL (India) Ltd.	Whole State of Tamilnadu & Union Territory of Puducherry.

[F. No. L-14014/51/11-GP.]

A. GOSWAMI, Under Secy.

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 2011

का॰ आ॰ 3485.—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार **जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट** के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में **केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय-1, मुम्बई** के पंचाट **(संदर्भ संख्या सी जी आई टी-1/7 ऑफ 2004)** को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार 18-10-2011 को प्राप्त हुआ था।

[सं॰ एल-31011/6/2003-आई आर (बी-II)]
रमेश सिंह, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT

New Delhi, the 8th November, 2011

S.O. 3485.—. In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government hereby publishes the Award ***(Ref. No. CGIT-1/7 OF 2004)*** of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court-1, ***MUMBAI*** now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of ***Jawaharlal Nehru Port Trust*** and their workman, which was received by the Central Government on 18/10/2011.

[No. L-31011/6/2003-IR(B-II)]
RAMESH SINGH, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, MUMBAI

JUSTICE G.S. SARRAF, Presiding Officer

Reference No. CGIT-1/7 of 2004

Parties	:	Employers in relation to the management of Jawaharlal Nehru Port Trust
		And
		Their Workmen

APPEARANCES:

For the Management	:	Shri Lancy D'Souza, Management Representative.
For the Union	:	Shri Jai Prakash Sawant, Adv.
For Speedy Transport Pvt. Ltd.	:	Mr. Kapadia
For Central Warehousing Corporation	:	Absent.
For Ganesh Containers Movers Syndicate	:	Absent
State	:	Maharashtra

Mumbai, dated the 05th day of October, 2011.

AWARD

4. In exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act 1947 the Central Government has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal.

Whether any employer-employee relationship exists between the workmen employed for Container Freight Station operations in the Container Freight Station of Jawaharlal Nehru Port Trust through the intermediaries including the Central Warehousing Corporation (CWC) and M/s Ganesh Container Movers Syndicate, Mumbai? Whether the demand for absorption of workmen employed for Container Freight Station operations in direct services of JNPT is justified? If not, what relief are the workmen concerned entitled to?

2. Learned counsel for the Second party union has filed an application with the prayer that this Tribunal may dispose of the present reference for want of prosecution and the second party be given liberty to take appropriate steps at an appropriate time for redressal of its grievance.

3. Learned counsel for the first party has no objection if the reference is decided in terms of the application filed by the second party union.

4. In view of the above application of the second party union it is clear that the second party union is not entitled to any relief in these proceedings.

5. The matter stands disposed of as above and the second party union is given liberty to take appropriate steps at an appropriate time for redressal of its grievance.

An Award is made accordingly.

JUSTICE G.S. SARRAF, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 2011

का॰ आ॰ 3486.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार **सीसीएल॰ लिमिटेड** एवं के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में **केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद न॰-1** के पंचाट **(संदर्भ संख्या 60/1989)** को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09/11/2011 को प्राप्त हुआ था।

[सं॰ एल-24012/18/86-डी-4(बी)-आई आर (सी-1)]
डी॰एस॰एस॰ श्रीनिवास राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 9th November, 2011

S.O 3486.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award ***(Ref. No. 60/1989)*** of the ***Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-I, DHANBAD,*** as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employes in relation to the management of ***M/s. CC Ltd.,*** and their workman, which was received by the Central Government on 09/11/2011.

[No. L-24012/18/86-D-4(B)-IR(C-I)]
D.S.S. SRINIVASA RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD.

In the matter of a reference U/S. 10(1)(d)(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 60 of 1989

Parties : Employers in relation to the management of Karkatta colliery of M/S. Central Coalfields Ltd.

AND

Their Workman.

PRESENT : Shri H.M. Singh, Presiding Officer.

APPEARANCES:

For the Employers	:	Shri D.K. Verma, Advocate.
For the Workmen	:	Shri D. Mukherjee, Advocate.
State	:	Jharkhand.
Industry	:	Coal.

Dated, the 19-10-2011.

AWARD

By Order No. L-24012(18)/86-D-4(B)/I.R. (Coal-I) dated 19.5.1989 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-sec. (1) and sub-sec.(2A) of Section 10 of the I.D. Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

"Whether the demand of the union that Sri Sibu Bhagat and 14 others as per Annexure who were performing the job of making clay Cartridges in Karkatta Colliery, that they should be departmentalised as Category-I is justified? If so, to what relief the workman are entitled and from which date ?"

ANNEXURE

1. Shri Shibu Bhagat S/O Hussaini Bhagat.
2. Shri Jhakhan Ghanjhu S/O Shathu Ghanju.
3. Shri Puran Singh S/O Lakhan Singh.
4. Shri Rameswar Ghanjhu S/O Bandhu Ghanju.
5. Shri Tejani Ghanjuain W/O Nanda Ghanjha.
6. Shri Kapildeo Mahto S/O Soo Saran Mehto.
7. Shri Vijay Singh S/O Remdeo Singh.
8. Shri Chandeswar Singh S/O Sunder Singh.
9. Shri Sunil Kumar Sao S/O Ramdas Sao.
10. Shri Soonath Kumar S/O Rajendra Pd. Singh.
11. Shri Bhulethan Saw S/O Gokhul Saw.
12. Shri Ramkripal Singh S/O S.N. Singh.
13. Shri Bhuneswar Sao S/O Bhagat Sao.
14. Shri Jamuna Pd. Singh S/O Awadesh Singh.
15. Shri Anil Kumar Sao S/O Ram Das Sao.

2. The case of the concerned workman is that S/Shri Shibu Bhagat and 14 other concerned workmen had been working as permanent clay cartridge mazdoor/maker at Karkatta colliery of M/S.C.C. Ltd. since long with unblemished record of service. They were performing permanent nature of job within the procinct and premises of the mine. All the implements for execution of the jobs were being supplied by the management. Their jobs were being supervised by the management. The management has implemented the Wage Board Recommendations, NCWA-I, II & III. As per Wage Board Recommendation the clay cartridge workers are entitled for Category-I wages. The management had been disbursing their wages less than Cat. I wages through on intermediary, Shri Ram Sewak Sahu posing him as a Contractor. The concerned workmen and the Union on behalf of the concerned workmen represented to the management several times for their regularisation but without any effect. Seeing no other alternative an industrial dispute was raised before the A.L.C. (C), Dhanbad, which ended in failure due to the adamant attitude of the management. Thereafter the dispute has been referred to this Hon'ble Tribunal for adjudication.

It has been prayed that this Tribunal to pleased to pass an award in favour of the workmen by directing the management to reinstate the concerned workmen and to departmentalise them as Cat. I with retrospective effect with all consequential benefits.

3. The case of the management is that Karkatta Colliery had previously an underground mine. For the purpose of blasting coal faces for extraction of coal it is necessary to use clay catridges. This item is like any other material or store item required by the collieries for use from time to time. The management had absolute right to get them from any Contractor or supplier. From time to time the job of supplying clay catridges to Contractors/Suppliers was entrusted to Contractors/Suppliers at agreed rates. It was absolutely for the Contractor/Supplier to make his own arrangements to procure or manufacture the clay cartridges and to supply the same to the management. The contractor/supplier had absolute liberty to engage any persons for the manufacture of clay catridges or to purchase clay catridges already manufactured and supplied them to the management. The contractor submitted their bills to the management and payment was made to them. The management is not aware of the persons engaged from time to time by the different Contractors/Suppliers. The management's interest was only to obtain supplies of clay cartridges according to the requirment. Even during the course of conciliation proceedings the sponsoring union did not furnish the name of 14 other persons. The underground mines were closed by the management and there is no longer any use for clay catridges in Karkatta Colliery.

In view of the above facts and circumstances it has been prayed that the Hon'ble Tribunal to pleased to hold that the reference is invalid and the concerned workers are not entitled to any relief.

4. Both the parties have filed their respective rejoinders admitting and denying the contents of some of the paragraphs of each other's written statement.

5. The concerned workers has produced WW-1, Bhuneswar Saw.

The management has filed documents which have been marked as Ext.M-1 to M-1/3.

They have not produced any oral evidence.

6. Main argument advanced on behalf of the concrned workmen is that they were working with the management and supplying clay catridges since long and they are entitled to get Category-I wages as per NCWA-I, II & III, but the management not paying any heed to their demand.

7. The management has argued that the clay catridges are supplied to the management by the Contractor/Supplier and the concerned workmen are the employees of the Contractor/Supplier and they are not entitled for regularisation as Category-I as per NCWA-I, II & III. The management has no concerned with the concerned workmen.

In this respect the statement of the concerned workmen, WW-1 is important. He has stated in his cross-examination that I have not filed any paper to show that I used to get wages from the colliery. I have not filed any paper to show my identity and percentage. Against that the management has filed Exts. M-1 to M-1/3, which shows that bills were submitted by the Suppliers for clay catridge work from 1.2.85 to 30.3.85, 1.4.84 to 31.1.85, 1.10.81 to 15.11.81 and 11.7.81 to 15.8.81.

It shows that the management was taking clay catridge from the suppliers/contracter on the basis of work order and payment is made to the contractor and the contractor makes payment to the workmen. The concerned workmen have not filed any documents to show that they are getting wages from the management and they are working with them.

8. On behalf of the concerned workmen 2005(105) FLR 1067 referred in which Hon'ble Supreme Court laid down—"Industrial Disputes Act, 1947 - Section 25-F Effect of - Provisions of - To be complied with - If workmen had completed 240 days of service - Workmen in their evidence had to state specifically that they had worked for 240 days - Have to prove it - Pleadings are no substitute for proof." Another law referred by the workmen is 2008(118) FLR 1176 in which Hon'ble Calcutta High Court laid down that workmen entitled to be considered for regular appointment in compassionate category. Another law referred by the workmen is SCLJ-Vol-15 Pg. 112 in which Hon'ble Supreme Court determined relationship of employer and employees. Another law referred by the workmen is F.L.R. 1990 page 20(SC) in which Hon'ble Supreme Court laid down - "Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 - Section 10 - Notification dated February 9, 1980 - Prohibiting employment of contract labour in cleaning, stacking and other allied jobs - Except loading and unloading of bricks from wagons and trucks - This exception clause is discriminatory - Violates Article 14 - Workers doing such job should be treated at par - The clause was struck down."

Another law referred by the workmen is 2008 AIR SCW 3996 in which it has been laid down by Hon'ble Supreme Court "Constitution of India, Art. 226 - Writ jurisdiction - Scope - Service matter - Award of Industrial Tribunal - Interference permissible only if award is perverse or patently illegal.

Industrial Disputes Act (14 of 1947), Sch. 2, Item 6 - Regularisation of Service - Contractual workers - Dicontitlement from claiming regularisation - Not inflexible rule - Workers appointed by ONGC initially through contractor - Claim for regularisation - Reference in Tribunal - Finding of fact by Tribunal that workmen were employees of ONGC and not contract employees being employees of ONGC workmen would be entitled to all benefits available in that capacity, and issue of regularisation would pale into insignificance.

9. On behalf of the management Uma Divi's case reported in 2006 SCC (IAS) 753 has been referred in which Hon'ble Supreme Court laid down that the persons cannot be regularised in public employment without following the procedure of employment as per Constitution.

10. Accordingly, I hold that the demand of the union that Sri Sibu Bhagat and 14 others as per Annexure who were performing the job of making clay cartridges in Karkatta Colliery, that they should be departmentalised as Category-I is not justified and hence the concerned workmen are not entitled to any relief.

This is my award.

H. M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 2011

का॰आ॰ 3487.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बी॰सी॰सी॰एल॰ एवं के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में, **केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद नं-1** के पंचाट (**संदर्भ संख्या-12/2000**) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09/11/2011 को प्राप्त हुआ था।

[सं॰ एल-20012/224/1999-आई आर (सी-I)]
डी॰एस॰एस॰ श्रीनिवास राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 9th November, 2011

S.O. 3487.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 to 1947), the Central Government hereby publishes the award ***(Ref. No. 12/2000)*** of the ***Central Industrial Tribunal-cum-Labour Court-I, DHANBAD,*** as show in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of ***M/S. BCCL,*** and their workman, which was received by the Central Government on 09.11.2011.

[No. L-20012/224/1999-IR (C-I)]
D.S.S. SRINIVASA RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 DHANBAD

In the matter of a reference U/S. 10(1) (d) of I.D. Act.

Reference No. 12 of 2000.

Parties : Employers in relation to the management of Pootki Balihari Area of M/s B.C.C. Ltd.,

AND

Their Workmen

PRESENT:

Shri H.M. Singh, Presiding Officer.

APPEARANCES:

For the Employers	:	Shri B.M. Prasad, Advocate.
For the Workmen	:	Shri D. Mukherjee, Advocate.
State	:	Jharkhand, Industry: Coal.

Dated, 7-10-2011

AWARD

By order No. L-20012/224/99-IR (C-I) dated 20.12.99 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-sec. (1) and sub-sec. (2A) of Section 10 of the Industrial Disputed Act 1947, referred the following dispute for adjudication to the Tribunal:

"Whether the action of the management of Pootki colliery of M/s. BCCL in no offering employment to Sri Suresh Paswan, dependent son of Late Bhagwatia Devi, W/o Late Rameshwar Dusadh in terms of clause 9.4.2 of NCWA-IV is justified? If not, to what relief the dependant of the workman is entitled?"

2. The case of the concerned applicant is that Late Bhagwati Devi was a permanent and had been absorbed in service on the ground of death of her husband, Rameshwar Dusadh. It has been contended by the management that one Sitaram Dusadh has been working in Pootki Balihari Project as a Pump Operator and is the son of Late Rameshwar Dusadh. It was also stated by the management that instead of Bhagwatia Devi the said sitaram Dusadh would have provided with employment. The management concealed the fact that the said Sitaram Dusadh was already in the employment of BCCL independently meaning thereby that his service in the BCCL was not on compassionate ground on event of the death of his father, Rameshwar Dusadh.

It has been earlier submitted that the applicant was minor at the time of death of his father late Rameshwar Dusadh and hence the widow of the deceased Rameshwar Dusadh, namely, Bhagwatia Devi got the employment on compassionate ground as per the provisions of NCWA-IV.

It has been prayed that this Hon'ble Tribunal be pleased to pass an award in favour of the applicant by directing the management to provide employment to Suresh Paswan, dependent son of Late Bhagwatia Delhi, W/o Late Rameshwar Dusadh, in terms of clause 9.4.2. of NCWA-IV.

3. The case of the management is that Late Bhagwatia Devi died while in employment on 28.6.1988. Sri Sitaram Dusad an employee of Pootki colliery is said to be son of

Late Rameshwar Dusad and Bhagwatia Devi. If Suresh Paswan would have the second son of Late Rameshwar Dusad he could have claimed the same during 1984 when Rameshwar Dusad is said to have died and in his place Smt. Bhagwatia Devi was offered employment. Smt. Bhagwatia Devi did not file service excerpt in the year 1987 and accordingly her family detail is not available in the colliery. Suresh Paswan cannot be son of Bhagwatia Devi and Sitaram Dusad. The matter was enquired into and verified and it transpired that he is not the second son of late Bhagwatia Devi.

It has been prayed that Hon'ble Tribunal be pleased to pass an award holding that the action of the management in denying employment to Suresh Paswan as justified and Suresh Paswan is not entitled to any relief.

4. Both the parties have filed their respective rejoinders admitting and denying some of the contents of the paragraphs of each other's written statement.

5. The management has produced MW-1, Uma Shankar Singh and proved document as Ext. M-1.

The concerned applicant has produced himself as WW-1.

6. It has been argued on behalf of Smt. Bhagwatia Devi, who was an employee of the management died on 28.6.88 and she was the mother of Suresh Paswan. After the death of his mother he applied for employment after he became major. But the management is not giving any appointment.

In this respect, Sitaram Dusadh was issued service excerpt which is Ext. M-1 in which the name of Suresh Dusadh is also mentioned as son of Sitaram Dusadh.

In this respect WW-1 has stated in his cross-examination that I have not filed any paper to show that I am son of Bhagwatia Devi. Bhagwatia Devi had two sons, Sitaram Paswan and myself. Sitaram is still alive and he is brother of Sitaram. No documentary evidence has been filed that he is son of Rameshwar Dusad. There is no vital document of service excerpt on which basis he may be given compassionate appointment.

7. Considering the above facts and circumstances, I hold that the action of the management of Pootki Colliery of M/s. B.C.C. Ltd. in not offering employment to Sri Suresh Paswan, dependent son of Late Bhagwatia Devi, w/o Rameshwar Dusadh in terms of clause 9.4.2. of NCWA-IV is justified and hence Sri Suresh Paswan is not entitled to any relief.

This is my Award.

H.M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 2011

का॰आ॰ 3488.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सीसीएल, एवं के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद नं-2 के पंचाट (संदर्भ संख्या 320/1999) को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 09/11/2011 को प्राप्त हुआ था।

[सं॰ एल-20012/204/1999-आई आर (सी-1)]
डी॰एस॰एस॰ श्रीनिवास राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 9th November, 2011

S.O.3488.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award *(Ref. No. 320/1999)* of the **Central Government Industrial *Tribunal-cum-Labour Court-2, DHANBAD,*** as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of ***M/s. CCL,*** and their workman, which was received by the Central Government on 09/11/2011.

[No. L-20012/204/1999-IR(C-I)]
D.S.S. SRINIVASA RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT

Shri Kishori Ram, Presiding Officer

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1) (d) of the I.D. Act, 1947.

Reference No. 320 of 1999

Parties : Employers in relation to the management of M/s. C.C.L. and their workman.

APPEARANCE:

On behalf of the workman	:	None
On behalf of the employers	:	Mr. D.K. Verma, Advocate.
State	:	Jharkhand
Industry	:	Coal.

Dated, Dhanbad, the 12th October, 2011.

ORDER

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1) (D) of the I.D. Act., 1947 has referred the following

dispute to this Tribunal for adjudication *vide* their Order No. L-20012/204/99-(C-I), dated, the 19th November, 1999.

SCHEDULE

"Whether the action of the Mgt. of Bokaro Colly., M/s. C.C. Ltd. In not providing employment to Sh. Khageshwar Ram Satnami, son of late Bhagat Ram Satnami under Para 9.4.3 of N.C.W.A.-IV is legal and justified ? If not, to what relief the concerned person is entitled?"

2. None represented the Union/workman Shri Khageshwar Ram Satnami. Mr. D.K. Verma, the Ld. Advocate for the management is present but no MW produced, as Mr. Verma, the Ld. Advocate for the management declines to produce any MW, submitting that since the case of the workman for evidence on his behalf was already closed as per order dt. 9.9.2005, there is no need for the management to produce any witness in the case which relates to non-employment of the aforesaid petitioner Khageshwar Ram Satnami, the son of late Bhagat Ram Satnami.

3. Perused the case record and I find that the present case related to the issue, not providing employment by the management to the petitioner Khageshwar Ram Satnami son of late Bhagwat Ram Satnami under 9.4.3 of NCWA-IV has been running for the evidence of the petitioner since 15.5.2004, as he had not submitted any document inspite of giving sufficient opportunities for it. Hence, the case of the petitioner in lack of any petition for an adjournment to produce any evidence witness was closed by the P.O. predecessor of the Tribunal as per order dt. 9.9.2005, fixing for the evidence of the management since 14.2.2006. The record reveals that the photo copy of the documents such as death certificate, Service Excerpt and the Office Order dt. 13.9.91 were filed on behalf of the Union Representatives on 1.9.2004. But the conduct of the petitioner as well as the Union inspite of registered notices dt. 17.7.2002, 7.3.2008, 4.11.10 and show cause notice dt. 18.3.2011 clearly indicate their disinterestedness to persue the case.

4. Under these circumstances proceeding with the case for infinity is merely wastage of time and energy of this Tribunal futile. Hence the case is closed and accordingly order is passed.

KISHORI RAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 2011

का॰आ॰ 3489.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बीसीसीएल, एवं के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद नं.-1 के पंचाट (संदर्भ संख्या 12/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09/11/2011 को प्राप्त हुआ था।

[सं॰ एल-20012/443/2001-आई आर (सी-I)]

डी॰एस॰एस॰ श्रीनिवास राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 9th November, 2011

S.O.3489.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award ***(Ref. No. 12/2002)*** of the ***Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-1, DHANBAD,*** as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of ***M/s. BCCL,*** and their workman, which was received by the Central Government on 09/11/2011.

[No. L-20012/443/2001-IR(C-I)]

D.S.S. SRINIVASA RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 1), DHANBAD

(Lok Adalat)

In the matter of a reference under section 10 (1) (d) (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 12 of 2002

Parties : Employers in relation to the management of Bhowra (S) Collier of M/s. BCCL.

And

Their Workman

PRESENT:

Shri Hari Mangal Singh, Presiding Officer

APPEARANCES:

For the Management	:	Sri U.N. Lal, Advocate
For the workman	:	Sri M.N. Rewani, Advocate
State	:	Jharkhand
Industry	:	Coal

Dated. 7th Oct, 2011

AWARD

By order No. L-20012/443/2001-IR(C-I), dated 10.1.2002 the Central Government in the Ministry of Labour has in exercise of the powers conferred by clause (d) of

sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:—

> "Whether the management of Bhowra (S) Colliery of M/s/BCCL is justified in dismissing Sri Ranjit Bouri from service w.e.f. 11.1.2000? If not, to what relief is the workman entitled?"

Sri M.N. Rewani, Advocate appearing alongwith Sri Ranjit Bouri, concerned workman, filed a petition duly signed by the concerned workman and stated therein that the claim has been settled in between the management and the union. As such it has been prayed to allow to withdraw the claim made by the concerned workman/union.

It, therefore, appears that there exists no dispute between the parties. In such circumstances I pass a 'NO DISPUTE' Award in the present reference case.

H.M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 2011

का॰आ॰ 3490.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार **बीसीसीएल,** एवं के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में **केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद नं-1** के पंचाट **(संदर्भ संख्या 78/2003)** को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09/11/2011 को प्राप्त हुआ था।

[सं॰ एल-20012/81/2003-आई आर (सी-I),]

डी॰एस॰एस॰ श्रीनिवास राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 9th November, 2011

S.O. 3490.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award ***(Ref. No. 78/2003)*** of the ***Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-I, DHANBAD,*** as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of ***M/s. BCCL,*** and their workman, which was received by the Cental Government on 09/11/2011.

[No. L-20012/81/2003-IR(C-I)]

D.S.S. SRINIVASA RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO.I, DHANBAD

In the matter of a reference U/S 10(1)(d)(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 78 of 2003

Parties : Employers in relation to the management of Lohapatti Colliery of M/s. B.C.C. Ltd.

And

Their Workmen

PRESENT:

Shri H.M. Singh, Presiding Officer

APPEARANCES:

For the Employers	:	Shri B.M. Prasad, Advocate
For the Workman	:	Shri K. Prasad, Advocate
State	:	Jharkhand
Industry	:	Coal

Dated, the 17-10-2011

AWARD

By Order No. L-20012/81/2003-IR(C-I), dated 18.8.03 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-sec. (1) and sub-sec. (2A) of Section 10 of the I.D. Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

> "Whether the action of the management of Lohapatti Colliery of M/s. BCCL in dismissing Shri Chandra Mohan Mahato from 5.7.96 is fair and justified? If not, to what relief is the said workman entitled?"

2. The case of the concerned workman, Chandra Mohan Mahato, was a permanent employee at Lohapatti colliery in the capacity of M/Loader. He fell seriously ill from 18.12.95 and he informed the management regarding his sickness on 26.12.95. He got his treatment from company's Medical Officer w.e.f. 18.12.95 to 12.2.96 and he was declared fit to resume his duty on 13.2.96.

But unfortunately the management illegally issued a chargesheet to the concerned workman vide letter No. 135 dated 13/14.1.1996. The concerned workman replied to the chargesheet. The management conducted the domestic enquiry. The concerned workman participated fully in the enquiry and produced all the relevant documents. He was never issued any chargesheet before this one. The enquiry is not fair as alleged by the concerned workman. His dismissal was pre-decided. The management supplied the enquiry report on 20.5.96, while from the record it appears that the dismissal of the concerned workman was already approved by the G.M. of the Area on 15.5.96 itself. It clearly indicates that full procedure of enquiry was mere an eye wash. The dismissal of the concerned workman is illegal, arbitrary and whimsical. The dispute was raised before the A.L.C. (C), Dhanbad which ended in failure and the present reference is the outcome of the dispute.

It has been prayed that his Hon'ble Tribunal be pleased to pass an award directing the management to reinstate the concerned workman with full back wages with all consequential benefits w.e.f. 13.2.96.

3. The case of the management is that apart from preliminary objections, it has submitted on merit that when the sponsoring union raised the purported dispute before A.L.C.(C), Dhanbad, the union had admitted indirectly that the concerned workman remained absent from work for long and did not turn up. The concerned workman was habitual absentee from service from time to time i.e. in 1994 worked for 57 days and in 1995 he worked for 26 days. As per the recognised and well accepted principle in the Coal Industry, if an employee does not trun-up for employment over a considerable period his name is removed from the rolls of the Colliery. While the workman concerned started without permision or information absenting from 18.12.95 the management issued charge-sheet dated 13/15-1-96 against him and called upon to explain the reason and give reply, which was not satisfactory. The management appointed an Enquiry Officer to hold the enquiry and informed him to attend to the said enquiry to defend his case. The charge levelled against the concerned workman was proved beyond any doubt and thereafter he was dismissed by the competent authority who had gone through the entire proceeding and report and had arrived at independents taking the gravity of the serious habitual misconduct decided to dismiss the concerned workman from the service of the company *vide* order dated 5.7.1996. The demand of the union has no merit at all and deserves to be summarily dismissed.

It has been prayed that this Hon'ble Tribunal be pleased to pass an award holding that the dismissal of the concerned workman is justified and the concerned workman is not entitled to any relief.

4. Both the parties have filed their respective rejoinders admitting and denying some of the contents of the paragraphs of each other's written statement.

5. The management produced MW-1, Brij Nandan Sharma, who proved documents as Exts. M-1 to M-4.

The concerned workman produced himself as WW-1 and proved documents as Exts.W-1 to W-8.

6. Main argument advanced on behalf of the concerned workman is that he was ill and he got his treatment from the Company's medical officer, which he informed the management, but the management illegally dismissed him from service w.e.f. 5.7.96 without fair and proper enquiry.

In this respect management argued that he was dismissed from service after proper enquiry. In this respect management's witness, Brijnandan Sharma, who has conducted the enquiry proved the enquiry report and documents as Exts.M-1 to M-4.

It has also been argued on behalf of the concerned workman that Sri Brijnandan Sharma recorded the evidence of the concerned workman in his enquiry proceeding. The concerned workman submitted documents regarding his medical treatment in the office.

But the evidence of the management in this respect is very material. The witness, G.N. Chatterjee, who maintains pay register, stated that the concerned workman absented from the duty from 18.12.95 without any information and permission from the competent authority and he worked only 57 days in the year 1994 and 26 days in the year 1995. It shows that the concerned workman does not want to work with the management. He has not given his explanation for his habitual absent from duty, when he worked for 57 days in the year 1994 and 26 days in the year 1995.

The concerned workman (WW-1) has stated in his cross-examination at page 2 that I was dismissed from service on the ground of long absenteeism. I remained absent for two months. I know that there is a rule that if any workman remains absent for more than 10 days he is chargesheeted. I do not know for how many days I have worked in 1994 and 1995. I have replied to the chargesheet. Enquiry was conducted. I attended the enquiry along with my representative. We used to put our signature on the day to day enquiry proceeding. I was dismissed after holding enquiry report submitted by the Enquiry Officer.

The statement of the concerned workman shows that he was dismissed after holding enquiry. He attended the enquiry along with his representatives. He could not say how may days he worked in 1994 and 1995.

It shows that the statement of the management is correct that he worked 57 days in the year 1994 and 26 days in the year 1995.

Considering the above facts it shows that the concerned workman is habitual absentee and the management has rightly dismissed him from service after fair and proper enquiry.

7. In the result, I hold that the action of the management of Lohapatti Colliery of M/s. BCCL in dismissing Chandra Mohan Mahato from 5.7.96 is fair and justified. Accordingly, the concerned workman is not entitled to any relief.

This is my Award.

H.M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 2011

का॰आ॰ 3491.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण मे केंद्रीय सरकार **बीसीसीएल** एवं के प्रबंधपत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में **केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद नं॰ 2** के पंचाट (**संदर्भ संख्या 18/2007**) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09 11 2011 को प्राप्त हुआ था।

[सं॰ एल-20012/14/2007-आई आर (सी-I)]

डी॰ एस॰एस॰ श्रीनिवास राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 9th November, 2011

S.O. 3491.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 18/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-2, DHANBAD, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. BCCL, and their workman, which was received by the Central Government on 09.11.2011.

[No. L-20012/14/2007-IR(C-I)]
D.S.S. SRINIVASA RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT

Shri Kishori Ram, Presiding Officer.

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1) (d) of the I.D. Act, 1947.

Reference No. 18 of 2007

Parties	:	Employers in relation to the management of Bastacolla Area of M/s. BCCL and their workman.

APPEARANCES:

On behalf of the workman	:	None
On behalf of the employers	:	Mr. D.K. Verma, Advocate,
State	:	Jharkhand
Industry	:	Coal.

Dated, the 20th October 2011

ORDER

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication *vide* their Order No. L-20012/14/2007-IR(CM-I), dated, 13/17.4.2004.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Dobari Colliery under Bastacolla Area of M/s. BCCL in dismissing the services of Shri Hari Prasad Bhuia, SDL Mazdoor, w.e.f. 7.11.2005 is justified and legal? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. None represented the Union concerned/workman Hari Prasad Bhuia nor W.S. filed on his behalf despite several notices and show cause. Mr. D.K. Verma, Ld. Advocate for the management is present.

3. The present reference relates to the issue over the dismissal of the workman, the Minor from the service of the company w.e.f. 7.11.2005. The perusal of the case manifests that the case has been pending for filing W.S. by the workman since 28.12.07 for which notices including Regd. one dt. 12.11.07, 4.1.08, show cause notice dt. 10.3.08, show cause Notices dt. 28.3.08, 22.5.08 Notice dt. 26.11.10, again show cause Notice dt. 02.03.11 and reminder through Registered Post dt. 26.07.11 have been issued to the Joint General Secretary of the Union concerned. But non-representation or non-appearance of the Union/workman all along till today shows great reluctancy of the Union as well as the workman to persue the case; therefore, proceeding with the case for infinity is mere wastage of time and energy of the Tribunal, as the Union/workman appears to be disinterested to contest the case. Hence, the case is closed and accordingly order is passed.

KISHORI RAM, Presiding Officer,

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 2011

का॰आ॰ 3492.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बी॰सी॰सी॰एल॰ एवं के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद नं 2 के पंचाट (संदर्भ संख्या 10/1993) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-11-2011 को प्राप्त हुआ था।

[सं॰ एल-20012/103/1992-आई आर (सी-I)]
डी॰ एस॰ एस॰ श्रीनिवास राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 9th November, 2011

S.O. 3492.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 10/1993) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-2, DHANBAD, as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. BCCL, and their workman, which was received by the Central Government on 09.11.2011.

[No. L-20012/103/1992-IR(C-I)]
D.S.S. SRINIVASA RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT

Shri Kishori Ram, Presiding Officer.

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

Refference No. 10 of 1993

Parties : Employers in relation to the management of Bharat Coking Coal Ltd.'s Loyabad Colliery and their workman

APPEARANCES:

On behalf of the workman : Mr. D. Mukherjee, Advocate

On behalf of the employers : Mr. D. K. Verma, Advocate.

State : Jharkhand

Industry : Coal.

Dated, the 27th October, 2011.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section (10)(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication *vide* their Order No. L-20012(103)/92-I.R. (Coal-1), dated, the 22.3.93.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Loyabad Colliery of B.C.C.L. is not regularising Shri Ranjit Kr. as Clerk is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The case of the sponsering Union concerned for the workman Ranjit Kumar is that he has been continuously unblemishedly working as a permanent workman since 1982. As per direction of the Management as he initially worked as Electrical Helper in Category II and accordingly, he was regularised in 1982. He started to work as clerk since 1980 continuously as per direction and authorisation of the management. He also efficiently worked as Bonus Clerk, Bill Clerk. L.T.C. Clerk as per his engagement by the Management. He on transfer joined at Nichitpur Colliery in June, 1995. He has been working as Coal Despatch Clerk for two and half year. The Management regularised him in the post of Clerk Grade-III, though he was entitled at least Clerk Grade-II in the year 1986 as per the Management's policy. The representation by him and the Union for regularisation at last on Clerk Grade-II *w.e.f.* 1992 and on Special Grade Clerk work with immediate effect, but without any effect, resulted in raising the Industrial Dispute before the ALC(C) Dhanbad, which also failed for the attitude of the Management, hence reference for adjudication, Thus the action of the Management in not regularising the workman as Clerk Grade-II in the year 1982 and 1992 respectively and as the Special Grade with immediate effect was unjustified, illegal, against the principle of natural justice as well as anti-labour policy.

3. Further, the rejoinder of the workman specifically refuting the allegations of the Management is that though the workman was originally appointed as a Miner/Loader, yet he began to work as Electrical Helper as per authorisation of the Management. The Management in the conciliation proceeding had admitted the workman working as a Clerk till then, but the matter was not settled. He was illegally and arbitrarily regularised in Clerical Grade-III in place of Grade-II, though he is entitled to his regularisation in Clerk Grade-I. His anwarranted transfer by the Management with an ulterior motive during the of the reference was victimisation to him while working as Coal Despatch Clerk at Nichitpur Colliery. He is entitled for his grade as per NCWAs and Wage Board Recommendation. After putting at least his 240 days attendance in a calendar year, rendering his continuous service a workman can claim for reinstatement.

4. Whereas, categorically denying the allegations of the workman, the case of the Management as pleaded in its Written Statement is that workman Ranjit Kumar was appointed as Miner/Leader on 19.4.1982, later on regularised as Electric Helper, and then he was working as Clerk, so his case had been referred to the competent authority for needful. These facts were represented by the Dy. C.M.E./Agent, Loyabad Colliery as per letter No. 17A/21, dt. 18.9.1991 in response to the ALC(C), Dhandad's letter dt. 15/18.4.91. As per the Office Order under letter No. 6177, dt. 24.7.1986 of the Dy. C.M.E., Loyabad Colliery, the workman was transferred to Leave Section on his request, and was subsequently regularised in Clerical Grade-III in the year 1992 as per the Office Order No. GM/SA/PD/92-5800, dt. 14.8.92, and he is working in that capacity. He was again transferred from Loyabad Colliery to Nichitpur Colliery as per letter No. GM:SA:PD:IOC:1439/4147/95, dt. 13/14.6.95 and on his release as per order No. 6/36/95, dt. 16/20.6.95 during the pendency of the dispute, he joined at his new place of posting. The reference does not refer to any grade for the purpose of regularisation. Since the workman has already been regularised as Clerk as per terms of reference it is liable to be rejected. Though the Union as per letter dt. 18.3.1991 to the ALC(C), Dhanbad demanded the regularisation of workman with effect from 1982, the workman never represented it prior to 18th March, 1991. But the industrial dispute raised after 9 years is a stale one.

The Management in its rejoinder has stated that the reference is for regularisation, and not for placement of the workman on any grade. So the demand for grade after regularisation not relevant with the terms of reference is baseless and false. The action of the Management has never been discriminating or vindictive nor anti-labour policy.

FINDING WITH REASONING

5. In this case, WW-1 Ranjit Kumar, the workman himself on behalf of the Union, and MW-1 Narendra Pratap Singh,

Personnel Manager, Sijua Area of M/s. BCCL, from the side of the Management have been examined.

The statement of workman Ranjit Kumar (WW-1) is that though he was appointed as Miner/Loader in 1982 at Loyabad Colliery, yet his service was utilised by the Management as Electrical Helper Cat. II. Thereafter as per directions the Management concerned he started to work as Clerk in the leave section from 1986, as Leave Clerk, Bonus Clerk, Lt. C. Clerk etc. and on his transfer to Nichitpur Colliery in 1996, as Coal Despatch Clerk upto and 1997, and on his tranfer to Mudidih Colliery, where he worked as the Coal Despatch Clerk which comes under Clerk Cat. I, but 1995, the Management placed him in Clerk Gr. III. According to the workman (WW-1), as per the order dt. 24th July, 1986 marked as Ext. W-1 he was transferred to the Leave Section of the Colliery office; and as per the letters occasionally issued by the Management marked as Ext W-2 series, he discharged his duties as Clerk under the Management, so he wanted to get relief as prayed for.

6. On the other hand, MW-1 Narendra Pratap Singh, Personnel Manager, Sijua Area of M/s. BCCL, has stated that the workman got his appointment as miner/loader at Loyabad Colliery on 19.4.82, but one year, he was regularised as Helper Electrical in Category II, than as the Clerk on Grade-III as per order dt. 14.8.1992 (Ext. M-1) and he is still working accordingly at Mudidih Colliery after his transfer from Nichitpur Colliery under Sijua Area, so he is not entitled to any relief. Witness (MW-1) has proved the six photo copies of Office Orders as Extt. M-1 to M-6. He (MW-1) has affirmed in his cross-examination that the N.C.W.A. provision provided for regularisation of a workman under Cadre Scheme subject to Vacancy as well as recomendation of the D.P.C., that no instructions issued by the Management officials can supercede the said provision and cadre scheme without permission of JBCCI, that Bonus Clerk and Bill Clerk are in Clerk Crade-II, there is no post of Coal Despatch Clerk, rather actually the General Clerks perform the duty of Coal Despatch Clerk. Denying the clerk working as Coal Despatch Clerk as Clerk Grade-I the witness (MW-1) has asserted the posting of the workman as Clerk in coal Despatch Section of Nichitpur Colliery in 1995 and his working as Clerk in the sections of leave and bonus at Loyabad Celliery.

6. Citing the authority: 1990 SSC (L&S) 174 (CB), Bhagawati Prasad-versus-Delhi State Mineral Development Corporation, Mr. D. Mukherjee, the Ld. Counsel for the Union representative, submits that since the Workman Ranjit Kumar has been working as the Coal Despatch Clerk from 1995 as per the direction of the nanagement. contained in the Office Orders (Extt. W-1 & W-2) series, as also admitted by MW-1. Further the contention of Mr. Mukherjee, the Ld. Counsel for the Union is that since the workman worked as the Coal Despatch Clerk there is no provision for Clerical Grade-I, II, III. Contrary to it Mr. D. K. Verma, the Ld. Advocate for the management that the workman was though initially appointed as Miner/Loader *i.e.* as Time Rated Worker, was regularised as Electric Helper in 1982 and thereafter as per W.S. para-6 as well as the Office Order dt. 14.8.1992 (Ext. M-1), he was regularised in Clerical Grade-III with immediate effect but his claim for regularisation in Grade-II Clerk as vaguely evident from his Written Statement is unsustainable as per the Cadre Scheme of the Clerical Grade (JBCCI).

7. The perusal of the materials available on the case record as I find manifests that the workman as per the Office Order dt. 24.7.86 (Ext.W-1) was transferred as the Electrical Helper to the Leave Section at the Colliery Office with immediate effect and all the rest relevant office order (Ext. W-2 series) are nothing but the Administrative Orders for his deputation and the management's direction to him for the job as assigned by the Mangement. Similarly all the Office Orders (Extt. M-2 to M-6) concerning the transfer and release of the workman to/from Nichitpur Colliery and then to and from Mudidih Colliery to Nichitpur Colliery are also purely administrative orders, for which the management has prerogative. This ratio decided on the aforesaid authority as cited by the Ld. Counsel Mr. Mukherjee for the representative Union being distinct from the factum of the case appears to be not holding good with. Since the workman has already been regularised as a Clerk in 1992, in Clerical Grade-III *w.e.f.* 14.8.1992 (Ext.M-1). So his claim for the relief *i.e.* regularisation in Clerk Grade-II from 1986, in Grade-I from 1992 and in Special Grade Clerk with immediate effect being contrary to the provisions of the Cadre Scheme as per JBCCI circular is not acceptable in the eye of law.

Therefore, accordingly it is held that the action of the management of Loyabad Colliery of BCCL is not regularising Shri Ranjit Kumar as Clerk according to his claim as mentioned above, is justified legelly. Therefore the workman is not at all entitled to any relief.

KISHORI RAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 2011

का॰आ॰ 3493.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बी॰सी॰सी॰एल॰ एवं के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार अधिकरण, धनबाद नं॰-1 के पंचाट (संदर्भ संख्या 97/1996) को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-11-2001 को प्राप्त हुआ था।

[सं॰ एल-20012/166/1996-आई आर (सी-1)]

डी॰एस॰एस॰ श्रीनिवास राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 9th November, 2011

S.O. 3493.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 97/1996) of the Central Government Indsutrial Tribunal-cum-Labour Court-I, DHANBAD, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. BCCL, and their workman, which was received by the Central Government on 09.11.2011.

[No. L-20012/166/1996-IR(C-I)]
D.S.S. SRINIVASA RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference U/S.10(1)(d)(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 97 of 1996.

Parties : Employers in relation to the management of Bera Colliery of Bastacola Area of M/s. BCCL and Their Workmen.

PRESENT :

Shri H.M. Singh, Presiding Officer

APPEARANCES:

For the Employers	:	Shri D.K. Verma, Advocate.
For the Workmen	:	Shri D. Mukjerjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union.
State	:	Jharkhand
Industry	:	Coal

Dated, the 24.October, 2011.

AWARD

By Order No. L-20012/166/96-IR (Coal-I), dated 1.11.1996 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-sec. (1) and sub-sec. (2A) of sec. 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

"Whether the demand of Bihar Colliery Kamgar Union, Dhanbad for regularisation under MCWA-IV of five clay makers working within premises of Bera Colliery of Bastacola Area of BCCL, namely, S/Sh. Jitu Turi, Girja Turi, Sunder Turi, Smt. Anwai Devi and Sh. Kailash Turi of Bera Colliery is justified? If yes, to what relief are these workmen entitled?"

2. The case of the concerned workmen is that they have been working as clay catridge mazoor since long as per direction and authorisation of the management. They have been working permanent nature of job of making clay catridges under the direct control and supervision of the management and the implements for execution of the job are being supplied by the management. They have been working in permanent and perennial nature of job under the control and supervision of the management but the management have been paying the concerned workmen for below the rates of Wage Board Recomendation and NCWA in the garb of treating them as alleged suppliers.

The concerned workmen and the union represented before the management several times for their regularisation as clay catridge makers and payment of wages at least category-I wages with retrospective effect. Thereafter an industrial dispute was raised before the A.L.C. (C) which was ended and the dispute has been referred to this Hon'ble Tribunal for adjudication.

It has been prayed that the Hon'ble Tribunal be pleased to answer the reference in favour of the workmen by directing the management to regularise the concerned workmen as clay catridge workers with retrospective effect with all benefits.

3. The case of the management is that Jitu Turi had supplied at some time or other clay cartridges used as steaming material in the coal mines at the time of blasting operations. Whenever he supplied clay cartridges, he was paid the amount through vouchers on the agreed rates per thousand clay cartridges. So far the other persons are concerned, they are completely strangers and the management has no concern with them in any respect. It has been submitted that in the coalfield area, there are large number of establishments manufacturing various materials like bricks, explosives, dognails, chains, bamboo mattings, etc. for supply the same to one colliery or other. It has been submitted that the sponsoring union has concocted statements to indicate the suppliers as contractors and is trying to get the persons employed with the help of litigation by way of regularisation. As the approach of this sponsoring union is illegal and unjustified, the reference is liable to be summarily rejected.

4. Both the parties have filed their respective rejoinders admitting and denying the contents of some of the paragraphs of each others written statement.

5. The concerned workman produced WW-1, Kailash Turi and one document has been marked on behalf of the workmen as Ext. W-1.

The management produced MW-1, Subhas Chandra Banerjee.

6. Main argument advanced on behalf of the concerned workmen is that they are working as clay cartridge makers for the management since 1987 at Bera Colliery. Clay cartridges are being made for blasting purpose. After blasting the coal is being raised and blasting is done for extraction of coal. The work of clay cartridge maker is continuous nature of job. The implements or the tools required for carrying out the said job used to be supplied by the management. Their work used to be supervised by Mining Sirdar, Shot Firer and Asstt. Colliery Manager. They used to work for more than 240 days in each year and they used to work more than 8 hours in a day and duty hours starts from 8 AM to 4 PM. Payment of wages used to be made by the Cashier of the said colliery. They were never been paid their wages as per NCWA. For that reason an industrial dispute was raised before ALC(C). In the year 1997 after the reference was made the concerned workmen were stopped from their work.

7. In this respect the management argued that they are suppliers of clay cartidges and only one person supplied clay cartridges and others are family members. It has also been argued by the management that clay cartridges are required as per need of the management and the payment is made on the basis of 1000 clay cartridges to the suppier and there is no relationship between the management and the persons concerned.

8. In this respect the evidence of WW-1, Kailash Turi, is very much important. He has stated in his cross-examination at page 2, that the other concerned workmen of this case are also my family members. We used to be paid our wages for the said work being done by us on monthly basis. We had not granted any appointment letter and we were not issued pay slips by the management. We were also not being issued Identity Card.

This statement of the concerned workmen shows that they have not been given appointment letter nor Identity Card which may show that they are working for the management. Moreover, other members are his family members and he also admitted that he has been paid wages for the work being done on monthly basis. So, there is no relationship between the management and the persons concerned and they can not be regularised by the management.

9. In the result, I hold that the demand of Bihar Colliery Kamgar Union, Dhanbad for regularisation under NCWA-IV of five clay makers working within the premises of Bera Colliery of Bastacola Area of BCCL is not justified. Hence, the concerned workmen are not entitled to any relief.

This is my award.

H.M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 2011

का॰ आ॰ 3494.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार टी॰आई॰एस॰सी॰ओ॰ एवं के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद न॰-1 के पंचाट (संदर्भ संख्या 30/2004) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-11-2011 को प्राप्त हुआ था।

[सं॰ एल-20012/233/2003-आई आर (सी-I)]

डी॰एस॰एस॰ श्रीनिवास राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 9th November, 2011

S.O. 3494.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 30/2004) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-1, DHANBAD, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. TISCO, and their workman, which was received by the Central Government on 09.11.2011.

[No. L-20012/233/2003-IR(C-I)]

D.S.S. SRINIVASA RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 1), DHANBAD.

(LOKADALAT)

In the matter of a reference under section 10 (1) (d) (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 30 of 2004

Parties : Employers in relation to the management of M/S. TISCO Ltd.

AND

Their Workman

PRESENT:

Shri Hari Mangal Singh, Presiding Officer

APPEARANCES:

For the Management	:	Sri. D.K. Verma, Advocate.
For the Workman	:	Sri S.N. Pandit, General Secretary, Colliery Karamchari Sangh.
State	:	Jharkhand
Industry	:	Coal

Dated 25 October, 2011

AWARD

By order No. L-20012/233/2003-IR(C-I) dated 26.3.2004 the Central Government in the Ministry of Labour

has in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:—

> "Whether the action of M/S. TISCO management in dismissing Sri Om Prakash Singh from service w.e.f. 26.4.2003 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. On 6.7.2011 was the date fixed for hearing the petition filed by the General Secretary, Colliery Karmachari Sangh. On that Sri S.N. Pandit, General Secretary of the union alongwith the concerned workman, Sri Om Prakash Singh appeared and prayed to pass necessary order allowing to withdraw the claim made by the union/workman.

3. It, therefore, appears that the concerned workman and the union are not interested to contest the case. In such circumstances, I pass a 'No Dispute' Award in the present reference case.

H.M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 2011

का॰ आ॰ 3495.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार टी॰आई॰एस॰सी॰ओ॰ एवं के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद न॰-1 के पंचाट (संदर्भ संख्या 162/99) को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 09/11/2011 को प्राप्त हुआ था।

[सं॰ एल-20012/186/1999-आई आर (सी-1)]
डी॰एस॰एस॰ श्रीनिवास राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 9th November, 2011

S.O. 3495.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 162/1999) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-[illegible]our Co[illegible], DHANBAD, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. TISCO, and their workman, which was received by the Central Government on 09/11/2011.

[No. L-20012/186/1999-IR(C-I)]
D.S.S. SRINIVASA RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD.

In the matter of a reference U/S.10(1) (d)(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 162 of 1999

Parties : Employers in relation to the management of Chasnala Colliery of M/s. IISCO

AND

Their Workmen

PRESENT :

Shri H.M. Singh, Presiding Officer

APPEARANCES :

For the Employers	:	Shri D.K. Verma, Advocate.
For the Workman	:	Shri H.N. Singh, Advocate.
Industry	:	Coal
State	:	Jharkhand

Dated, the 21st October, 2011.

AWARD

By order No. L-20012/186/99-IR(C-I) dated 3.8.99 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-sec.(1) and sub-sec. (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

> "Whether the demand of the union to refer the workman, Shri Ragho Singh to Appex Medical Board for re-assesment of his date of birth as per 1.1.76 of JBCCI is justified? If so, what relief the workman is entitled to?"

2. The case of the concerned workman is that the actual date of birth of the concerned workman is 12.10.48 which was got written by his guardian at the time of his initial entry in Govt. Primary School. He was initially appointed *vide* letter dated 11.8.70 by the management in Chasnala Colliery. While entering into employment. He declared his actual date of birth as 12.10.48 for entering his name in statutory Form 'B' Register. His actual date of birth is 12.10.48 which finds mentioned in his school Leaving Certificate also. When he came to know in 1997 that he was going to be superannuated disregarding his actual date of birth as 12.10.48 on and from 1.8.2000, he became perturbed and so as abundent precaution he got industrial dispute raised. In view of positions of variations in recording age/date of birth of the concerned workman by the management, the Ministry has rightly referred the present dispute for adjudication to this Hon'ble Tribunal to decide justification for reassessment of the age of the concerned workman.

In such circumstances, it has been prayed that this Hon'ble Tribunal be pleased to answer the reference in favour of the workman.

3. The case of the management is that he was appointed on 11.8.70 as general mazdoor and he declared his age as 30 years duly certified to be correct by the Medical Officer on the basis of medical examination conducted by him.

4. The management produced MW-1, R.C.K. Sharma and MW-2, Ajit Kumar Das.

The management also filed documents which have been marked as Exts. M-1 to M-3.

The concerned workman has examined himself as WW-1 and has produced documents which have been marked as Exts. W-1 to W-5.

5. Main argument advanced on behalf of the workman is that he was appointed on 11.8.1970 and at that time his date of birth in Form 'B' register was entered as 12.10.1948 as declared by him.

But it has been argued on behalf of the management is that in E.M.P.F. Register, (Form 'A') his date of birth has been mentioned as 1.8.1940, so his date of birth is 1.8.1940. In this Ext. M-1 the signature of the concerned workman finds place and another argument advanced on behalf of the management as per medical examination report, Ext. M-2, when he joined his age was 30 years which comes about his date of birth as 1.8.1940. It has also been argued that as per Ext. M-3 the concerned workman joined his duty and his age has been given by him as 30 years which has been signed by the concerned workman.

Argument advanced on behalf of the concerned workman is that as per certificate issued by the Doctor on 17.3.80 his age has been mentioned as 35 years.

The concerned workman has filed Ext. W-1 which was issued by the Doctor of the management on 17.3.80 in which he has been assessed about 35 years and as per Ext. W-3, certificate issued by the Asstt. Manager(P) on 27.7.81 his age has been given as 38 years on 3.8.75 and as per Ext. W-2 his date of birth has been given in Medical card as 40 years.

6. The concerned workman stated that he is literate person, but he has not filed any school leaving certificate which may give his date of birth. Even, the concerned workman (WW-1) in his cross-examination stated that he had declared his date of birth at the time of his appointment which has been mentioned in Form 'B' Register. In Form 'B' Register his date of birth has been written as 12.10.48.

7. The management's witness, MW-1, R.C.K. Sharma, stated in cross-examination at page-3 that Ext. W-1 has been issued by Dr. M.A. Hawue and Ext. W-3 is under the signature of Asstt. Manager (PL) in which the concerned workman's age has been mentioned as 30 years as on 2.8.75.

As per witness MW-2, Ajit Kumar Das, who has stated in cross-examination at page-2 that Ext. W-3 is under the signature of R. Paul, the then Asstt. Manager (PL) the contents of which regarding date of birth or age of the concerned workman do not tally with the entries made in the records of the management, and Ext. W-2 also which is medical card.

8. The management has not filed Form 'B' Register which may show that his date of birth is 1.8.1940.

9. One dispute arises about the date of birth of final assessment his age has been determined as 30 years on 2.8.75. It shows that there is contrary in determination of age of the concerned workman. When there is no document has been filed a point of dispute arises. It is must for the management to determine the age of the concerned workman as per 1.1.76 of JBCCI by the Apex Medical Board which has not been done by the management which is against the rule and the management should have sent the concerned workman for assessment of his age.

10. It is pertinent to mention that the concerned workman died on 4.9.2008 during the pendency of the reference and on a prayer made on behalf of the concerned workman, his son, Hriday Narayan Singh, has been substituted in place of Ragho Singh in this case *vide* order dated 28.1.2011.

11. Considering the facts and circumstances stated above, I come to the conclusion that the demand of the union to refer the workman, Shri Ragho Singh to Apex Medical Board for re-assessment of his date of birth as per 1.1.76 of JBCCI justified. But since the concerned workman has already died it is needless to pass any order directing the management to refer the concerned workman, late Ragho Singh to Apex Medical for re-assessment of his date of birth as per 1.1.76 of JBCCI. Accordingly, his son, Hariday Narayan Singh, is not entitled to get any relief.

This is my Award.

H.M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 2011

का॰आ॰ 3496.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बी॰सी॰सी॰एल॰ एवं के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में **केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद न॰-1** के पंचाट **(संदर्भ संख्या-123/1997)** को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09/11/2011 को प्राप्त हुआ था।

[सं॰ एल-20012/86/96-आई आर (सी-I)]

डी॰एस॰एस॰ श्रीनिवास राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 9th November, 2011

S.O. 3496.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award ***(Ref. No. 123/ 1997)*** of the ***Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-1, DHANBAD,*** as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. BCCL, and their workman, which was received by the Central Government on 09/11/2011.

[No. L-20012/86/1996-IR(C-I)]
D.S.S. SRINIVASA RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD.

In the matter of a reference U/S. 10(1)(d)(2A) of I.D. Act.

Reference No. 23 of 1997.

Parties : Employers in relation to the management of Bararee Colliery of M/S.B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen

PRESENT:

Shri H.M. Singh, Presiding Orficer

APPEARANCES:

For the Employers	:	Shri D.K. Verma, Advocate
For the Workman	:	Shri N.G. Arun, Authorised Representative
State	:	Jharkhand
Indusutry	:	Coal

Dated, the 20 Oct., 2011.

AWARD

By Order No.L-20012/86/96-IR(C-I) dated 1.5.1997 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-sec. (1) and sub-sec.(2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Ac, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

"Whether the claim of the Union that Shri Hulash Saw, Explosive Carrier has worked as Lamp Clerk and is therefore eligible for regularisation to that post with retrospective effect is legal and correct? if so, to what relief is the workman entitled?"

2. The case of the concerned workman is that he was initially engaged as Explosive Carrier and w.e.f. 11-1-91 he was engaged to perform duties in the colliery lamp cabin which post was lying vacant, where he has been functioning as Lamp Clerk since 11-1-91 which is permanent nature of job. After completion of required period of service as a Lamp Clerk he applied to the management for his regularisation as Lamp Clerk of Bararee Colliery. But the management did not do so. The union of the workman also represented before the management to regularise him on the job of a Lamp Clerk which he has been performing since January, 1991.

Thereafter an industrial dispute was raised before the A.L.C.(C), Dhanbad which ended in failure. On failure report sent by the A.L.C.(C), Dhanbad, the Ministry of Labour, has referred this dispute to this Hon'ble Tribunal for adjudication.

It has been prayed that this Hon'ble Tribunal be pleased to pass an award in favour of the concerned workman by directing the management to regularise him as Lamp Clerk w.e.f. 11.1.91.

3. The case of the management is that the concerned workman was initially appointed as Explosive Carrier and posted in Bararee colliery. Due his ill health, he approached the management from time to time to depute him for other alternative job. Accordingly, on his approach and request, the management allowed him to work in Cap Lamp Room as Cap Lamp Cleaner. He never worked as Cap Lamp Clerk nor he was assigned that job. As per Cadre Scheme and categorisation, only a matriculate is eligible in the BCCL for Clerical Grade under which the category of Cap Lamp Clerk falls into. He is not matriculate and thus he is not eligible for the post of Cap Lamp Clerk.

It has been prayed that the Hon'ble Tribunal be pleased to pass an award holding that the concerned workman is not entitled to any relief.

4. Both the parties have filed their respective rejoinders admitting and denying some of the contents of the paragraphs of each other's written statement.

5. The management has produced MW-1, Therat Siddharth.

The concerned workman has examined himself as WW-1, Hulash Saw and the documentns have been marked as Exts. W-1 to W-5, series.

6. Main argument advanced on behalf of the concerned workman is that he was working as Cap Lamp Issue Clerk since 1991 but the management is not regularising him in the above post and as per Ext. W-5 he was deputed to work as clerk since 2010 and as per Ext. W-3 he has also passed matriculation examination and the job is permanent and continuous nature. But the management illegally is not regularising him in the post of Cap Lamp Issue Clerk.

7. In this respect the evidence of WW-1 is material. He has stated in cross-examination at page 2 that I have got no documents to show that the management has ever

authorised me to do the work of Cap Lamp Issue Clerk and again he stated that my case is of the year 1997 and Ext. W-4 is of the year 2005. I have not been given authority to work as Attendance Clerk. Ext. W-5 is kept in the office. So, it shows that he has not filed any document which may show that he is working since 1991 as Cap Lamp Issue Clerk. But as per documents filed by him that he is Explosive Carrier in Category-II and he has been ordered by the management as per Ext. W-2 dated 27.7.95 as explosive carrier. So, no document has been filed which may show that he was authorised by the management to do the work of Cap Lamp Issue Clerk from 1991. The documents which have been filed by the concerned workman from 2005 and Ext. W-5 was copied in the office.

8. Accordingly, I render the following award.

The claim of the Union that Sh. Hulash Saw, Explosive Carrier has worked as Lamp Clerk and is therefore eligible for regularisation to that post with retrospective effect is not legal and correct. Hence, the concerned workman is not entitled to any relief.

H.M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 09 नवम्बर, 2011

का॰आ॰ 3497.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार **बी॰सी॰सी॰एल॰** एवं के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में **केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद नं॰-2** के पंचाट **(संदर्भ संख्या 49/2003)** को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09/11/2011 को प्राप्त हुआ था।

[सं॰ एल-20012/312/2002-आई आर (सी-I)]

डी॰ एस॰ एस॰ श्रीनिवास राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 9th November, 2011

S.O. 3497.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award ***(Ref. No. 49/2003)*** of the ***Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-2, DHANBAD***, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of ***M/s. BCCL***, and their workman, which was received by the Central Government on 09/11/2011.

[No. L-20012/312/2003-IR(C-I)]

D.S.S. SRINIVASA RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO.2) AT DHANBAD

PRESENT

Shri Kishori Ram, Presiding Officer.

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

Reference No. 49 of 2003

Parties	:	Employers in relation to the management of Katras Kshetra of M/s. BCCL and their workman.

APPEARANCES:

On behalf of the workman	:	Mr. Ram Ratan Ram, Advocate.
On behalf of the employers	:	Mr. U.N. Lal, Advocate.
State	:	Jharkhand
Industry	:	Coal.

Dated, Dhanbad, the 12th October, 2011

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication *vide* their Order No. L-20012/312/2002-I.R. (C-1), dated, the 23rd June, 2003.

SCHEDULE

"Whether the demand of the Bahujan Mazdoor Union from the management of katras Area of M/s. BCCL for providing employment to Sri Ramjeet Chouhan, the dependent son of Sri Jagarnath Nonia as per the provisions of NCWA is justified? If so to what relief is Sri Ramjeet Chouhan, the said dependant of Sri Jagarnath Nonia entitled?"

2. The pleaded case of the sponsoring Union for applicant Ramjeet Chouhan, as dependant son of Jagarnath Nonia, is that his father was a permanent workman a Mining Sirdar under the Management of Katras Chaitudih Colliery, Katras Area of M/s. B.C.C.L but he was medically declared unfit for his job on 3.7.1991. The Applicant as his dependant son applied with the essential documents to the Management for his employment as the NCWA provisions. The management offered him an employment as PR-UG

Miner Loader as per approval letter BCCL/PA-VI/3(8)KPA/12/9143137-90 dt. 21/31/12/92, but he could not join service on account of non-receipt of the approval letter on time, as he was also engaged missing his sick father at his native village. After being aware of his appointment letter after one year, he rushed to the colliery to join his duty, requested the higher Authority for providing the employment in place of his father workman on medical ground of his unfitness, the Dy. Chief Personnel Manager concerned directed the authority concerned for his appearance again before the initial Medical Board. Accordingly as per the concerned Authority's letter No. BCCL/KFA/PD/93/F-12/385 dt. 03.02.93, the applicant appeared before the Medical Board for his examination 01.6.95, he was found fit for the job. Since then, the Management did not provide him employment according to the provision of NCWA, despite his several requests written or verbal during the period 1995 to 2001 to the Management for it. His entire family is on the verge of starvation in lack of the employment. At last on compellingly raising the Industrial Dispute by the petitioner before the ALC(C), Dhanbad, the Reference has come for adjudication. Therefore, the petition as the dependant son of the workman is entitled to employment under the Management.

3. It has been pleaded in rejoinder in behalf of the workman that he was unable to join his job due to seriousness of his father which was informed to the Management. On full recovery of his father, the petitioner was again declared fit on 01.6.1995 by the Medical Board after his medical re-examination at his request. But the management illegally and arbitrarily closed his case. His demand for employment on the ground of medically unfitness of his father is quite legal, proper and justified.

4. Whereas admitting the approval of the Competent Authority received on 23.12.92 for the compassionate employment of Sri Ramjeet Chouhan dependent son of Sri Jagarnath Nonia, Mining Sirdar, after medically declaring him unfit on 03.07.91 and as per letter No. 385 at 3.2.93 sending of the petitioner to the Medical Board for adjudging his fitness for the job, the case of the Management is that the petitioner neither himself presented before the Medical Board for his examination of his fitness, nor sent any intimation/non compliance of the advice of the Management. Even after lapse of 3 years, when the petitioner approached the Management for his re-medical examination he was sent to the Medical Board on 01.6.95, but thereafter he did not present himself before the Management for a very long time. So his action proves there is no need of dependent employment though the management had inclination to do so. Thus the Management has finally treated the case as closed. Moreover, the present industrial dispute has been raised in Sept., 2002 after more than 11 years of medically declaration of the workman, unfit on 3.7.91 from his original job. The workman, if continued in service, would have retired on 31.12.1992 from his service as per his recorded date of birth 01.01.1933 and his date of appointment in April, 1951. Therefore, the demand of the Union for the dependent employment seems now unjustified, unreasonable and unfair and the claimant is not entitled to get any relief.

5. Categorically denying the allegations of the claimant, the Management in the rejoinder has pleaded that since he was not available for his medical examination before the Medical Board two times as noted above, he could not get the offer of employment which could not be practically given to him. As per N.C.W.A. provision, the employment was though agreed yet was unavailed of by him for the reasons best known to him, so that offer is not re-afforable after such a belated stage. Now the concern of the claimant not showing or carrying for the Management's sincereity in right prospective for compassionate employment is unsustainable.

FINDING WITH REASONING

6. In this case WW-1 Ranjit Chouhan, the petitioner himself in behalf of the sponsoring Union, and MW-1 Tejbinder Singh the Senior Officer (Personnel) Katras Chaitudih Colliery, Katra Area from the side of the management have been examined.

On scanning the materials available on the case records, the facts being admitted, hence indisputable are as under:

(i) Petitioner Ranjit Chouhan is the dependent son of ex-workman Shri Jagarnath Nonia, the Mining Sirdar, K.C. Colliery who was medically declared unfit as per the Dy. M.S.'s letter No. 1403-105 dt. 21.7.91 (Ext. W-1).

(ii) On his application for his employment to that effect, the petitioner was offered the employment as P.R. - U.G. Miner/Loader at K.P.A. as per Dy. Chief Personnel Manager concerned's letter No. 385 dt. 03.02.93 as a notice to him for his appearance before the initial Medical Board for his examination, as per the letter dt. 30.06.95 of Dy. Chief Personnel Manager of the said Area (Ext. W-3) addressed to the General Manager (P&I.R.), BCCL Koyala Bhawan, Dhanbad, for an advice for the issuance of his appointment letter, as the petitioner was medically declared fit on 1.6.95 when he appeared before the Medical Board again as per direction of the management.

7. According to the statement of the petitioner (WW-1) he could not attend the Medical Board earlier for any Medical examination due to the illness of his father. So he had again appeared before the Medical Board as per direction of the management, and he was declared medically fit. This fact also stands corroborated by the aforesaid Dy. Chief Personnel Manager's letter No. 1001 dt. 30.06.95

(Ext. W-3), which also proves thatShri Jagarnath Nonia the Ex-employee father of the petitioner had applied before the G.M. concerned through his application dt. 20.4.94 about his suffering from paralysis, due to which his son who was taking care of him could not appear before the Management for his employment. But inspite of it the Management did not issue him any letter of appointment even after his representation before the Management hence, the industrial dispute areas. The petitioner has denied the closure of his case by the Management as well as non-issuance of an appointment letter to him by the management on account of his own fault.

8. Whereas proving the photo copy of the aforesaid same notice dt. 02.03.93 as (Ext. M-1 = Ext. W-2) for the appearance of the petitioner before the Medical Board, MW-1 Tejbinder Singh has stated that he did not appear along with the documents as directed before the Medical Board. The witness has admitted that the petitioner was medically declared fit by the Medical Board on his medical examination on 1.6.95 at the initiative of the management when the petitioner approached the management. But the petitioner unpleadedly stated that the petitioner did not go to the management for his employment on compassionate ground which is not admissible in the eye of law. Further statement of MW-1 based on the pleading is that the industrial dispute through the Union was raised in the year 2002 after 11 years, so he was not given any employment on that score, for there is provision for application for employment on compassionate ground within 18 months only from the date of the cause of action. So demand of the Union for the employment of the petitioner is not justified; moreover, the Chief General Manager concerned as per his letter dt. 21.9.03 marked as Ext. M-2 had represented in the conciliation proceeding before the ALC(C) Dhanbad. This witness (MW-1) could not response to the fact whether any response to the Management's letter dt. 30.6.95 (Ext. W-3) had come from the office of the G.M. concerned till then, yet he admitted that the petitioner did not get his aforesaid employment till 1995.

9. On the consideration of all the aforesaid discussed facts, I find that admittedly the petitioner had duly filed his application for his employment before the management at the relevant time, that in course of process of his employment, the petitioner as per the Dy. Chief Personnel Manager's letter dt. 30.6.95 (Ext. W-3) has justified for his non-appearance before the Medical Board on 3.2.93 to 20.4.95 for his medical examination, because of his taking care of his ex-workman father Jagarnath Nonia suffering from paralysis and thereafter as per the direction of the management, the petitioner on his medical examination was declared medically fit on 1.6.95 but the management has failed to justify undue delay in issuance of his appointment letter for his offered post in response to the management's aforesaid letter dt. 30.6.95 which was sent to the G.M. (P. & I.R.), BCCL. Koyala Bhawan, Dhanbad for its clarification. Thus it is none but the management which is responsible for causing inordinate delay intentionally with a view to deprive the petitioner of his justified claim for his employment in place of his disabled father, ex-Mining Sirdar. This also shows the malafide intention of the management not to provide such immediate employment on compassionate ground to the dependent like the present petitioner running from pillar to post for his living altogether for long time in violation of the NCWA-V.

In result, it is held that the demand of Bahujan Mazdoor Union from the management of Katras Area of M/s BCCL for providing employment to Shri Ranjit Chauhan, the dependent son of Shri Jagarnath Nonia as per provision NCWA-X is legally justified. Consequently, Shri Ranjit Chauhan (the petitioner) the dependent of Shri Jagarnath Nonia is entitled to employment under NCWA-V clause 9.4.0 immediately, without any delay. The management is directed to implement the Award within three months from the date of its publication in the Gagette of India in the light of the observation made above.

KISHORI RAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 2011

का० आ० 3498. औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार **टाटा स्टील लिमिटेड** एवं के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में ***केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद न०-2*** के पंचाट ***(संदर्भ संख्या 17/2007)*** को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को **09/11/2011** को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल 20012/34/2007 आई आर (सी 1)]

डी०एस०एस० श्रीनिवास राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 9th November, 2011

S.O. 3498. In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award ***(Ref. No. 17/2007)*** of the ***Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-2, DHANBAD***, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of ***M/s. TATA STEEL Ltd.***, and their workman, which was received by the Central Government on **09/11/2011**.

[No. L-20012/34/2007-IR (C-I)]

D.S.S. SRINIVASA RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT

Shri Kishori Ram, Presiding Officer

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10 (1)(d) of the I.D. Act, 1947.

REFERENCE NO. 17 OF 2007

Parties	:	Employers in relation to the management of M/s. Tata Steel Ltd. and their workmen.

APPEARANCES:

On behalf of the workmen	:	None
On behalf of the employers	:	Mr. D.K. Verma, Advocate.
State	:	Jharkhand
Industry	:	Coal.

Dated, Dhanbad, the 20th October, 2011.

ORDER

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication *vide* their Order No.L-20012/34/2007-IR(CM-I), dated, the 13/17.04.2007.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Bhelatand A Colliery of M/s. Tata Steel Dbanbad in dismissing Shri Debanand B.P. Miner from the services of the company *w.e.f.* 15.7.2005 is justified and legal? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. None represented the Union concerned/workman Debanand B.P. Nor W.S. filed on behalf of the workman. Mr. D.K. Verma, the Ld. Advocate for the management is present.

3. The present reference relaties to the issue over the dismissal of the workman, the Miner, from the service of the company *w.e.f.* 15.7.2005 by the management of Bhelatand A Colliery of M/s. Tata Steel, Dhanbad, which has been pending for appearance as well as for filling W.S. on behalf of the workman *ab initio i.e.* 23.12.2007 till the date, for which notices including Registered Notices dt. 12.11.07 till the date, for which notices including Registered Notices dt. 12.11.07, 04.01.08 show cause notice dt. 10.03.08, 28.03.08, 22.05.08 29.10.10, 02.03.11 and reminder through Regd. Post dt. 26.7.11 were issued to the Joint General Secretary of the Union concerned yet non represented the workman. Non-appearance/non-representation of the Union/workman even after the issuance of a number of registered notices including show cause clearly indicates a great deal of unwillingness to contest the case, so proceeding with the case for uncertainty is futile. Hence, the case is closed and accordingly order may be passed.

KISHORI RAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 16 नवम्बर, 2011

का॰ आ॰ 3499.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उप धारा - (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा **01 दिसम्बर, 2011** को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (44 व 45 धारा के सिवाय जो पहले से प्रवृत्त हो चुकी हैं) अध्याय-5 और 6 (धारा-76 की उप धारा- (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबंध **पंजाब** राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:

क्रम सं॰	राजस्व क्षेत्र	तहसील	तहसील	जिला
1	सहोड़ां	95	मोहाली	मोहाली
2	भागोमाजरा	210	रोपड	रोपड
3	लखनौर	36	मोहाली	मोहाली
4	घटौर	94	खरड़	मोहाली
5	घड़ूआँ	377	खरड़	मोहाली
6	लाँडरा	37	मोहाली	मोहाली

[सं॰ एस-38013/75/2011-एस॰एस॰ 1]

नरेश जायसवाल, अवर सचिव

New Delhi, the 16th November, 2011

S.O. 3499.— In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st **December, 2011** as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (i) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of **Punjab** namely:—

Sl. No.	Name of the Village	Had Bast No.	Tehsil	District
1.	Sahauran	95	Mohali	Mohali
2.	Bhagomajra	210	Ropar	Ropar
3.	Lakhnaur	36	Mohali	Mohali
4.	Ghataur	94	Kharar	Mohali
5.	Ghauran	377	Kharar	Mohali
6.	Landran	37	Mohali	Mohali

[No. S-38013/75/2011-SS.I]

NARESH JAISWAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 2011

का० आ० 3500.—केन्द्रीय सरकार संतुष्ट है कि लोकहित में ऐसा अपेक्षित है कि **लोहा एवं इस्पात उद्योग** में सेवाओं को जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 7 के अन्तर्गत निर्दिष्ट किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवाएं घोषित किया जाना चाहिए।

अत: अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उप-खण्ड (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये तत्काल प्रभाव से छ: मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं० एस-11017/7/2011-आई०आर० (पी० एल०)]

चन्द्र प्रकाश, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 28th November, 2011

S.O. 3500.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the services in the **Iron and Steel Industry** which is covered by item 7 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a 'Public Utility Service' for the purposes of the said Act.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a 'Public Utility Service' for the purpose of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/7/2011-IR (PL)]

CHANDRA PRAKASH, Jt Secy.

Printed by the Manager, Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.